रजिस्ट्री सं• डी—(डी)--73

REGISTERED NO. D-(D)-73 SECRETARIA The Gazette of India

प्राधकार् स प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26]

नई विल्ली, शनिवार, जुन 30, 1979 (आषाढ़ 9, 1901)

No. 26]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1979 (ASADHA 9, 1901)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था दी आली है जिससे कि यह असन संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш—बब्ह 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्याक्षयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संच लोक सेवा आयोग

श् द्धि-पत्न

सं फा० 10/4/78-प० I (ख)-दिनांक 30-6-79 भारत के राजपत्न दिनांक 14 अप्रैल, 1979 के भाग III, खंड I में प्रकाशित सहायक ग्रेड परीक्षा से संबंधित संघ लोक सेवा प्रायांग के नोटिस सं० फा० 10/4/78-प० I (ख) दिनांक 14 अप्रैल 1979, में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे।

आयोग के नोटिस के पैरा 5 और 7 में जहां कहीं भी णब्द और अंक 4 जून, 1979 आए हों उनकी जगह 25 जून, 1979 पढ़ा जाए ।

> आर० एम० अहलूबालिया उप सर्चिव मंघ लोक मेबा आयोग

नई दिल्लो, दिनांक 28 मई 1979

सं ० ए० 32014/1/79-प्रणा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवंग के निम्नलिखित स्थायी गद्भायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने दी गई श्रवधि के लिए अथवा आगामी अदेणों तक, जो भी पहले हो, उसी संगर्भ में अनुभाग अधिकारी के पद पर, तक्ष्य आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:---

क ० नाम सं०	श्रवधि जिसके लिए श्रनु- भाग अधिकारीः नियुक्त किया गया
•1 2	3
 श्री एस० म्रार० खन्ना श्री एन० के० ढींगरा 	1-5-79 से 29-6-79 2-5-79 से 30-6-79

1-126GI/79

2	3
श्री पी० एल० शर्मा	2-5-79 (30-6-79
श्री एन० एम० एल० भटनागर	1-5-79 से 31-5-79
श्री के०पी० ग्रस्यर	2-5-79 से 16-6-79
श्री एम० एन० ग्ररोड़ा	11-4-79 स 31-5-79
श्री ग्रार०पी० शर्मा	13-4-79 से 20-5-79
	19-4-79 स 18-5-79
श्री एस० डी० एस० मिनहास	19-4-79 से 18-

दिनांक 31 मई 1979

सं० ए० 12025 (ii)/1/77-प्रणा०-III—वाणिज्य, सिविल पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) में नामित होने पर संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ण के स्थायी सहायक तथा उसी संवर्ण में 23-12-78 प्रपराह्म में श्रनुभाग श्रिधकारी के पद पर श्रस्थायी उधार के श्राधार पर रखे गए श्री श्रार० के० गोयल को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 31-5-79 (श्रपराह्म) में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

एस० बासाचन्द्रन श्रवर मचिव (प्रणासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली:-110001, विनांक 5 जून 1979

सं० श्रो० दो० 110 1/78 स्थापना— राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्मा श्रिधकारी डाक्टर गनेष कुमार देवरी, ग्रुप सेन्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, इम्फाल का त्यागपत्न दिनांक 20-5-1979 पूर्वास्त्र से स्वीकृत कर लिया।

> वाई० पी० वर्षणी सहायक निदेणक (प्रणासन)

भारत के महापंजीकार का कायिलिय नई दिल्ली -110011, दिनांक 5 जून 1979

सं० 11/1/79-प्रशा०-1/9566—इस कार्यालय की तारीख 19 सितम्बर, 1979 की श्रिधसूचना सं० 2/1/75-म० प० (प्रणा०-1) के श्रनुक्रम में और ईरान सरकार के श्रधीन स्वास्थ्य श्रीर कल्याण मंत्रालय में डैमोग्राफर के रूप में विदेश सेवा की श्रविध समाप्ति के परिणामस्वरूप श्री मन्तराम गुप्त ने तारीख 22 मई, 1979 के पूर्वाल से केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में उप निदेणक जनगणना कार्य के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री गुप्त का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में होगा।

पी० पद्मनाभ भारतंके महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालय जम्मूव कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 5 जून 1979

मं० प्रणा०-1/60 (62) / 79-80/803-806--- महालेखावार जम्मू व कण्मीर ने श्रन्य श्रादेश होने तक इस कायिलय के एक स्थाई श्रनुभाग श्रिधिकारी श्री कन्या लाल हण्डू (जन्म-तिथि 1-2-1940) को 31 मई. 1979 (श्रपराह्म) सं प्रभावी, स्थानापन्न हैमियत से लेखाधिकारी के रूप में पदो-न्नत किया है।

म० म० मुबारकी विरुट्ठ उप महालेखाकार (प्रणासन एवं क्रधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार राजक्थान जयपुर, दिनांक 4 जून 1979

सं० प्रशा०-II/जीत जीत-सूचना/289—महालेखाकार राजस्थान ने श्री उदयसिंह कोठारी श्रनुभाग श्रधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 25-5-79 (पूर्वाह्न) से श्रग्रसर श्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० ग्र० बोरकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रणासन)

रक्षा मंत्रालय श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 30 मई, 1979

सं० 29/79/जी--राष्ट्रपति जी निम्नलिखित श्रफ्सरों को महायक प्रबन्धक (परखाविध) के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीकों से, नियुक्त करते हैं:---

श्री वेद प्रकाश यजुर्वेदी	28 दिस≠बर, 1978 (श्रपराह्म)
श्री पी० बी० रबुनाथु	5 ज नवर्र ा, 1979
श्री राजेन्द्र कुमार भ्रग्नवाल	7 जनवरी, 1979
श्री रमण चन्द्र सिंह	8 जनवरी, 1979
श्रीः विनय भल्ला	29 जनवरी, 1979
श्री ग्रमिताभराय चौधरी	25 मार्च, 1979
श्री एम० सत्यनारायण	28 मार्च, 1979
श्री णिवजी तियारी	पह्ली भ्रप्नेल, 1979

बी के० मह्ता सहायक निदेशक, श्राईनेंस फैक्टरियां वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं महकारिरता मंत्रासय नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1979 आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/1301/79-प्रशासन (राज०)/4156 — राष्ट्रपति श्री बी० ग्रार० वसु भारतीय प्रसासनिक सेवा जो पहले कार्मिक् तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में निदेशक थे, को 20 ग्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगला ग्रादेश होने तक, मुख्य नियंक्रक ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिस्ली में ग्रार मुख्य ग्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

मं० 6/565/59-प्रणामन (राज०)/4168 — राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय मेवा के प्रवर श्रेणी के प्रधिकारी, श्री आई० ए० रणीद को 3 मार्च, 1979 के दीपहर बाद से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए बंगलीर में मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियक्त करते हैं।

का० वें० शेषादि, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-I)

नई विल्ली, दिनांक 5 जून, 1979

सं० प्र०-1/1(291)/III प्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति मेबा के ग्रेड-I) श्री एम० के० राय को दिनांक 28 मई, 1979 के पूर्वाह्म मे ग्रौर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में उपमहानिदेशक (पूर्ति नथा निपटान) के इत्य में स्थानायन इत्य में नियुक्त रकते हैं।

> कृष्ण कियोर, उप महानिदेशक (प्रशासन) **कृते**ृमहानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1979

श्री सिन्हा ने सहायक निरीक्षण ध्रिष्ठकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया ग्रीर 9 मई, 1979 के पूर्वाह्न से सहायक निरेक्षक निरीक्षण (धातु) का पदभार संभाल लिया।

पी० डी० सेठ, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, बिनांक 6 जून 1979

सं० 3056बी०/52/62/19ए० — भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रणासनिक प्रधिकारी श्री टी० पी० मुखर्जी सरकारी सेवा से वार्धक्यनिर्वत्तन पर 31-3-1979 (प्रपराह्न) से निवृत्त हो गए।

वी० एस० कृष्णस्वामी, महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 जून, 1979

मं० ऋ ए०-19012/111/79-स्था० ए० संघ लोक सेवा प्रायोग की मिफारिण में श्री मोहन राम प्रस्थाई कनिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) भारतीय खान ब्यूरों को दिनांग 26-4-1979 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेण होने तक भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप से महायक प्रनुमंधान ग्रिधकारी (ग्रयस्क प्रमाधन) के पद पर महर्ष नियुक्ति प्रदान करने हैं।

सं० कि० ए०-19012/112/79-स्था०, ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की निकारिण में श्री ग्एम० एम० सावंग स्थाई वरिष्ठ तकनीकी महायक (प्रकाणन) भारतीय खान ब्यूरो को दिनाँक 23-4-79 के पूर्वाह्म से आगामी आदेण होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन रूप में प्रकाणन श्रिधकारी के पद पर सहुर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बालागोपाल, कार्यालय **प्र**ध्य**क्ष,** भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 6 जून 1979

सं० 4-165/79-स्था०-भारतीय मानविकान मर्वेक्षण के निदेणक श्री हमन श्रली, रिमर्च एसोमिएट (सांस्कृतिक) को इस सर्वेक्षण के मुख्यालय कलकत्ता में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 25 मई, 1-979 के पर्वाह्म से ग्रस्थायी ग्राधार पर ग्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

> सी० टी० भोमस, बरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 मई 1979

सं एफ०-11-19/77-ए०-1---श्रीमित शशीकला एस० परमबाथ, स्थाई सहायक पुस्तकाध्यक्ष को बिल्कुल तदर्थ श्राधार पर तारीख 14-5-79 (पूर्वीह्न) से श्रागामी आदेश होने तक स्थानापन्न पुस्तकाध्यक्ष (वर्ग-2 राजपित्रत) नियुक्त किया गया है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिए किसी प्रकार के दावे का श्रिधिकार प्रदान नहीं करेगी और न श्रन्य एच्च ग्रेड में पदोक्षति हेतु पात्रता श्रीर बरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिए नहीं गिनी जाएगी।

भीम सैन कालड़ा, प्रशासन श्रिधकारी राष्ट्रीय स्रभिलेखागार कृते श्रभिलेख निदेशक।

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1979

सं० 10/9/79—गुस-तीन—सहानिदेक आकाशवाणी, श्राकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियर सहायक संवर्ग के श्री गोविन्द सिंह की सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्नति करते हैं श्रीर श्रगले श्रादेश होने तक उन्हें 30-3-1979 (पूर्वाह्म) में श्राकाशवाणी, रामपुर में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जून 1979

्रसं ० 10/13/79-एम० तीन—महानिदेणक, प्राकाणवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी महायक मवर्ग के श्री एच० रामब्राह्मण को प्राकाणवाणी के सहायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्नतं करते हैं ग्रांर ग्रगले ग्रादेण होने नक उन्हें 29-3-79 (श्रपराह्म) में श्राकाणवाणी, ऐजल में नियुक्त करते हैं।

दिसांक 4 जून 1979

सं 0 10/10/79-एस० तीन—महानिदेणक, श्राकाणवाणी, आकाणवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्री पी० देवासन की सहायक इंजीनियर गंवर्ग में, रवानापत्र रूप में पदोन्नत करते हैं और भगले सादेश होने तक उन्हें 27-2-79 (पूर्वाह्र) से दूरवर्णन केन्द्र, कन्तिना में निय्कत करते हैं।

दिनांक त जून 1979

मं० 10/14/79-स्टाफ-III—महानिदेणक, श्राकाशवाणी, श्राकाणवाणी के वरिष्ठ इंजीनियर सहायक श्री सी० श्रार० पुरुषोथमन को महायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं श्रीर श्रगके श्रादेश होने तक उन्हें दिनांक 30-3-79 (पूर्वा) से श्राकाशवाणी, मांगली में नियुक्त करते हैं।

सं० 10/10/79-एस-तीन---महानिदेशक, श्राकाणवाणी, श्री गुरनाम सिह् अलबेला, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाण-वाणी को, स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियरी संवर्ण में, पदोन्नित करते हैं और भ्रगले आवेश होने तक उन्हें 19-3-79 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र श्रमृतसर में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 जून 1979

सं० 10/5/79-एस-III—महानिदेशक स्नाकाशवाणी, स्नाकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी महायक के संवर्ग के श्री रामानन्द प्रसाद को भ्राकाशवाणी के सहायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं और श्रगले श्रादेश होने तक उन्हें 9-4-79 (पूर्वाह्न) से श्राकाशवाणी दरभंगा में नियुक्त करते हैं।

सं 10/7/79-स्टाफ-II-महानिदेशक, आक्राशवाणी, श्राकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक श्री वी० रामाराव को सहायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नन करते हैं और श्रमले श्रादेश होने तक उन्हें दिनांक 9-3-79 (पूर्वाह्म) से आकाणवाणी , बस्बई में नियुक्त करते हैं।

> जे० श्रार० लिखी, उप निदेशक प्रशासन **क्**ते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1979

सं० 32/1/79-एस-II---महानिदेशक आकाशवाणी, श्री प्रवदेश कुमार, फील्ड रिपोर्टर आकाशवाणी, जयपुर को आकाशवाणी जयपुर पर विस्तार प्रधिकारी के पद पर तदथ प्राधार पर 21 मार्च, 1979 से श्रगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० वी० गोषाद्री उप निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 4 जून 1979

र्मं ० ए-24013/28/78-निब्बन्दी-I-श्री जी० के० डी० नाग, रनामी गाचा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग नागपुर के छुट्टी से लौटने पर फिल्म प्रभाग नागपुर के स्थानापन्त शाखा प्रबन्धक कु० एस० सेन, दिनांक 30-4-79 के पूर्वाह्न में बिझेला के पद पर प्रत्यार्वीतन हुई ।

> नरेन्द्र नाथ णर्मा, महायक प्रणामकीय ऋधिकारी **इसे** मुख्य निर्माता

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 जुन 1979

सं० 4/10/70-डी० एफ०डब्ल्यू०(प्र०)—श्री के० एस० साहनी, स्थानापन्न श्रधीक्षक, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को श्री के० सी० बीखचंदानी के श्रवकाण लेने पर उनके स्थान पर 4-6-79 के पूर्वाह्न से 13-7-79 तक कार्यवाहक महायक प्रणासन श्रीधकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में नियुक्त किया गया।

स्रार० बी० एल० मोरिया, महायक प्रशासन ग्रधिकारी इस्ते मुख्य निर्माता

बम्बई-26, दिनांक 7 जून 1979

मं० 5/32/62-सिब्बन्दी-ग्रि—संघ लोक सेवा श्रायोग के सिफारिण पर, फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग, बम्बई की स्थायी श्रार्टीस्ट ग्रेड-I, श्रीमती एस० एस० परभाकर को दिनांक 25-5-79 के पूर्वाह्म से समान कार्यालय में श्रगले श्रादेश तक इनविटबीन एनीमेटर के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रत नायर, प्रणासकीय श्रधिकारी इते मुख्य निर्माता

विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेणालय नई दिस्ली, दिनांक 6 जून 1979

सं० ए०-12026/19/78-स्थापना—विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री गुरु प्रसाद धूसिया, तकनीकी सहायक (सुद्रण प्रचार) को इस निदेशालय में 28 मई, 1979 से ग्रगले ग्रादेश तक श्रस्थायी रूप से तदर्थ श्राधार पर महायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) नियुक्त करते हैं।

श्चार० नारायण, उप निदेशक (विज्ञापन) कृते विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1979

मं० ए० 12026/38/77-(एच० नपू०)-प्रणासनान् -स्म निदेणालय के 7 अक्तूबर, 1978 की अधिसूचना संख्या ए०-12026/38/77(एच० क्यू०)-प्रणासन-1 के तहत जारी

किये गये आदेशों के कम में राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय के डैस्क श्रधिकारी श्री पी० के० घई को 7 मार्च, 1979 पूर्वाह्म से श्रीर श्रागे छः महीने की ग्रवधि के लिये बसी निदेशालय में विशेष कार्य ग्रधिकारी के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जून 1979

सं० ए० 12026/479-(एच०क्यू०)-प्रशासन-[-राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के उप श्रौपधि नियन्त्रक (भारत) श्री श्रार० बालासुग्रामणियम को 1 जनवरी, 1979 पूर्वाह्म से 31 यार्च, 1979 (ग्रपराह्म) तक डा० एस० एस० गोठोस्कर के श्रमाधारण लुट्टी पर चले जाने पर इसी निदेशालय में श्रौषधि नियन्त्रक(भारत) के पद पर नदर्थ श्राधार पर तैनात किया है।

> णाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

मं० ए० 38013/1/79-भण्डार-1-सेवा निवृत्त ग्रायु के हो जाने पर मरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई के सहायक डिपो मैनेजर श्री वन्कटेश भीमराव देशपाण्डेय ने 31 मार्च, 1979 ग्रयराह्म को भरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

सुन्दर कुमार कर्थक, उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं मिचाई मंत्रालय

विस्तार निवेणालय

दिल्ली-1, दिनांक 1 जून 1979

मि० सं० 2(1)/79-स्था०(1)-सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर श्री श्रोम प्रकाश गुप्त की नदर्थ नियुक्ति 6 जून, 1979 में श्रागे श्रीर 30 जून, 1979 तक बढ़ा दी गई है।

बद्रीनाथ चड्ढा, निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 5 जून 1979

सं ए०-19023/2/79 प्रव III-विभागीय पदोन्ति सिमिति की सिफारिशों के ध्रनुसार श्री जीव पीव रजानी, सहायक विपणन अभिकारी को गागपुर में नारीख 21-5-79 (पूर्वाह्न) से ध्रमले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न विपणन श्रिधकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विषणन प्रधिकारी के रूप में पदोन्नित होने पर श्री रजानी ने दिनांक 17-4-79 के ग्रपराह्म में जयपुर में महायक विषणन ग्रधिकारी (वर्ग-I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक, प्रकासन फ्रुप्ते कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 5 जुन 1979

संदर्भ डी/871/एन०पी०/स्थापना-I/2490-निदेशक, भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र ने इसी केन्द्र के श्री एम० ई० डाक्टर. एक अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एम० बी० का सेवा से त्यागपत्र 2 अप्रैल, 1979 के अपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 6 जून 1979

संदर्भ पी०/2042/चिकित्सा/स्थापना-I/2509—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने इसी केन्द्र की डा० (श्रीसती) एस० ग्राई० प्रसाद, एक श्रस्थायी निवासी चिकित्सा ग्रिधकारी का सेवा से त्यागपत 30 ग्रप्रैल, 1979 के ग्रपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

कुमारी एच० बी० विजयकर उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजिनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 31 मई 1979

स० पी० पी० ई० डी०/3(283)/76-प्रशासन/7489—-इम अनुभाग की तारीख 1 मार्च, 1979 की समसंख्यक ग्रिधिस्चना के कम में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा इस अनुभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० तम्बे को, जिनको 26 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न में 18 अप्रैल 1979 के अपराह्न तक इसी प्रभाग में लेखा श्रिधिकारी-II के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त किया गयाथा, 5 मई, 1979 के श्रपराह्म तक उसी पद का कार्यभार श्रस्थायी रूप से संभाले रखने के लिये अनुमित दी जाती है ।

बी० 'वी० थाट्टे प्रशासनिक स्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 11 मई 1979

सं० पी० ए० श्वार०/1507/1616—मुख्य कार्यपालक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र भाभा परमाण् श्रनसंधान केन्द्र स्थायी सहायक व नाईस के स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी श्री एम० बालकृष्णन को स्थामी तौर पर 1-1-79 में सहायक प्रशासन ग्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० म्रार०/1508/1617—मुख्य कार्यपालक नाभिकीय इँधन सम्मिश्य स्थानापत्न उप मृख्य सुरक्षा म्रधिकारी श्री के० के० भट्टाचार्जी को 16 म्रप्रेस, 1979 से स्थायी रूप में नाईम में सुरक्षा म्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

दिनiक 19 मई 1979

सं० पी० ए० आर०/0704/1816—मुख्य कार्यपालक नाभिकोय ईंघन सम्मिश्र श्री एस० एस० नरसिम्हा श्रीद्योगिक अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक को 8-5-1979 से 7-6-1979 तक के लिं। नाभिकीय ईंघन सम्मिश्र में छुट्टी रिक्ति परस्थानापन्न कासे सहायक कार्मिक श्रिकारी नियुक्त करते हैं।

> यू० वासुदेव राव, प्रशासन ग्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603102, दिनांक 30 मई 1979

सं० ए० 32013/7/79/म्रार/8566---रिएक्टर म्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के फोरमैन श्री के० गोपालकृष्णन को 1 फरवरी, 1979 के पूर्वास्त्र से म्रगले म्रादेश तक के लिये इसी केन्द्र में 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में वैज्ञानिक प्रधिकारी ग्रेड एम० बी० के पद पर म्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० एस० बी० श्रय्यर, प्रशासनिक श्रधिकारी इस्ते परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1979

सं० ए० 38012/1/79-ई०सी०--निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर थो एस० एल० डे, सहायक तकनीकी अधिकारी, नियन्त्रक सवार का कार्यावय, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकता ने दिनांक 31-3-1979 (प्रापराक्ष) को प्रापने पद का कार्य-भार त्याग दिया है।

> सत्य देव शर्मा, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1979

गण ए०-32013/7/79-ई०-1-राष्ट्रपति ने श्री शुलकीण राय वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैमानिकी) को 22-5-79 से 24 जुलाई 1979 तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ स्राधार पर वैज्ञानिक श्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है वगर्ने कि रिक्ति लगातार उपलब्ध हो।

> सी० के० वत्स सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1979

मं०. ए० 32013/3/79-ई०ए०—-राष्ट्रपति ने श्री श्रो० पी० दींगरा, विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 7-5-79 से 21-6-79 तक की श्रवधि के लिये तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री श्रार० एम० सिधु वरिष्ठ विमानक्षेत्र श्रिकारी मुख्यालय के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रवधि के लिये श्रिजित छुट्टियां मंजूर की गई है।

वी० वी० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद णुल्क नई दिल्ली, दिनांक जून 1979

सं० 5/79-श्री डी० आर० नदकणी, ने जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतिलय बम्बई, में ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, मीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के दिनांक 17-3-79 के श्रादेश फा० सं० 1041/17/78 द्वारा इस निदेशालय के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में स्थानान्तरण होने पर दिनांक 23-4-79 के (पूर्वाह्म) में निरीक्षण ग्रिक्कारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' काकार्यभार संभात लिया है।

बी० श्रार० रेड्डी निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्नालय

कानपुर, दिनांक 23 मई 1979

सं० 13/79—शी ग्रार० के० दास स्थानापन्त/पुष्ट ग्राधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद मुल्क वर्ग 'ख' न श्राधीक्षक एम० श्रो० श्रार०-1, कानपुर-1 के पद का कार्यभार दिनांक 30-4-79 (श्रपराह्म) को श्री टी० श्रार० यसीन को मौंप दिया श्रीर ग्राधवर्षिता की श्रायु प्रात होने पर संस्कारी सेवा से दिनांक 30-4-79 (श्रपराह्म) को सेवानिव तहों गये।

> ह्० ग्रपठनीय समाहर्ता

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्नाण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1979

सं० 23/2/77-ई०सी०-II-केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री यू० जे० मताई प्रश्नीक्षक इंजीनियर (जो सैन्द्रल वेयर हाउसिंग कारपोरेशन में प्रति नियुक्त है) वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर मरकारी सेवा थे दिनांक 31 मई. 1979 (अपराह्म) को सेवा निवृक्त हो गये।

बी० ग्रार० रत्तू प्रणासन उप निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि खोर्डं कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर की राठोर इन्वैस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 25 मई 1979

सं० ए-715/981 (2)—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है की राठौर इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर भे काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर की भिवजोर सीमेन्ट्स एन्ड फाइनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 25 मई 1979

सं० ए-727/982(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है की भिबजोर सीमेंट्स एन्ड फाइनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित कर हो गई है।

> कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर की मम्बलपुर भिनराल इन्डम्ट्रीज श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

> > कटक, दिनांक दिनांक 25 मई 1979

सं॰ ए॰ 357/983-(2)---कम्पनी ग्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतब्बारा सूचना दो जाती है को सम्बलपुर भितराल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिसिटेड का ताम आज रिजस्टरसे काट दियागणा है और उका कम्पनी विघटित हो गई है।

> डी० के० पा**ल** कमानीयों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कमानी अधिनियम 1956 और प्रकाण पेन कम्पनी प्राईवेट लिगिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 11 जून 1979

मं० 510/3360एल०सी०--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा के अनुमरण में एतद्द्वारा सूचनादी जाती है कि प्रकाण पैन कम्पनी प्राइवेट लिसिटेड कानाम ग्राजरिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर लखनऊ कामणियल चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कानपुर, दिनौक 11 जूस 1979

गं०51!/3073एल०सी०--कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारायह सूचना दी जाती है कि लखनऊ कार्माणयल चिट फंड एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० नारायणन रजिस्ट्रार स्राफ कम्पनीज, (सू०पी०)

का**र्या**त्रय ग्रायकर ग्रायुक्त

, नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1979

मं० नुरि० दिल्ली/5/79-80-5830—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का तथा इस मम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी मिन्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर भायुन्त दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 4-4-1979 से निष्निलिखन आयकर डिस्ट्रिक्ट/सिक्लि समाप्त हो जाएगा।

1. डिस्ट्रिक्ट 4 (1) अतिरिक्त, नई दिल्ली।

के० ग्रार० राघवन ग्रायकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

. लखनऊ, दिनांक 30 मई 1979 स्थापन —केन्द्रीय सेवाएं —-राजपत्नित स्रायकर अधिकारी (वर्गख) —स्थायीकरण

मं० 88—कार्मिक श्रीर प्रणामनिक सुधार विभाग के दिनांक 15-11-1975 के कार्यालय ज्ञापन मं० 29014/75/स्था०(क) श्रीर बोर्ड के दिनांक 7-10-78 के पत्र एफ० मं० ए-29011/28/78-6 के अनुमरण में समिति की सिफारिशों पर श्री मोहन सिंह, ग्रायकर श्रीधकारी (वर्ग-ख) को जो वर्तमान में श्रपर

सहायक निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ के रूप में नेवारन है, प्रायकार संशिकारी (वर्ग-ख) के रूप में रू० 650-1200 के वेतनगान में दिनांक 1-12-78 में पुष्ठ (स्थाई) किया जाना है। उनकी पुष्टि की तारीख यदि श्रावश्यक हुई, तो किसी भी स्तर पर बदली जा सकती है।

> एस० के० लाल भ्रायकर भ्रायुक्त, लखनऊ

श्रायकर श्रायुक्त, उत्तर पूर्वीय क्षेत्र ● णिलांग, दिनांक 16 जून 1979

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287, उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का इस विचार के होने के कारण कि ऐसी कार्यवाही लोकस्वार्य के लिए उचित है, मैं केन्द्रीय सरकार द्वारा मुझ पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विचरण प्रकाणित कर रहा हूं जिनके बकाया कर की रकम वित्तीय वर्ष 1978-79 के श्रन्तिम दिन 1,00,000 क्पये या इससे श्रिष्टक थी:—

ऋम सं	० निर्धारितियों के नाम श्रीर पता	बकाया कर की रकम
1	2	3
		रुपये
	मैसर्स शर्मा द्रेडिंग कारपोरेशन	
;	जोरहाट, भ्रमम ।	2,47,941
2.	श्री दुर्गादत्त शर्मा,	
	के०/ओ० मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग	
	कारपोरेशन, जोरहाट, भ्रमम ।	8,37,424
3.	शेख मोहम्मद नवाब, जोरहाट, भ्रसम ।	1,50,625
4	इसराइल खान (मृत) पांचग्राली,	
	डिब्रूगढ, भ्रमम ।	2,49,559
5.	मैसर्स मंगलवन्द रामकुमार एण्ड को० 💎	
	डिन्नूग ड, भ सम ।	1,66,457
6.	सरदार गुरबचन सिह	
	के०/म्रो० रामकृष्ण एण्ड को०	
	बी०-26 कैलाण कालोनी,	
	नई दिल्ली-48	1,43,202
7.	मैसर्स एच० पी० कर एण्ड मनस	
	(प्रा०) लिमिट्रेड, डिगबोई	2,34,346
8.	मैसर्स ग्रीज एण्ड विलिखिंग	,
	कारपोरेशन (प्रा०) लिमिटेड,	
	गौहाटी ।	3,13,197
	•	

एल० एम० प्रमाद भ्रायकर भ्रायुक्त, उक्तर पूर्वीय क्षेत्र, शिलांग प्रक्रम माईं टी॰ एन • एम० → -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व (1) के भोधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 मई 1979

निर्वेश सं० सीए 5/एम-प्रार बाँम्बे/प्रवत्बर 78/447 यतः मुझे, श्रीमिति पी० ललवानी, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,000/- रु•

से बाधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एम० ग्राय० डी० सी० प्लॉट क० 214(I) वागले इस्टेट रोड क० 30, ठाना है तथा जो ठाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बॉम्बे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बॉम्बे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख अक्तूबर 78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कन के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रश्रारत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिक्रत प्रधिक है, भीर धन्तरक (प्रस्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नतिथित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक क्ये किया नहीं किया गया है:—

- क) धन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के उपित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/णा
- (क) ऐसी कियी आय या फिसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया वा या तिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री भोगेन्द्रपाल ग्रमरनाथ खन्ना ग्रौर श्रीमित रेणु गशिपाल खन्ना, इंडियन फास्टनर्स की 6/1 बसंत पार्क, चेंबूर, बॉम्बे।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स टलेंबे फार्माक्युटिकल्स शशिकांत किशोरे भाई ग्रंड ग्रार्ट्स 209, प्रमाद चेंबर्स, ग्रापेरा हाऊस बॉम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त समात्ति के प्रतित के सम्बन्त में कोई भी प्राक्षेप:---

- (त) इ.स.सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की गरीखा से
 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस तूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्वब्होकरगः --इसमें प्रयुक्त गर्न्स और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्य होगा, जो उस सध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

प्रॉगर्टी - एम० आय० डी० सी० प्लॉट ऋ० 214 ए, वागडे इस्टेट रोड ऋ. 30. इंडस्ट्रियल एरिग्रा

क्षेत्रफल: — 1393 वर्गमीटर (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख करु 940, श्रक्तूबर 78 की सब रिजस्ट्रार बॉम्बे के दक्तर में लिखा है)

> श्रीमित पी० ललवानी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, पूना

सारीख: 26-5-79

प्ररूप आई० डी० एन०एस०-

भायकर प्रधिमियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के घड़ीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश नं० ए० परं० नं० 1916--- यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्रमातु 'जक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में जिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) वे प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थया। वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत वटारण विवित्त में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (स) अन्तरम से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अस्तरक के दावित्य में कमा करने बा उससे बचने में सुबिधा के खिए; घीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किभी धन या भ्रम्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय माय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अक्षिनियम को घारा 269 घ की उपघारा (1) के अघीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात '--

1. श्रीमति माया देवी टंडन पत्नी जगन नाथ 185 सिविल लाइन्स, जलनधर

(भ्रन्तरक)

2. श्री सत्य पाल पुत्र लाभा राम द्वारा चोपडा सिल्क स्टोर रैनक बाजार, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोतुस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध है)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में तथा परिमा-षित है, वही धर्षे होगा जो उस प्रध्याय में विमा गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5113 भन्नपूषर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

> पी०एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त निरीक्षण म्पर्जनरेंज, जासन्धर

तारीबा: 17--5-1979

प्रकृप ग्राई • टी • एन • एस •----

भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के घधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 28 मई 1979

निदेश नं० पी० एन० 1917— यतः मुझे पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रजितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रशिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा की श्रनुसुषी में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसुषी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के मधीन, तारीख मन्त्र 1978
को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है
और अन्तरक (मन्दरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रत, निम्नलिखित उद्देश्य से
उन्त प्रभारण लिखित में वास्त्रिक कर से किथल नहीं किया गया
है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त श्रक्षितियम। के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मिश्रानियम की घारा 269-म के अबुसरण में, मैं। उक्त प्रजिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचौत्:--

- श्री करतार मिह कटारिया द्वारा सतींदर पाल सिंह कटारिया शान्ता ऋज एयर पोर्ट, बोम्बे। (अन्तरक)
- 2. श्री कैलाश घन्द्र, विद्या सागर पुत्र शिव दयाल 143 भरवद्म चूरा जलन्धर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसकें श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में इचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह **सुब**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन क लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के संबंध में कोई भी प्राधीय--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विज की ध्वधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विज की धवधि, जो भी धवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इत सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस सहयाय में दिया यया है।

मन्सूची

जैसा कि विलेख नं० 5099 ग्रक्तूबर 1978 को रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक मक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-5-79

प्रकृप भाई०टी०एम०एस०---

भायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 11 जून 1979

निदेश नं० ए० पी० नं० 1918 — यतः मुझेपी० एन० मलिक.

आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्वावर सम्पति, जिनका उचित वाजार मूस्य 25,000/-स्पर से ग्रविक है

ग्नोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख श्रक्तुबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीधि है शीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरितों (प्रनारितियों) के बीत ऐने भन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्दरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण ते हुई जिनी भाग की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के अधीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, द्विमाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुकरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र चूबी लाल मुखतारनाम चूबी लाल बसन्ती गुंजा जलन्धर

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ पुत्र म्नाविनाण लाल म० नं० 60 बस्ती गुंजा, जलन्धर

(श्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्मत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्मित्त में किच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उच्छ स्थावर सम्मत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण भ-इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त सिव-नियम, के शब्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

घन्स् स्रो

जैसा कि विलेख नं० 5152 ग्रक्तूबर 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जलन्धर में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 11 जून, 1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एन०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 11 जून 1979

निदेण नं० ए० पी० नं० 1919:---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इको प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000√- द∙ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अंतुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्रह प्रतिशत भिष्क है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निर्मित सम्पत्ति में बास्तरिक कर में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अध्तरण से हुई किथी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्नरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः ग्रन, उत्तन मधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री नाजर सिंह पुत्र परीयाग सिंह, संगत सिंह नगर जालन्धर

(ग्रन्तरक)

 श्रोमित सिवनी श्रेंगरश पत्नी मदन, लाल डब्ल्यू० एम०—-257 बस्ती गुजां, जलन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध् है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उस्त मन्त्रति कृत्रजीन कसम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्परशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दोका, जो उसत अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस प्रत्यार में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 5246 ग्रक्तूबर 78 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी जलन्धर में लिखा है ।

> पी० एन० मिलक सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जलन्धर

तारीख: 11-6-79

प्रकप श्राई० टी० एन• एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 11 जून 1979

निदेश नं० ए० पी० नं० 1920—स्यतः मुझे पी० एन० मिलक,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रघीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिमकी संव जैसा कि ग्रानुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रोंकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रोंकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथोन, तारीख श्रक्तूबर 1978 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित ने वास्तविक इस से किंगत नहीं किया गया है:—

- (त) ग्रन्तरम से तुई किशी प्राय की बाबत उक्त ग्रन्धि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी तिजी आय या किमी शन या अन्य आस्तियों. को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः धनः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:--- 1. श्री साधू राम पुत्र बारू राम, भगत राम पुत्र दास राम, रामनगर, जलन्धर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमति जीतो पत्नी भावल राम, राम नगर, जलन्धर (भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है । (बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग मों सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 5234 भ्रक्तूबर 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जलन्धर में विखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रिजेन रेंज, जलन्धर

तारीख : 11-6-1978

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, कानपुर

क(नपुर, दिनांक 26 मई 1979

निदेश नं० 935-ए०/Ref गाजियाबाद—स्त्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदे।

भायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीविन सक्षम श्रीविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबदध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 26-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रीधक है और शन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधितास के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी अत्य या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ग्यक्तियों, अर्थात्:--

- कुमारी रमा गुष्ता पुत्री स्वः रामजी लाल निवासी श्राहता मौदूमल जी० टी० रोड गाजियाबाद पर लोनी तह व जिला गाजियाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित चन्द्र मोहनी बक्शी पत्नी देवराण बक्शी व श्रीमित उमिला रानी दुग्गल पत्नी श्री प्रेम नाथ दुग्गल निवासी 253 वजरिया रेलवे रोड श्रीहता मौद्रमल जिला गाजियाबाद

(ग्रन्तिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्रिष्ठिनियम के प्रध्याय 20-क में परिष्पाणित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति नं० 253 स्थित वजरिया रेलवे रोड श्राहाता मौदुमल गाजियाबाद में 30,000/- रुपये की बेची। गई जिसता उदित बाजारी मूल्य 45,000/- रुपये श्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रीज, कानपूर

तारीख: 26-5-79

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 31 मई 1979

निदेश नं० 937 ए० श्रतः मुझे, भ० च० चनुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27 श्रक्तूबर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः प्रव, उनतं प्रधिनियमं की घारा 269-गं के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-घं की उपवारा (1) के प्रधीन निम्मसिचित व्यक्तियों प्रयोदः -- 1. श्रीः सोमनाथ शुक्ला श्रात्मज स्व पं० कैलाशनाथ जी शुक्ला निवासी मकान नम्बर 118/243 गुमटी नम्बर 5 कानपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विन्दा चरन जी गुप्ता श्रात्मज स्व श्री वंशीधर गुप्ता निवासी भकान नम्बर 77/5 कुली बाजार णहर, हानपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकामन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितब क
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्राम होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रह मध्यक्ति 76/6 कुली बाजार कानपुर में 21,000/-रुपये को बैची गई जिसका उचित बाजारी मूह्य 40,000/- रुपये ग्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, कानपुर

तारीख: 31-5-79

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय सहायक श्रायकर अस्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 8 जून 1979

निवेश नं० ए० पी० 557/एन० के० डी०/7980— श्रतः मुझे पी० एन० मिलक भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह। 25,000/- ६० से प्रधिक है

त्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बजूटा खुरद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबव्ध में अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोवर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत्न के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्व से, ऐम दृश्यमान प्रतिकत्व का पण्डह प्रतिकत्व से भिष्क है भीर प्रन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण निश्वित में वास्तविक

🚁 से कथित नहीं किया गया है 🛏

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यस्क के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/ या
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घम्य घास्तियों की धिन्हें भारतीय घाय-कर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिनियम, या धन-कर घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के खिए,

जतः जब, उक्त श्रांधनियम, की घारा 269-ग के धनुसर में, में, उक्त धाधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नक्षित व्यक्तियों, वर्षात्:—
3—126GI/79

 जुमारी प्रीतो पुत्री भ्रमर सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव बजूटा खूरव, मकोदर

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती बखसीस कौर पत्नी प्रकाश सिंह पुत्र ग्रमर सिंह, सन्तोख सिंह, चरनजीतसिंह सुपुत्र भगतुसिंह पुत्र ग्रमर सिंह, गांव बजूटा खूरद, नकोवर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर न॰ 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबवध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के पंजंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में स किसी बाक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दी करण: --- समें अयुक्त शब्दों मीर बदां का, जो उन्त अधि-नियम, के मध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं मर्च होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

43 कं 19 में ० कृषि भूमि जैसा कि विस्नेख नं 2811 फरवरी 1979 जो कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक मञ्जम श्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

ता**रीवा : 8--6-197**9

मोहर ३

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भागकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के घड़ीन सूचना

मारव सरकार

कार्यावय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, विनोक 8 जून 1979

निवेश नं ए० पी० 558/पी० एच० एल०/79-80--यतः मुझे, पी० एन० मलिक
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले
इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मूस्य 25,000/रूपय से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मीम्रावाल में स्थित है (भौर इससे उपाबव्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय, फिलीर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास खरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रविफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-चिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त भिन्न नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अभ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिणियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मक्षिकित व्यक्तियों प्रयोत्

- श्री निहाल सिंह पुत्र हरभणन सिंह वासी हरीआवला तहसील हुशियारपुर ।
- 2. श्री जिलोयन सिंह, हरबंस सिंह, कुलवंत सिंह, भजन सिंह, बलजीस सिंह पुजान चहल सिंह वासी मीआवाल। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नॅ० 2 में है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग म सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पक्ति में भिच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 श्रधोहस्ताक्षरी जानता र कि वह
 सम्पत्ति में हितबदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्वाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्य होगा, जो उस भग्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मीग्रांवाल गांव में 106 कनाल इषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 4354 फरवरी 1979 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फिलौर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 8-6-1979

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा भटिण्डा, विनांक 8 जून 1979 निर्देश सं० ए० पी० 559/बी टी आई०/79-80 यतः मुझे पी० एन० मलिक भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अप के शधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति; जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इ० से मधिक है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और और जिसकी संजैसा कि अनुसची में लिखा है इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त भ्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिलियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भावकर भिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानयम, या धन-कर भिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अग्गा सिंह पुत्र कूंडा पुत्र बधावा सिंह, नजदीक खालसा हाई स्कूल भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नानक चन्द्र पुक्ष हरिकशन दास पुन्न प्रभुदयाल वासी महराज पत्ती स्योल तहसील फूल ।

(भ्रन्तरिसी)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका संपति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ मुख्य करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंत्रे ।

स्वकाषिण्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वी का, जो चक्त श्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुलतानीया रोड़, भटिण्डा पर एक 1183 गज का प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3148, श्रक्तूबर 1978 में लिखा र ।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 8-6-1979

प्ररूप ग्राईं० टी॰ एन॰ एस॰——— नायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 8 जून 1979

निदेश सं० ए० पी० 560/बीटी आई० 79-80--यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सजम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-

रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैंसा कि अनूसूजी में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिनिखत सहैक्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की खपद्यारा (1) अधीम निक्कालिखत स्यक्तियों प्रयोत्:—-

- श्री पीहला सिंह पुत्र कुंडा सिंह पुत्र बधाया, सिंह नजदीक खालसा स्कूल, भटिण्डा
 - (भ्रन्तरक)
- 2. नानक चन्द पुत्र हरिकशन वास पुत्र प्रभु दयाल, वासी महराज पश्ती स्योल तहवील फुल (श्रन्तरिती)
- 3. जैंसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग
 में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (यह व्यक्ति जिनके बारे में
 प्रधोहस्ताकारी जानता र कि वह
 सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के भजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत में प्रकाशस की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त ग्रिधिन नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुलतानीया रोड, भटिण्डा पर 1200 गज का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3666 ग्रक्तूबर 1978 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> पी० एन० मिलके सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 8-6-1979

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

भ्रर्जन रेंज, भटिण्डा भटिण्डा, विनोक 8 जून 1979

निवेश सं० ए० पी० 561/बी टी श्राई०/79-80-यतः मुझे पी० एन० मिलक आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/-क्पए से श्रीधक है और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा

स्पर् स माधक हूं

श्रीर जिसकी सं जनेसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा
जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवतूबर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पण्डह प्रतिशत श्रधिक है धौर भन्तरक (धन्तरकों)
भौर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आव या ितनी प्राया मन्त्र आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुवैक्षा के लिए;

पतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री प्रीतम सिंह पुत्र कुंडा सिंह पुत्र बधावा सिंह, नजदीक खालसा हाई स्कूल, भटिण्डा।
- 2. श्री नानक चन्द पुन्न हरिकणन दास पुन्न प्रभु दयास, वासी महराज पत्ती स्योल तहसील फुल।
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में
 श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खाँ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

मुलतानीया रोड, भटिण्डा में 1183 गज का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं 3706; ग्रम्तूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

ता**रीख**ः ६–6–1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1979

स'० ए० सी० क्यू० 23-1-1951 (783) /1-1/78-79----श्रतः मुझे एस० सी० परीखा,

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से स्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 35/1/ 1-2, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 793/1 है तथा जो पालडी बस स्टेन्ड के पास, **ब्राहमदाबाद, में स्थित (और इससे उपाबद्व अन्सूची में और** पुर्ण रूप से वर्णित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्पाकृय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अहमदाबाद में 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृह्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत श्रधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविद्या के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-भ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्राक्षितमों, प्रपीत्:---

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी अमस्यालेन भरतकुमार दलाल शाँतीकुज पालडी अहगदाबाद (अक्तरक)
- (2) शेंठ मणोलाल मगनलाल दलाल तथा बाई डारीबेन मणीलाल दलाल, का कुटुम्ब चेरीटी ट्रस्ट फंड, गांती-कुंज, पालेडी ट्रस्टीस (1) श्री भरत कुमार मणीलाल दलाल तथा ग्रन्थ, पालडी, ग्रहमदाबाद के मारफत (ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार पुराने गेरेस तथा कर्मचारिग्रों के रुन्स, जो 715.50 वर्ग, मीटर जमीन पर खड़े हैं पिसका सर्वे नं० 35/1/1-2, एलीस व्रिज टीपोएस 3, कर्नेल पलाट 793/1 है, जो पालडी बस स्टेन्ड के पास ग्रहमवाबाद में स्थित है, जो रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्राथारीटी द्वारा बिकी स्तावेज नं० 9270/9-10- 1978 से रिजस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रायर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 20-2-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के म्रिभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-1

श्रहमाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० ए० सी० क्यू० 23-2-1977 (790)/11-5/78-79—यतः मेक्षे ए स० सी० परीख, ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन के प्लाट का प्लाट नं० 131, 139, 153, 160 तथा 170 है तथा जो उन्नत नगर को० श्रो० रा० की० लि०, उना, जिला-जूनागढ । में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन श्रक्तूवर 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण म, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निकलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:——

- (1) उना नगर पंचायत, नेपाणकर जयशंकर जोशी, प्रेसीडेन्स---उना नगर पंचायत के मारफत उना, (जिला जूनागढ़) (भ्रन्तरक)
- (2) उन्नत नगर को स्रोगरेटीव हाउसीग सोसायटी लिमिटेड, प्रेसीडेन्ट श्री रतीलाल स्रोनजी देवडा के मारफत उन्नत नगर सोसायटी उना, (जिलाब जूनागढ) (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अयें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन के पलट जिसका का प्लाट जं 131, 139, 153, 16 तथा 170 है जो उन्नत नगर को ग्रो० हरा को लीमीटेंड के, उना की टी॰ पी॰ एस०-1 में है सिजका कुल क्षेत्रफल 3177 वर्ग मीटर है तथा बिकी दस्तावेज नं 837/15-6-78 ग्रक्तूबर 1978 से रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी उना द्वारा राजस्ट्रीकृत है याने उसमें मिल्क का पूर्ण वर्णन दीया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्राक्युत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख 24-2-1979

प्रकप झाई• टी• एन• एस•----

नायकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की खारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

चारत सरकार

कार्याक्रय, सङ्ख्यक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

ग्रहमबाबाद, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० पी० म्रार० 655/ए० सी० क्यू० 23-1170/7-4/ 78-79—म्रत: मुझें, एस० सी० परीख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सकम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित खाजार मूल्य 25,000/- द∘ से श्रीविक है

भौर जिसकी सं० रे० स० नं० 71/3 पैकी सिसो दारा (गणेश) नथसारी है। तथा जो नथसारी बारडोली रोड, जिला बलसार में स्थित हैं (श्रौर इससे उपबाद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नथसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्तूबर 1978 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है और अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच हैंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहिया से उक्त मन्तरण जिख्यत में वास्त्रिक रूप से हिन्छ नहीं किया गया है:---

- (क) अम्परण से हुई किसी बाब भी बाबत उक्त अधिनियम, के प्रजीन कर देने के अन्यस्क के दायित्व में कमा करने या क्यासे बच्चने में शुक्रिका के लिए; सोर/या
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी अन वा भन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय आय-कर मिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वित्यम, या अन-कर भिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया नता वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के लिए;

शितः, पव उन्न प्रीक्षितयम की बारा 269-ग के अनुसरण में, वें, अन्य अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अवीम निम्तलिखित व्यक्तियों, अवीस्:---

- 1. एडबाँस राईस मिल्स अपने भागीदारों मारफत।
 (1) भीखाभाई बनमाली भाई (2) रमण भाई भीखा भाई (3) हरिकसन भीखा भाई, (4) कुंवर जी भाई भीखाभाई पटेल,
 (5) छगन भाई बनमाली भाई पटेल बारडोली रोड, काबिल पोर, नवसारों (अन्तरक)
- 2. (1) श्रहमदभाई भूसाभाई नेलिंडिया, (2) युसुफ भाई इस्माईल राइ, (3) मोहमद भाई सुलेमान पटेल, (4) भूसा भाई इ ब्राहीम हाजी, (5) हसन भाई इब्राहीम धरैया, मारफत एडबास राई मिहस नबसारी बारखोली रोड, काबिल पोर, नबसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी नरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर नूचना की तामील में 30 दिन की भवधि जो की प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किये जा सकेंगे।

हरव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्कों घोए पर्वे ला, जो उक्त मधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिनाषिस हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस पश्याय में विया गया है।

वनुसूची

श्रवल संपति जो रे० स० नं० 71/3 मो ने तियादरा (गणेश) नवसारी बारडोली रोड, काबिलपुर, जी० ग्राई० डी० सी इन्डस्ट्रीयल एस्टेट केपीछे नबासारी में स्थित है जिसका कुल माप 1 एकर 14 गुंथा है जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता श्रिधिकारी नवसारी द्वारा अक्तूबर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीझन विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-3-1979

प्रकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1979

सं० एसीक्यू० 23-I-1908 (7977/10-3/78-79---यत: मुझे एम० गी० परीख

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ते श्रधिक है

धौर जिसकी सं मर्वे नं 225-1, 226 है। तथा जो जोडीया में-धोल से जोडीया के रोड पर स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोडीया में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तियों में बास्तरित क्या से क्या से

- (क) श्रस्तरण ये हु^ई किसी घाय की बाबत उकत प्रधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी कियो आय पा कियो वन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत भिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत भिधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

4—126G1/74

- (1) मेसर्स विनोद कोटन ईन्डस्ट्रीम, भागीदार श्री महेन्द्र कुमार मोहनलाल तथा ग्रन्य के मारफत जोडीया, जिल्ला, जूनागढ। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ग्रानन्द ग्रायल मिल, भगीदार श्री **गैलेशरा** कुमार शवजीभाई पटेल तथा ग्रन्य के मारफत जोडीया जिला जूनागढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसू षी

मकान जो मेसर्स भानन्व भायल मिल के नाम से प्रख्यात है तथा जो 7865 वर्ग गज जमीन पर खखा है, जिसका. सर्वे नं० 225-1, 226 है जो जोडीया में भ्रोल से जोडीया के रोड पर, जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा ता० 13-10-78 को रिज-स्टर्ड किये गये बिकी दस्तावेज नं० 724 में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० जी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 24-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर **पश्चिमियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**प** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल 1979

मं० एसीक्यू० 2-I-2155 (803) /1-1/78-79—. अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पर्स, जिसका उचित बाखार मूख्य 25,000/- क से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एम० नं० 4380 कालुपुर बोर्ड-1 का पलाट न० 37, है। तथा जो पांचकुवा दरवाजा के बाहर, मीरघावाड, फायर ब्रिगेड स्टेशन के पास, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपबाद्ध श्रमुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से धिक्षक है और अन्तरिती (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कृषित नहीं किया कथा ने '-

- (१४४) जम्बरम ने हुई किसी आय की बानत, सभव अधि-नियम ने कसीन पर देवे के प्रान्तरक के दायिक्य मे कसी करने या कससे य-तने में सुविधा के शिए;
 अपीर 'या
- (ख) ऐसी किसी साय या किसी धन या पन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर शिव्य-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिवाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव, उक्त शिविनिथम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्त श्रविनियम की घारा 269म की उपधारा (1)के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- (1) श्री श्रीमती कमरुनिस्पा, हफीमुदीन शेख तथा श्रन्थ सुन्ती मुप्तलिम वक्फ कमेटी के सामने जी० पी० श्रो० के० पास, भिरतापुर रोड श्रद्धमदावाद-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री कौणिककुमार रमणलाल पटेल बंगलो नं० 6, स्वामीनारायण मन्दिर कालोनी कांकरीया, अहमदाबाद। (ग्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रमैत के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रर्पन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

क्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तं प्रीर पवों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, यो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

अन्स्ची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 111.20.53 वर्ग मीटर है तथा जिसका सर्वे नं० 4390 (शीट) नं० 12—कालुपुर-1, सीटी बोल स्कीम फायनल प्लाट नं० 37 (म्युनि० सेन्सस नं० 3029-1 से 3029-5) है जो पांचकुवा दरवाजा के बाहर, मीरघावाड, फायर ब्रिगेड स्ट्रेशन के पास ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा र्जिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी श्रहमधाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 110011/27/10/1978 में जिस प्रापर्टी पूर्ण वर्णन दियागया है।

एस० सी पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-4-1979

मोहरः

श्रक्ष श्राई० टी० एन० एस०---भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेज-1.

अहमयाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1979

मं० ग्रांक्यु० 23-ा 2156 (804) /i-1/78-79— श्रतः मुहो, ग्रम० सी० परीख,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से स्थाक है

ग्रीर जिसकी गं० स० नं० 1450 तथा 1451 वार्ड नं० खाडीया-III है तथा जो सांगडी गरी, हजीत की पोल, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण घन से वॉगत हैं) रिजस्ट्रीफर्सा ग्राधकारी के कार्यालग, अहगदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1903 का 16) के ग्रधीन 16-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास अरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर्या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीतः—

- (1) श्री नटवर्नाल जेठलाल पटेल तथा अन्य सांकडी शेरी, हजीरा की पोल, अहमदावाद। (श्रन्तर्क)
- (2) श्री विनोदचन्द्र चंद्रशान्त गांधी गांधो रोड, पतासा की पोल, बहनपुरी पोल में, गांधी बिल्डिंग ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापन हो ती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा, जो उस धट्याय में विया गया है।

अनुसूचो

खुली जमीन जिनका क्षेत्रफल 103-38-01 तथा 56-51-23 वर्ग मीटर्म, मंगार स्थित के पुराने बांधकाम के साथ है जिसका सर्वे तं० 1450 तथा 1451 (सेन्स सं तं० 861 861-1, 861-4) खाडीया- है तथा जो मांगडी घोरी में, हजीरा पोल सहमदाबाद में स्थित है तथा जिमका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्त्ता स्थित सहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 9509/16-10-78 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

तारीख: 23-4-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०-

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 ला 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1979

सं० एसी क्यू० 23-1 1958 (805)/16-6/78-79-भ्रत: मुझे एस०सी० परीख,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास गरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

मूख्य 25,000/- पर पा माजा हु माजा है तथा जो बल्लम कन्या विद्यालय रोड, मीलपरा रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत भाषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिशत उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि छित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी कियी भाष या किसी वन मा मन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में; उक्त भिष्ठितयम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) 1. श्री अरुणकुमार भोगीलाल ठाकर, स्वयं (2) श्री श्रीनलकुभार भोगीलाल ठाकर, (3) श्री श्रीव्यन कुमार भोगीलाल ठाकर (4) शीमती विजया लक्ष्मी भोगीलाल ठाकर के कुल मुखत्यार 3-सी, किस्टल विविंडग, 36, अल्ट माउन्ट रोड, बभ्वई, 400 026 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भूपनलाल मूलजीभाई (2) श्री हर्षदकुमार मूलजीभाई (3) श्री भरत कुमारमूलजीभाई (4) श्री बकुलभाई मूलजीभाई रखुवीरपुरा, 7, राजकोट। (अन्तरिती)

की यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :---

- (क) इत सूवना के राजप अमें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की साराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर समाति में तिन-बद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, ब्होहस्ताक्षरी के मस विखित में किए जा सकेंगे

स्पट्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ैं, यही प्रयं शोगा जो उस व्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'विजया सदन' नाम से प्रख्यात मकान जो 808.8 वर्ग गज श्रवफल वाली जमीन पर बल्लभ कन्या विद्यालय रोड, मीलपरा राजकोट में स्थित है तथा ता० 3-10-78 को रजिस्ट्रेशन नं० 4082 से रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-4-1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, बहुत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 ग्रप्रैल 1979

सं० पी० स्नार० 664/ए सी क्यू० 23-1355/13-1/78-79---स्तः पुझे एम० सी० परीख,

भायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्र'धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिथका उजित वाजार मूह्य 25,000/-

६० से व्यधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रे० सं० नं० 1577, टी०पी० एस०-4 एफ० पी० नं० 21 है। तथा जो ग्रदद में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर-1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए मन्तरित वृश्यमान यह विश्वास करने का कारण भीर मुझे यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक अन्तरक (भ्रग्तरकों) मौर (मन्तरितियों) के शीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिक्ष नियस के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/ना
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नायंकर म्नधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त म्नधिनियम, या धनकर म्नधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः सथ, उपत श्रिष्ठितियमं की झारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रीष्ठितियमं की झारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिजित व्यक्तियों प्रयात :---

- (1) 1. बारेया जरिसध भाई कुलाभाई 2. बारेया रामभाई कुलाभाई 3. बारेया छोटा भाई कुलाभाई 4. बारेया मनीभाई कुलाभाई 5. बारेया रमणभाई कुलाभाई 6. कमला-बेन कुलाभाई, मंगलभाई की पुत्री, राजोल पुरा, श्रानंद (श्रन्तरक)
- (2) गुलमनलाल डाल चन्द्र गुप्ता लक्षमी विजय हिन्दु होटल गोरेगांव रेलवे स्टेशन के सामने, बम्बई-62 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षी :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्षे होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिन खेती लायक जमीन जो रे० स० नं० 1577 टाउन प्लिनिंग स्कीम नं० 4 फाइनल प्लाट नं० 211 श्रानंद में स्थित है जिसका कुल माप 5766. 58 वर्गमीटर है जैसा कि दो विभिन्न बिक्रीकृत दस्तावेजों में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख तक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-4-1979

प्रकप माई० टी • एन • एस • -----

आमकर श्वधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2699 (1) कि प्रधीत सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979

सं० पी० श्रारं 668/एसीक्यूं 23-1359/3-2/78-79—श्रतः मुझे एस० सी० परीख भायकर श्राधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-थ के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर लंपिल, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क से अधिक है धौर जिसकी मं० सर्वे न० 10147 (पैकी) सर्वे शीट नं० 25 है । तथा जो पालनपुर, रेलवे स्टेशन की पश्चिम, कुंभारीया वाडी विस्तार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में

ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रिजस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के

कार्यालय, पालनपूर में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 7-10-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्ल बाजार सूत्य से कम के यूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके युष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के किए; श्रीर/था
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या पन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः धव, उन्त मधिनियम की धारा 269म के मनुसरण सें, में, उन्त मधिनियम की घारा 269म की चपबारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: --

- (1) श्री मधन गुलाम रचूल इब्राहीम थूका मोहमद णरिफ श्रादम भाई शेलिया के कुल मुखतार की हेसियत में, गाघामन।
- श्री मोहमद ग्रमीन श्रब्दुल्ना भाई, मैं ० मोहमद श्रमीन श्रब्दुल्लाभाई के पार्ट्रनर, पालनपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रंजीत सिंह पुरुषोत्तम राठोड पालनपुर सीटी, पालनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचता नारी करके दुर्बोक्त सम्पत्ति के घडाँ के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कीई मी अञ्चल :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, को भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपज में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवछ किसी भन्य क्यक्ति हारा खबोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए ना नर्जेंगे।

स्वक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त खब्बों भीर पर्वो का, जो उनस श्रीधनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं झर्थ होगा, जो उन श्राध्यान में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल माप 34,321 वर्ग फुट है तथा जो रेल्वे स्टेशन के पश्चिम में कुंभारिया वाडी विस्तार सिटी नर्वे शीट न० 25 सर्वे नं० 10147 (पकी) पालनपुर में स्थित हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1924 दि० 7-10-1978 में प्रदर्शित हैं।

> एस० सी० परीख स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-4-1979

प्रकप पार्४० टी ० एन० एस०-

आयक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

का ीलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-jI, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979

निदेश सं० पी० श्रार० 669 / एसीक्यू०-23-1369 / 19-7 / 78-79—श्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 380 वार्ड० नं० 12 (संपत्ति का पूर्वी भाग) है नथा जो रानी तलाब, मेन रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के सार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के सार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण

जनवरी 1979 में प्राप्त हुआ को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रण के लिए अन्तरिश की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का लाएण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, अनक दृश्यभान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के निद्ध प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितं (अन्तरितयों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निख्य में वास्तविक इष्य से किया गया है:——

श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर 1978

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक-नियम के अधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्थ में कभी करने या अकसे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन पा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिष्ठा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनू-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित न्यंक्तियों, अर्थात:---

- (1) 1. श्री लील गौरी छिबल दास उर्फ अश्रुमिन हिमत लाल सिनमायाना, दयानु भवन, चिरमति, बम्बई-2 ।
 - बावली बेन चन्द्र कान्त रेशमवाला मुरली भगवान निवास, खेनवाडी, गली नं० 8, बम्बई। (श्रन्तरक)
- (2) इस्माईल ग्रली भस्ता, श्रली बक्ष भन्ना, मोहमद अली युमुफ श्रली मुस्ताक श्रली भन्ना के पिता, रानी तलाब, भारबान्धवाइ सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सनाक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों ।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्दो का, जो उक्त अधि-नितम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्व होगा, जो उस शब्याय म विमा गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो रानी तलाब, मन रोड, वार्ड नं० 12 नोंध नं० 380 (पूर्व दिणा) सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 195.37 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, सूरत द्वारा श्रक्टूबर 1978 में दर्ज जिये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है, जो इस कार्यालय में जनवरी 1979 में प्राप्त हुशा।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 30 श्रप्रैल 1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भाषकर ग्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के ग्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-Ц, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 मई 1979

निदेण सं० पी० श्रार० 670/ एसीक्यू० 1361/ 3-2/78-79—श्रतः मुक्षे, एम० सी० परीख, धायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिलका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द०से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 3/37 दारू खाना नाम से प्रख्यात जमीन व मकान हैं तथा जो मलन दरवाजे के पास, पालनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकक्षा श्रिधकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिखिस उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण कि जत में बास्तविक कप से कांचित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसो भाग की बाबत, उक्त बाधि-नियम के भ्रधीम कर देने के बन्तरक के बायित्व में गंभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; लेक्ट्रिया
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभत प्रधिनियम, या धन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चलः मब उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरक में; में, अक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थास्थ---

- (1) माहेफुन बाई भुला कमस्दीन जालोयवाला (श्रन्तरक) कुल मुखतार:अञ्दे भ्रली हमन प्रली भोलाई, निजामपुरा, पालनपुर।
 - (2) 1. उपरभाई हमनभाई मेमण 2. इदरीणभाई, मोहमदभाई
 - 3. चीरिया श्रब्दुल हमीद श्रबुबकरभाई, पालन पुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बन्धि 🗟 प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राजेग : 🖚

- ंक) इस त्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध मा तस्सम्बन्धी क्यिक्यियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी समिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी श्रा से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सध्यक्ति में हितब द फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहरू ताक्षरी के पास विश्वात में किए आ सकेंगे।

स्पत्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिष्ठितयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्व होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो मलान दरवाजे के पास पालनपुर में नं० 3/37 पर स्थित है मकान 'दारूखाना, नाम से प्रख्यात है जमीन का क्षेत्रफल 32213 वर्ग फुट है जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1925 दि० 9-10-1978 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निसीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-5-1979

प्रकृष **भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰**-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मुजना

अध्य संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज⊸∏, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

निवेश मं० पी० म्नार० 675/एसीक्यू० 23-1362/14-6/ 78-79---श्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मध्य 25,000/- स्पये ने धिक है,

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1995/48 (पैकी) एफ०पी० नं० 29 प्लाट नं० 9 से 18 है तथा जो मोहसाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेहसाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-10-1978

को पूर्वोदस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कव के दुश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रातंफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) धोर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्रनलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तिविक इप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई हिसी आय की बाबन उक्त अधि-लियम के शधीन कर डेने के अन्सरक के दायिस्व में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/मा
- (ख ; वेशी क्सी प्राप या किसी धा या प्रत्य प्रास्तियीं को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितिथम, या धन-कर द्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध मन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, किपाने में सुविधः के लिए।

अस. ध्व उक्त अधिनियम की धारा 26% ग के अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्वात:---

- (1) श्रो कावजीभाई कक्षभाई बारोट, मेहसाना । कंफरमींग पार्टी : जितेन्त्र लेन्ड कार्पोरेशन, मेहसाना ।
- (2) गदमावती को० ग्रा० हाउभिग सोमायटी लि०, मेहसाना। (अन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्प्रति के अर्जन के सम्बन्त में कीई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 विम की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वाराः;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पद्योक्यर मः --इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदो का, जो उन्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है ਾ

अभुसूची

खुली जभीन जिसका क्षेत्र फल 24943 वर्ग फुट है तथा जो स० नं० 1995/48 (पैकी) एफ० पी० नं० 29, प्लाट नं० 9 से 18 मेहमाना में स्थित है जैसा कि 10/78 को दर्ज किये गये रिजिस्टीकृत बिलेख नं० 1593 में प्रदर्शित है।

> एस० मी० परीख मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीखा: 10-5-1979

मोहर:

5-126GI/79

प्ररूप आई•टी ्न•एम•——— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज्ञ-II, श्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

निदेश सं० पी० श्रार० 676/एसीक्यू०---231363/ 14-6/78-79---श्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से मधिक है,

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1990/142 है तथा जो मेह्साना स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेहसाना में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्र प्रतिकात से व्यक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से कथित नहीं जिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्स अधि-नियम के प्रधीन कर देने के मस्तरक के वायिस्य में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भी ग/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या अन्य झारितयों को, जिन भारतीय झायकर प्रधितियम, 1922 (1922का 11) या उक्त झिधितियम, या धन-कर श्रीतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, क्षत्र, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात् ।—— (1) श्री मथुरजी० पी० ठाकोर, खेमजी० पी० ठाकोर, मेहमाना।

(भ्रन्तरक)

(2) मधुरम को० म्रा० हाउसिंग सोसायटी लि०, मेहसाना। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के पर्मंत के संबंध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की मनिधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भनिधि, जो भी मनिधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवस में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिन बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथाप र-भाषित हैं, बही धर्ष होगा जो, उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 28042 वर्ग फुट है तथा जो स० नं० 1990/142 महसाना में स्थित है जैसा 16-10-78 को दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1564 में प्रदर्शित है।

एस० मी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजहांI, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस०~-

धायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भाक्त सक्कार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

सं० नं० पी० घार० 677/एससीमयू० 23-1161/19-7/ 78-79:——श्रतः मुझो, एस० सी० परीखा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 151 है तथा जो सूरत जिला, चोरासी सब जिला, मजूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक से रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत :— (1) श्री दीनानाथ पूनम चन्द, एच० यू० एफ० के कर्ता। संग्रामपुरा, सचिन हाउस के सामने, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दीनबन्धु को० श्रा० हाउसिंग सोमायटी लि॰, भातार रोड़ भातार जकात नाका, सूरत।

(भन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिश्चिम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 151 सूरत जिला, चोरासी सब जिला, मजूरा में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 5663,69 वर्ग मीटर है जैया कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अक्तूबर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख म प्रदक्षित है।

> एम० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 15 मई 1979

प्रकृष भाई० टी॰ एन० एस० ---

प्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई, 1979

सं० पी० **ग्रार**० 678/एसीक्यु० 23--1162/19 7/ 78 79:—-ग्रतः सुझे, एस० सी० परीखे,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रांथोनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी मं० नोंध नं० 685 वार्ड न्० 6 है तथा जो गलेमंडी, मोटी शेरी, सूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रक्तूबर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, एसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क निए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी माय या किसी घन या मन्य म्नास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त अधिनियम की श्रारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- (1) श्री चम्पक लाल छोटालाल, भूपेन्द्र चम्पकलाल, हिमान्सु चम्पकलाल, परिमल चम्पकलाल, गिरगांव रोड, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलवंतराय करसनदाम व्यास जहांगीरपुरा, ता० चोरासी, जिसा: सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः—इसर्मे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो गले मंडी, मोटी शेरी नोंध न० 685 वार्ड नं० 6 सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 107.02.46 वर्ग मीटर है जैया कि रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी सूरत द्वारा श्रक्तूबर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोज- ,श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 10 मई', 1979।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) हे अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

सं० एसीक्यू० 23-2-1995 (810)/10-1/78-79:—श्रतः मुझो, एस० सी० परीखा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० म्युनि ० प्लाट नं ० 105 (पी) है तथा जो दिग्विजय प्लाट के सामने वाली साईड पर, जामनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध स्नुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 5-10-1978

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रम्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

स्रतः अब, उक्तमधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के स्रधीन स्रर्थात्:--- (1) श्रो भानुसाली पेराज गांगजी, (2) प्रागजी गांगजी तथा श्रम्य विभिन्नाम पनाट, जाभनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गोमतीबेन माणेकराम, लखोटा मीग कोलोनी. एस० टी० बस स्टेन्ड के पीछे, जामनगर। (ग्रस्तरिती)

को <mark>यह सूच</mark>ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से
 गूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिहबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्दों ग्राँग पदों का, जो उवत श्रधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 2520 वर्ग फुट है जिसका म्युनि० प्लाट नं० 105 (पी) है जो मुमेर क्लब रोड़, तालाब की ध्रोर जामनगर में स्थित है तथा ता० 5-10-1978 को रजिस्ट्रेशन नं० 2074 से रजिस्ट्रीकृत विकी दरनावेज में जिसका पूर्ण विर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

तारी च : 2-5-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 मई, 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इक से अधिक है, श्रीर

जिसकी सं० सर्वे नं० 529/1, प्लाट नं० 49, 50, 51 तथा 52 है तथा जो च करगढ़रोड तथा रेलवे लाईन के पास (म्युनिसिपैलिटी की हद म) अमरेली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन 18-10-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के विवत जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत भाष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में वास्तिबक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उन्त अधि-नियम के बाधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी भन या प्रत्य यास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के **प्रमु**सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपजारा (1) के अधीन जिल्लासित व्यक्तियों. अर्थीत् ।—— (1) श्रो भीनजी भाई में घजीभाई पोपट, जगदीश फरसान मार्ट, कल्याण स्टेशन रोड, कल्याण (जिला-धाणा), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) 1 पटेल जिवाभाई पोपटभाई ठुमर, 2. पटेल रतीलाल जिवाभाई ठुमर, दोनों माणेकपरा विजयनीक, अमरेली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तका सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताथारी के पास निवात में किए जा सकेंगे।

श्यब्दिकरण:---इमर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 2844. 4 वर्गगज है (जिसका सर्वे नं० 529/1 प्लाट नं० 49, 50, 51 नथा 52 जो चकरगढ रोड तथा रेलवे लाईन के पास (म्युनिसिप लिटी की हद में) ग्रमरेली में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 1358 से ता० 18-10-1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमरेली द्वारा रजिस्ट्री छुं है जिसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5 5 1979:

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भन्नीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायम भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं० रैबन्मू सर्वे नं० 291, प्लाट नं० 27, है तथा को नागेश्वर रोड, पोरा के हमीरा के पाम जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपायब धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत सही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिष्ठिनियम के भिष्ठीन कर देने के भग्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर प्रिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के शिए;

भतः भन, उन्त भविनियमं की बारा 269-ग के भनुसर्व में में, उन्त भविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नसिवित व्यक्तिकों, भर्थातः— मैं निवातगर आईप एण्ड कोल्ड स्टोरेस का भागीदार
 अब्बा सभाई नुरभाई तथा अन्य के मारफत भींडी बजार, बम्बई-3

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्म वद्री आईम एण्ड कोल्ड स्टोरेज का भागीदार, ईशाकमई इन्नाहीम भाई प्रेसवाला 262, नागदेवी स्ट्रीट, बस्बई-3

(ग्रन्ति)

को यत् मुचना जारी करके पूर्वी≉न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्व्दा गौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रहमाय में दिया गया है।

प्रमुची

फेक्टरी का मकान जो 9148 वर्ग फुट जमीन पर खड़ा है जिसका रेवेन्यु सर्वे न० 291, प्लाट नं० 27 है, जो नागेश्वर रोड, बोरा हमीरा के पास जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेणन नं० 2047 से ता० 3-10-78 को रिजस्ट्रीकृत विलेख दस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन दियागया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 ग्रहमदाबाद

ता**रीख:** 10-5-1979

प्रकृप आई० टी० एत० एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेज-1, श्रह्मदायाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 10 मई 1979

सं० ए०सी०क्यू० 23-2-1992 (816)/16-5/78-79---श्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर ग्रिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का सारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- क्षये के अधिन है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 पैकी है तथा जो 5, कांयाजीपरा, प्लाट नं० 2, पैकी भो जो ने स्थित है (श्रोण इससे उपावद श्रनुसूची में श्रोर जा पूर्व का ति विकास है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मोखी पें रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्त्रविक एप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरम संहुई किसी भाग की बाबत, उकत श्रिष्ठितियम के भ्रतीन कर देने के भन्तरक के दाफित्व में कभी करने या उससे जभने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य खास्तियों को जिस्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था अपाने में सुविधा के लिए;

श्रक्षः सब, उक्त स्रधिनियम, की धारा 26 केन्य के अनुसरण में; में, उक्त स्रधिनियम, की धारा 26 के की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नक्षिक्षित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- (1) श्री जटाणंकर मुलागकर भट्ट.
 - (2) श्रो उमणीकलाल जटाणंकर भट्ट,
 - (3) श्री ग्रमृतलाल जगनलाल त्रिवेदी,
 - (4) श्री धर्मेन्द्रजटाणंकर भट्ट रमाकन्त लोज के द्वारा तखासिहनी रोड, मोखी ।

(श्रन्तरक)

मैसर्स महाराणा टाईल्स,
 5-कांबाजीपरा मोखी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उनत संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से
 45 दिन की व्यविद्या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी
 प्रविद्य बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की ता**रीय से**45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दिशवड़
 चिसी श्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का जो उक्त धिनियम के घड़याय 20-क में परिमाधित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अड़्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 6000 वर्ग फुट है, जो प्लाट नं० 2 पैकी कयाजीपरा, शवाला रोड, मोखी में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 3117 से ता० 13-10-1978 को रजिस्ट्रीकृत विकी दस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है। खाली जमीन का प्लाट निम्न रुप से घिरा हुआ हैं:---

उत्तर : अन्तरिती की बाकी जमीन

दक्षिण : रोड

पूर्व : बोरा ईक्राहीम मुल्ला बालीजी की प्रापर्टी

पश्चिम : रोड

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

तारीख: 10-5-1979

मोहरः

प्रकप भाई• टी• एत• एस•---

भायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-चा (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1979

नं० ए० सी० क्यू० 23-2-1959(819)/16-6/78-79—— श्रातः मुझे एस० सी० परीख,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कि से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 468-30 वर्ग गज क्षेत्रफल वाला खुला प्लाट है तथा जो द्वारकाधीश फ्लोर मिल के पास टागोर रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बावत, जनत ग्राधिनियम के ग्राधीन, कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

यत: सब, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों करिंह:—, 6—126GI/79

 श्री प्रभाकुंवर बल्लभदास में तथा प्रन्य 2/5, कोलेमबाडी, 'प्रकाश', राजकोट।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) दीलोपकुमार दामोदरदास गोरसिया
 - (2) किरीट कुमार दामोदरदास गोरसिया,
 - (3) नरेन्द्र कुमार दामोदरदास गोरसिया,
 - (4) धरेन्द्र कुमार दामोदरदास गोरसियाः सब 8, रामकृष्णनगर, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर पर्दो का, जो उक्त स्वि-नियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथी होगा जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

े खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 468-3-0 वर्ग गर्भ है जो द्वारकाधीश क्लोर मिल टागोर रोड पिष्चम की तरफ टागोर रोड़ के पास राजकोट में स्थित है तथा विक्री दस्तावेज न्० 4412/26-10-78 में रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन विया गया है ।

> एस० सी० परीख सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, ग्रह्मदाबाद

तारीखा: 17-5-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

निर्देण मं० प्राई०ए०सी०/एवयु०/11/प्रक्तूबर/3780/78-79
1219/1616—प्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० प्रग्रवाल
आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- र० से प्रधिक है

स्रौर जिमकी सं० 4282/3 है, तथा जो दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के शम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जकत प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के प्रमसरण में, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- कुमारी निर्मेख गुप्ता, तथा डा० उषा गृप्ता, सुपुत्ती स्वर्गीय श्री डा० एच० एस० गुप्ता तथा पत्नी श्रीमती डा० विजय सिक्का निवासी 4318/3, कयास्थन स्ट्रीट, श्रन्मारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी श्री हीरा लाल जैन, तथा श्रीमती कुसुम लता जैन, पत्नी श्री पन्नालाल जैन निवासी 4279/3, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की धनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पश्चें का, जो उक्त श्विक्षि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी-होल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 190 वर्ग गज है स्रौर नं 4282/3 है, दिग्यागंज, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : मकान नं० 4281 नथा 4279 पश्चिम : मकान नं० 4283 तथा 4278

उत्तर : 12 फुट चौड़ी गली दक्षिण : 18 फुट चौड़ी सड़क

> भार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-र, बिल्ली,नई दिल्ली-1

तारीख: 14-6-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रेर्जन रेज-II, दिल्ली-1

दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एकपू०/11/ग्रक्तूबर-36/3763/78-79/1219/1618— यतः मुझे ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूह्य 25,000/- क्पये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० ए-2/23 है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकराण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन श्रकत्वर, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमाम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से ग्रिधक है ग्रीर ग्रस्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रस्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंग्स नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रजीत कर देने के प्रस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे अचने में पुतिका के लिए; धौर/या
- (ब) ऐसी फिसी भ्राय या किसी घन या भ्रश्य आस्तियों को, जिल्हें सारतीय भ्रायकर मिस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रविनियम, या धन-कर मिस्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:——

- श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री सुख दयाल, भुटानी निवासी छी-11, /4, माडल टाउन, दिल्ली-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री इगर प्रसाद गोयल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम चरणदास गोयल, निवासी ए-2/23, माडल टाउन, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्कोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के घटयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस धटयाय में दिया गया है।

मनुसूची

एक की होल्ड ज्लाट जिसका नं ए-2/23 है, श्रीर क्षेत्रफल 456.3 वर्ग गण है, माइल टाउन मलकपुर छावनी गांव, विक्ली में जिन्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व ' प्लाट नं० ए-2/20 ए पर विर्हिडग,

पश्चिम सङ्क

उत्तर ' प्लाट नं० ए-2/22 पर बिल्डिंग दक्षिण ' प्लाट नं० ए-2/23ए पर बिल्डिंग

> श्रार० की० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी महासक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारीच: 14-6-1979

मोहरः

प्ररूप माई∗ टी•एन• एस•--

भागकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एकपू०/11/प्रक्तूबर-22/3719/78-79/1219/1616—प्रतः मुझे प्रार० बी० एल० प्रग्नवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- क्ष्पए से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० 126 है, तथा जो राजा गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 78 को पूर्ण कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृह्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया ग या है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी पाय या किमी घन या यहा भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुवेधा के लिए;

ग्रजः ग्रवं उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्राधिनियम की घारा 268-ग की उपधारा (1) के बाबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :--- मूल चन्द नायर, सुपुत्र श्री लहना सिंह नायर तथा श्रीमती बिमला देवी, पत्नी श्री मूलचन्द नायर, निवासी 126, राजा गार्डन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला मदान, पत्नी श्री राम भज मदान, निवासी 28/107, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की द्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की श्रविद, जो भी श्रविद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास
 जिल्लात में किए जा सकेंगे ।

स्पब्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों घीर पर्यों का, या उन्त प्रक्षि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिकालित है, बही घर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची ्

एक मंजिला श्राधा बना हुआ मकान जिसका नं० 126 है, 363. 1/2 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट परबना हुआ है, राजा गार्डन, बसाएदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 30' चौड़ी सड़क पश्चिम : श्रत्य की जायदाद

उत्तर : जायदाद नं० डब्ल्यू० जैंड-93/ए दक्षिण : प्लाट नं० 125 परमकान

> न्नार० बी एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख: 14-6-1979

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, दिल्ली-1 नई विल्ली, विनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/11/ग्रक्तूबर-20/3716/78-79/1219/1616—पतः मुझे ग्रार० बी० एस० ग्रग्रवाल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चाल् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी

सं जी-10 है, तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्र मुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरी ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठिनियम, के ग्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर झिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंधिनियम, या धन-कर झिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा, 269 ग के भनुसरण में में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), भिधीन निम्नलिखित व्यक्षियों, भर्यात्—

- श्री शंकरदास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, निवासी एम-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (प्रत्तरक)
- 2. श्रीमती श्रतरकौर, पत्नी स्वर्गीय श्री बलोचन सिंह निवासी 65/30, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्टीकरण: —इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही शर्म होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अमुनुची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 233 वर्ग गज है ग्रौर नं∘ जी-10 है, बाली नगर, कालोनी, बमाएदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : 15 फुट चौड़ी सड़क परिचम : प्लाट नं जी-9 उत्तर : 15 फुट चौड़ी सड़क दक्षिण : सर्विस लेन

> श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारीख: 14-6-79

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/11/अक्तूबर-5/3676/78-79/1219/1616—अतः मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं सी-8/10 है, तथा जो माडल टाउन, विल्ली-9 में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध भनुसूची में म्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्रक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माथ की गावत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्थात :--

- 1. (1) श्रो मुगन बन्द
 - (2) बाबूराम तथा
 - (3) जय कुमार सुपुत श्री कपूर चन्द निवासी समालका मण्डी, (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुवेश कुमारी कनसल, पत्नी श्री ग्रार० एस० कनसल, निवासी एच-7, माडल टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप⊸⊸

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश्च
 किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम] के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 459 वर्ग गज है भ्रीर नं॰ सी-8/10 है, भाडल टाउन, दिल्ली में है।

न्नार० बी० एल० श्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहामक न्नायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-1

तारी**ज:** 14-6-1979

मोहरः

प्रकप आई• टी• एम• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार।
269-च (1) के प्रधीन सूचना _
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, II नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० क्यु०/11/अक्तूबर-5/3793/ 78-79/1220/1616:---- प्रतः मुझे भार० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- सपये से भिष्ठक है मुल्य श्रौर जिसकी सं० ए-19/3 है, तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर 78 पूर्वोक्तः सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्म से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अक्सरित की गई। है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथग्यूचॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) पौर धन्तरिती (अरिन्तितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित जुहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिन्न नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तिरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

पता, प्रवः उक्त पश्चितियम की घारा 269ना के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न्य की उपचारा (1) के अधीन निम्नानिकत व्यक्तियों, अर्थात !---

- श्री हुक्म अन्द, सुपुत्र श्री टेकचन्द, निवासी ए-19/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शिखरचन्द जैन, सुपुत्र श्री फुलचन्द जैन, निवासी ए-19/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

2 ढाई में जिला मकान का हिस्सा जोकि 133.1/3 वर्ग गज (कुल क्षेत्र फल 233.1/3 वर्ग गज) क्षेत्र फल के ऊपर बना हुआ है, इसका नं० ए-19/3, है, राणा प्रताप बाग, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : मकान नं० ए-19/2 पश्चिम : मकान नं० ए-19/4

उत्तर : रोड

दक्षिण : मकाननं ० ए-19/3

म्रार० बी० एल० म्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारी**य** 16-6-79 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्स (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, II-दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979

निर्देण सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/11/अक्तूबर/3792/78-79/1220/1616—अतः मुझे, आर०बी० एल० अग्रवाल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए 19/3 है, तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिखित में बाक्त बिक कर से कथित नहीं किया गया है 1——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिक्षित्यम के घिष्ठीत कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (खं) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों की जिम्हें घारतीय धाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जेतः धर्व, उन्ते धिवित्यम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिवित्यम की बारा 269-च की उपधाश (1) विधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चीत्ः—

- श्री ध्रोमप्रकाश सुपुत्र श्री हुकम चन्द, निवासी ए-19/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कस्तूरी देवी, पत्नी श्री शिखर चन्द जैन, निवासी ए-19/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हूं।

बन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भो भाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की मगिंध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की मगिंध, जो ची
 मगिंध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरग:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी ग्रयं होगा को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ढ़ाई मंजिला मकान का हिस्सा जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल (कुल 233.1/3 वर्ग गज) के ऊपर बना हुआ है, इसका नं० ए-19/3 है, राणा प्रताप बाग, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : मकान नं ० ए-19/2 पश्चिम : मकान नं ० ए-19/4

उत्तर : रोड

दक्षिण : मकान नं ० ए-18/3

ग्रार० बी० एल०ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, II-दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 16-6-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०----

धायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के ग्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-III/6-79/347—
ग्रतः मुझे, डी०पी० गोयल
ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है),
की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है,
ग्रीर जिसकी सख्या डी-44 है तथा जो गुलमोहर पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत्र अनुसूची में पूर्ण व्य से वर्णित है),
राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन

तारीख 28-10-1978
की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित
बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक
(प्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये, शौर/या
- (खा) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

 अं। यो० वी० अवसैया निवासा ए-21/99 लोदी कालोनी नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्री वाई० वें ० सूर्यी. निवासी 84, लोदी उस्टेट, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उस्त सम्पति के भ्रजन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी प्लाट जिसका न० डी० 44 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, गुलमोहर पार्क नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर : प्लाट न० डी ० 45 दक्षिण : प्लाट न० डी ० 43 पूर्व : 15 फुट सर्विम लेन पश्चिम : 30 फुट मर्विम लेन

> (डो० पो०) गोयल) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राधुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-6-79 मोहर :

प्रकप माई• टी• एन• एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III,- दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1979

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एवयु०-III/6-79/348— अतः मुझे, डी०पी०गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृष्य 25,000/-क्ष्प से मधिक है

स्रोर जिसकी संस्था ने-13/41 है तथा जो राजोरी गार्डन मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 9-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रविशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यास नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उकत अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या जमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. श्रीमती शान्ति देवी विधवा पत्नी श्री बाबू सिंह व श्री श्रजीत मिंह पुत्र स्वर्गीय श्री बाबू मिंह निवासी 13/41 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली
 - (भ्रन्तरक)
- श्री रावेल सिंह पुत्र श्री ब्रह्म दाम निवासी जे-13/41 राजोरी गार्डन नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्षिः के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की घविष्ठ, ओ भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे :

स्वय्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्र**न्**स्ची

एक मकान नं० जे-13/41 जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजॅन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीख**ः 12-6-79

मोहर

प्रकथ माई • टी • एन • एस • ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 जून 1979

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 268-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिधक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० सी० 45 है तथा जो णिवाजी पार्क डी० एस० एफ० कालोनी गांव मोदी दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यभान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंदित नहीं किया गया है:——

- (क) बनरा से दूर किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी मात्र या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीए माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उभा अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-म को उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बनारसे दास महाजन पुत्र श्री मेलाराम महाजन निवासी 10323, मोतिया खान पहाइगंज नई दिल्ली.

(श्रन्तरक)

2. श्री तीरभ राम च निलोक चन्द पुत्रगण श्री मोगा राम निषासी 46-ए/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्न मैं प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबळ
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए या सकेंगे।

स्वब्दोकरथः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घित्रियम, के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं घर्ष होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फोहोल्ड प्लाट जिसका नं० सो-45 क्षेत्रफल 615 वर्गगज है, शिवाजो पार्क, डी० एल० एफ० कालोनी, प्रगांव मादीपुर दिल्लो में निम्न प्रकार से स्थित है :---

उत्तर सड़क दक्षिण लेन पूर्व सड़क पश्चिम प्लाटनं०सी० 44

> . (डी० पी० गोयक्ष) सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 12-6-979

प्रश्रक्ष प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज []], दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून, 1979

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/6-79/350--ग्रत मुझे डी०पी० गीयल
ग्रायकर ग्रिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख क नमा तन अनिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्नागर सम्मित, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/क्पर्ये से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 9 रोड नं 17 है तथा जो क्लास मी जाति बाग, शक्रपुर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख़ 28-10-1978 को पूर्वोक्त सम्मति के अवित बागार मूक्य से कम के दृश्यमान श्रिकित के निग् मन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने वा हारण है कि यथार्गोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान श्रिकिल से, ऐसे दृश्यमान श्रिकल का पन्दह प्रतिगत श्रीक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में स्वार्ग का पन्दर में स्वार्ग मुस्य निश्च में स्वार्ग के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्च में स्वार्ग में स्वार्ग

- (क) अन्तरम से हुई िन्सी श्राय की बाबत उक्त श्रवितियम के श्रवीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में हमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियस, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अयोत् :---

- श्री सुखर्चन लाल मग्गू पुत्र राय साहब हरबंग लाल मग्गू निवासी 16-ई/28 पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली:-9
- 2. श्री (1) श्री भगवान गुप्ता पुत्र श्री मुनी लाल गुप्ता (2) दिनेश कुमार गुप्ता (3) विनोद कुमार गुप्ता पुत्रगण श्री भगवान गुप्ता निवामा 3/13 पंजाबी वाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह मुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समाति के बार्नन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इर प्वता के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन क भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रत्रीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धतीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधितिया के प्रश्याय 20~क में परिभाषित है वही प्रयंहोगाओं उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्ताट तं० 9 सड़क तं० 17 क्तास सो जिसका क्षेत्रफल 557.15 वर्ग गज है रिहायशो कालोनो जो पंजाबी बाग के नाम से जानी जाती है एरिया गांव शक्र पुरका है निम्निखित प्रकार से स्थित है:——

उत्तरः मकान प्लाटनं० 7के ऊपर दक्षिणः मकान प्लाटनं० 11 के ऊपर पूर्वः सङ्कानं० 17 पश्चिमः सर्विम लेन

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भव रींग-III, विक्ली, गई दिल्ली-1

तारीख: 12-6-79

प्रकप भाई टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269ष (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ग्यम धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 जन, 1979

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-द से अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या बाँ-1/13 है तथा जो मालविय नगर नई दिल्ली में स्थित है (भ्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 13-10-1979

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान अतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान अतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरिकों) भीर शन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि बिबत में वास्त-विक स्व से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उच्त आधि-नियम के धर्धान कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/धा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी बन या भन्य आस्थियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या जकत भवित्यम, या धनकर भवित्यम, या धनकर भवित्यम, या धनकर भवित्यम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ें सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रवितियम को घारा 269-म के अनुसर्ष में, में, उक्त श्रवितियम की घारा 269-म की उप-धारा (1) के प्रजीन विकालिखिल व्यक्तिमों भयीत् :-- श्रीमती भरोज भालीतरा पत्नी श्री यशपाल भालीतरा निवासा मी०-47, फेन्डम बालीनी, नई दिल्ला जनरल ग्रहीरनी श्रीमती वेद वर्ता पत्नी राजेन्द्री लाल माहनी निवासी 803 लक्ष्मीबाई नगर नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मेजर नरेन्द्र कुमार पुत्र श्रीराम दित्ता मल निवासी एच-85, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सर्पान के ग्रर्वेत के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई नी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारांख से
 45 दिन की संसदि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की ताभील ने 30 दिन की संबंधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों
 में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी घन्स व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परतीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और परों का, बो उक्त श्रवित्तियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी भर्य होगा, जो उस अद्यार में दिया भया है।

अनुसूची

मकान नं बी-1/13 मालविय नगर नई दिल्ली-17, क्षेत्र-फल 300 वर्ग गज जिसमें 2कमरे, रसोई वाथ रूम बने हुए हैं, उसकी चार दिवारी निस्तिलिखित है

उत्तर: सर्विम लेन

दक्षिण :े मड़क

पूर्व : प्लाट नं० बी-1/14

पश्चिम: गङ्क

डीं० पीं० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III,दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 13-6-79

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961कः 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III विल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०-III/6-79/352---श्रतः मुझे डी०पी० गोयल

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से मिधिक है

स्रौर जिसकी संख्या डबल्यू जेड-163 प्लाट नं० ए-39, है तथा जो गांव नरायण, इन्द्रपुरी दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित यात्रार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान अतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान अतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिश्वत अधिक है मीर मस्तरक (धन्तरेकों) भीर धन्तरिती-(अम्बरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविद्या उद्देश्य से अन्त धन्तरण निव्वित में वास्तिभिक्त कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आक्षा शावन उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरफ के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य धास्तियों को चिन्हों भारतीय भ्रामकर ग्रंखिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिनियम, या ग्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिये;

प्रतः प्रव, उपत प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उपत धिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रिधीन निम्निसित व्यक्तियों, धर्मात्:--

- 1. श्रीमती चंचल गम्भीर पत्नी श्री णान्ति लाल गम्भीर निवासी ए-39, इन्द्रपुरी नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरजीत कौर पुत्र श्री मोहन लाल पत्नी श्री बलवंत सिंह निवासी मकान नं० 5351/28 लाडू घाटी ताली श्रत्मा समाज, कटरा ईशर दास, प्राड़ गंज नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप :--

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्त में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :---इयमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचावित हैं, वही धर्य होगा. जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

मकान जिसका नं० डब्ल्यू जैंड-163 जिसमें चार कमरे, एक रसोई, बाय रूम, लैंट्रीन, स्टोर, बरामदा कुछ खुला, बने हैं, जो फ्री होल्ड प्लाट नं० ए-39, क्षत्रफल 200 वर्ग गज है, गांव नरायणा, श्राबादी इन्द्रपुरी नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर: सर्विस लेन दक्षिण: सड़क 30 फुट पूर्व: सड़क 30 फुट

पश्चिम: मकान प्लाट नं ० ए-38 पर

(डी० पी० गोयल) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 13-6-79

प्ररूप पाई० टी • एन० एस०--- -

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ल्म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जून 1979

निर्देण सं०, भ्राई० ए० सी०/एक्यु०-III/6-79/353---भ्रत: मध्ने डी०पी० गोयल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-छ के अधीन मक्षाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-▼० से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 8/85 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30-10-1978

को पूर्वोश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रक्रिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उन्त अतरण लिखित में वास्तिक इप से लिखत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः भव, उस्त प्रविनियम की घारा 269-व के प्रमुसरण म में, उस्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन मम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात्:—— श्री केशव लाल सहगल पुत्र
 श्री गनेशी लाल सहगल निवासी 7/8 पूर्वी पटेल नगर नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती स्वर्ण संशी पत्नी मुंशीराम सेठी (2) श्रनील कुमार पुत्न श्री मुंशीराम सेठी निवासी 48/42 पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सभ्पत्ति के अर्जन के सन्तत्व में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- अधर्मे प्रयुक्त शब्बों भीर पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो प्लाट नं० 8 सड़क नं० 85 क्लास सी, पर बना है, क्षेत्रफल 536.15 वर्ग गज है कालोनी पंजाबी बाग, एरिया गांव मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

उत्तर: प्लाटनं०:6 दक्षिण: मकाननं० 10 पूर्व: सर्विम सून पश्चिम: मड़क नं० 85

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 15-6-79

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

अगवकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के <mark>प्रधीन मूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रोज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश मं० प्राई० ए० सी०/एक्यु-III/6-79/354——प्रतः मुझे डी०पी०गोयल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी संस्था ई-3 है तथा जो पंचणील पार्क नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ल्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिवित्यम के भिष्ठीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब, उमत मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उभत मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांतु:---

- श्रीमती इलागैन पत्नी स्वर्गीय श्री एत० एन० सैन नियामी 25मी, सैन्द्रल रोड कलकत्ता-32 इतके कान्स्टीच्यृदिङ प्रदारनी मिस्टर जस्टिस डी० एम० सैन। (अन्तरक)
- 2. श्री ज्योति प्रशाद भट्टाचारजी इतके कान्स्टीच्यूटिड श्रदारनी श्री श्रार० चन्द्राचयन गिवासी ई-3, पंत्रशील पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्तीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उसत प्रधिनियम के प्रध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो प्लाट नं० ई-13 पर बना है, क्षेत्रफल 311 वर्ग गज है, पंचशील पार्क नई दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल मक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-6-79

महत्वपूर्ण

सारा पत्न ध्यवहार सिंघ सं सं सोक सेवा आयोग को संबोधित करना चाहिए। श्रपने आवेदन पत्न के सम्बन्ध में भेजें जाने वाले हर पत्न में उम्मीदवार को परीक्षा का नाम, सर्चात् "राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा, दिसम्बर, 1979" रोल नम्बर या रोल नम्बर नहीं मिला हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख, श्रपना पूरा नाम (पूरा सौर साफ साफ) श्रीर श्रावेदन पत्न में दिया गया पत्न- व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट रूप से लिख देना चाहिए।

संघ लोक सेवा आयोग

नो टिस

राष्ट्रीय रक्षा स्रकादमी परीक्षा, दिसम्बर 1979 नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

स० फा० 7/1/79-प० 1 (ख)—-राष्ट्रीय रक्षा मकादमी के थल सेना, नो सेना तथा वायु सेना स्कर्धों में प्रवेश हेतु जुलाई, 1980 से प्रारम्भ होने वाले 64वें सब के लिए संग्र लोक सेवा प्रायोग द्वारा 27 विसम्बर 1979 से एक परीक्षा प्रायोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (यल सेना के लिए 213, नौसेना के लिए 32 और वायु सेना के लिए 55) होगी।

भायोगद्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए श्रायोजित बौद्धिक और व्यक्तित परीक्षण के परिणाम के श्राधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर भौर पाठ्यचर्या, (ख) श्रकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा। (ग) भारतीय सेना श्रकादमी नौ सेना श्रकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा श्रादि की संक्षिप्त रचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोड: -- परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित ग्रन्य विवरण के लिए कृपया परिणिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

2 परीक्षा के केन्द्र: ग्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास. नागपुर, पणजी (गोग्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर ग्रीर दिवेन्द्रम।

3. पालता की शर्तेः

(क) राष्ट्रिकताः 8—126GI/79

उम्मीदवार या तो :---

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत श्राया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी ग्रफीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जांबिया, मलाव जेरे तथा इथियोपिया श्रीर वियतनाम से प्रवैजन कर श्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के भ्रन्तर्गत भ्राने वाला उम्मीदबार ऐसा व्यक्ति हो जिसकी भारत सरकार पान्नता प्रसाण पन्न प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पानता प्रमाण-पत्न श्रावश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्न भावश्यक होगा, उसको इस गर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है भौर भ्रकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत कार से वह उक्त प्रमाण-पत्न प्राप्त करे।

(ख) भ्रायु सीमाएं, स्त्री या पुरुष भ्रौर वैवाहिक स्थिति:—केवल वे ही भ्रविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात है, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1962 से पूर्व तथा 1 जुलाई, 1964 के बाद न हुआ हो।

नोट:—जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैद्रिकुलेशन/हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा-प्रमाण-पन्न में लिखी गई-हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताऐं राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सैंकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10 ± 2 प्रणाली के प्रन्तर्गत 11वीं कक्षां की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी ग्रावेदन कर सकते हैं जिन्होंने ग्राभी हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के ग्रन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

उम्मीदवारों को 30 जून 1980 तक हायर सैकेण्डरी परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्न ग्रायोग को भेज देने चाहिए। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा प्रमाण पत्न नहीं दिये जाते, शिक्षा संस्थामों के प्रधानाचार्य के द्वारा दिये गये मूल प्रमाण-पत्न भी द्यायोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्नों की प्रमाणित सत्यप्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आधिग किसी ऐसे उम्मीद-वार को इस नियम में निर्धारित योग्यताग्रों में से किसी से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, ग्रायोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोट 1:— वे उम्मीदवार, जिन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अहुँता प्राप्त करनी है श्रौर जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको वी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीका उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है श्रौर वोर्ड/विश्वविधालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2:---जो उम्मीम्बार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा संवाधों में किसी प्रकार के कमीशन से ध्रप-वर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात नहीं होंगे। ध्रगर प्रवेश दे विया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. ग्रावेदन के साथ देय णुरुक:----रु० 28.00 (ग्रनु-सूचित जातियों/ग्रनुसूचित जन जातियों के लिए रु० 7.00)। जिन ग्रावेदन पत्नों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम ग्रस्थीकार कर दिया जायेगा।

5. शुल्क से छूट:——(1) धायोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का श्राप्तवासन हो कि धावेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (धव बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित ध्यक्ति है जो 1-1-196 धौर 25-3-1971 के बीच की धवधि में भारत में प्रजनकर भाषा है या वह बर्मा से वस्तुतः यप्रत्यावतित भारतीय मूस का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवंजन कर भाषा है या वह श्रोलंका से वस्तुतः प्रत्यावतित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवस्वर, 1964 को या सके बाद भारत में श्राया है या श्रामे वाला है धौर नर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) थल सेना के जूनियर धर्मोगन्ड अफसरों, नौन-कमीशन्द अफसरों तथा अन्य रेंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों या भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुन्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्न-लिखित शर्ते पूरी कर देते हैं; अर्थात् :--

- (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से शात)/सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं; और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशासा के साथ अग्रेषित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रक्त पत्नों में कुल श्रकों के कम से कम 30 प्रतिशत श्रक प्राप्त करने की श्राशा है।

6. मावेषन कैसे किया जाए:—केवल राष्ट्रीय रक्षा भकादमी परीक्षा विसम्बर 1979 के लिए निर्मारित प्रपत्त में छपे हुए मावेषन पत्न ही लिए जाएगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। विषन-पत्न भर कर मिलव, समलोक सेवा म्रायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली 110011 को भेजे जाने चाहिए। म्रावेषन प्रपत्न मौर परीक्षा के दूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:——

- (i) संज लोक सेवा श्रायोग के सचिव को दो रुपए, मनीश्रार्डर या नई विल्ली प्रधान डाक्क्षर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर द्वारा भेज कर सचिव, सघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपये नकद देकर भ्रायोग के कार्यालय के काउटर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिका/सब एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केन्द्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, आहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के सगठनों में काम कर रहे हों या गैर-सरकारी सस्थानों में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्न भेजने आहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहूचे तो उस आवेदन पत्न पर विचार नहीं किया आएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी सारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकिस्मक या दैनिक दर कर्मचारी से तर स्थायी या ग्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवचन (ग्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रंपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए माबेदन किया है।

जो उम्मीदवार सणस्त्रं सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन पत्न अपने कमांडिय आफिसर को अस्तुत करने चाहिए जो पृष्ठांकन (श्रावेदन पत्न के भाग 'ख' के अनुसार). को पूरा करके आयोग को श्रग्नेषित करेंगे।

नोट — भारतीय नौसेना के नाविक (बाल तथा कारी मर प्रशिक्ष सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को वें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान श्रफसर द्वारा विधिवत् ग्रनुशंसित कर दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से क्षात), देहरादून के कैंडेटों, मिलिटरी स्कलों (पहले किंग जाज के स्कलों के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कलों के विद्या- थियों को कालिज/स्कल के प्रिसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्न भेजने चाहिए।

- श्रायोग के कार्यालय में श्रावेदन की प्राप्ति की श्रंतिम तारीखं ——
 - (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवाों से 27 श्रगस्त, 1979।
 - (ii) विदेशों में या श्रंडमान श्रीर निकाबार द्वीप समह या लक्षद्वीप में रहने वाले उन्मीदिवारों से 10 मितम्बर, 1979।
 - 8. प्रलेख जो ग्रावेदन के साथ प्रस्तुत हों।
 - (क) सभी उम्मीदवारों द्वारा
 - (i) रु० 28.00 (म्रानुसूचित जातियों/म्रानुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का गुरुक जो सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई विल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल भ्रार्कर के जरिए या सचिव, लोक सेवा भ्रायोग के नाम भारतीय स्टेट बक, मुख्या-गाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी गाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धा-रित शुल्क जमा करें, जिससे वह "051" लोक सेवा आयोग ——परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पन्न के साथ भेज दें।

(i) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुमा।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोंट माकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत मंकित हों। फोटो की एक प्रति भ्रावेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर भौर दूसरी प्रति उपस्थित पत्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।
- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उ भी-दवारों द्वारा — अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों उसे जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पन्न के नीचे उल्लिखित) परिणिष्ट IV में दिए गए प्रपन्न में लिए गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (ग) शुल्क से छट चाहने वाले उन्मीदवारों के द्वारा ---
 - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपितत अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाणपत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित गुल्क देने की स्थिति म नहीं है।
 - (ii) वस्तुत विस्थापित/प्रश्यायित व्यक्ति होने के दाथे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पत्न की भ्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (क) भत्तपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति (i) बंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिवर कमांडेंट।

ग्रथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

ग्रथवा

(iii) भ्रापने जिले के शारणार्थी पुनर्वास का भ्रामारी भ्रातिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट।

ग्रथवा

(iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिबीजन की सीमा तक।

ग्रथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम संगाल/ निदेशक (पुनर्वासन), वःलकत्ता।
- (खा) श्रीलॅंका से प्रत्यावर्तितः— श्रीलॅंका में भारत का उच्चायोग।

- (ग) बर्मा से प्रत्याविततः :--- भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का
 जिला मैं जिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।
- 9. शुल्क की वापसी:—-ग्रावेदन के साथ ग्रायोग को ग्रदा किया गया शूल्क ,वापस करने के किसी ग्रनुरोध पर नीचे की परिस्तियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता ग्रौर न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता:—
 - (i) जिस उम्मीदिवार ने निर्धारित भूलक दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नी नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/ अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदिवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदिवार हायर सैंकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनु-सीर्ण हुआ है या हायर सैंकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनु-सीर्ण हुआ है या हायर सैंकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्यत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए मूल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।
 - (ii) जो उम्मीदवार मई, 1979 की राष्ट्रीय रक्षा स्नमादमी परीक्षा में बैठा हो सौर उस परीक्षा के पिरणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशासित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुक्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि दिसम्बर 1979 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रह् कराने और शुक्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 1980 को या उससे पहले पहंच जाए।
 - 10. श्रावेदन प्राप्त की सूचना:—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी श्रावेदनों के पहुचने की सूचना भेजी जाएगी। ग्रगर किसी उम्मीदवार को ग्रपने श्रावेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के ग्रावेदन पहुंचने की श्राव्या के ग्रावेदन पहुंचने की श्राव्या से एक महीने के श्रान्दर न मिले तो उसको प्राप्ति- मूचना पाने के लिए तत्काल श्रायोग से सम्पर्क करना चाहिए।
 - 11, आवेदन का परिणामः → अगर किसी उम्मीदबार को को ग्रपने ग्रावेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा श्रूष्ट होने की तारीख से एक महीने पहले तक ग्रायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए ग्रायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। ग्रगर इस बात का पालन नहीं हुग्ना, तो उम्मीदबार ग्रपने मामले में विचार किए जाने के ग्राधिकार से बंचित हो जाएगा।
 - 12. परीक्षा में प्रवेश: किसी उम्मीदवार की पात्रता या प्रपावता के संबंध में संघ लोक नेवा श्रायोग का निर्णय

अन्तिम होगा। श्रायोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्न के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्र-

बाई:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भावेदन पक्ष भरते समय कोई गलत विवरण न दें श्रीर न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें श्रीर फेर-बदल किय गये/गृढे हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। श्रगर इस प्रकार के दो या श्रधिक प्रलेखों में या उनकी श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या ग्रस्तुत करें। हो तो इस श्रम्भगित के बारे में स्पष्टी-करण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार श्रायोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका:—

- (i) किसी प्रकार से भ्रपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना;
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) प्रशुद्ध या श्रसत्य वक्तव्य देना या महस्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए श्रपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी श्रामयमित या श्रनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय भ्रनूचित तरीके भ्रपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ध्रों) पर भ्रसंगत बातें लिखी हों जो अप्रलील भाषा या भ्रभद्र माशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में श्रौर किसी प्रकार का कुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए म्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या म्रन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की श्रोर प्रवृत्त होना या आयोग को उत्तेजित कराना।

वह ग्रपने को दण्ड-ग्रभियोजन का शिकार बनाने के श्रति-रिक्त-—

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए ग्रायोग द्वारा श्रयोग्य ठहराया जा सकता है। ग्रथवा
- (ख) (i) श्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके श्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट श्रविध के लिए श्रपवर्जित किया जा सकता है; श्रीर
- (ग) ध्रगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के श्रनुसार श्रनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14 मूल प्रमाण-पत्न प्रस्तुतीकरण:—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर माक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होने की श्रपनी ग्रायु, गैक्षिक योग्यता ग्रादि के समर्थन में ग्रायोग को मूल प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करने को कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः मार्च, 1980 में घोषित किए जा सकते हैं।

15. धावेदन के संबंध में पत्त-व्यवहार:—आवेदन के संबंध में सभी पत्त-व्यवहार, सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए भीर उसमें निम्नांकित विवरण श्रवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का वर्ष भ्रौर महीना
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (ग्रगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा श्रौर साफ लिखा हुग्रा)
- (5) पत्र-ध्यवहार का पता, जैसा ग्रावेदन-पत्न में दिया है।

ध्यान दें:--जिन पत्नों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन:— उम्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके घावेदन-पन्न में दिए पते पर भेजे जाने वाले पन्न ग्रादि प्रावश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा धिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उमे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ ग्रायोग को यथाशीझ मूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए श्रायोग द्वारा श्रनुशंसित उम्मीदवारों ने श्रगर परीक्षा के लिए श्रावेदन करने के बाद श्रपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही श्रपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० आंख, रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ए) वैस्ट ब्लाक 3, विग-1, रामकृष्ण-पुरम, नई दिल्ली-110022 की सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीधवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्न न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के घावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान वेने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे घ्रपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ :— जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको श्रपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ श्रौर अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० औंच, रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वैस्ट ब्लाक 3, विग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिएं।

उम्मीदवारों को साक्षारकार के लिए भेजे गए सम्मन-पन्न द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थ-गित करने से सम्बद्ध प्रनुरोध पर केवल प्रपवादात्मक परि-स्थितियों में भौर प्रणासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा ध्रायोग द्वारा जारी की गई श्रंतिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको ध्रपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिक्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) बैस्ट ब्लाक 3, विग-1, रामकृष्ण-पुरम, नई दिल्ली-110012 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिब सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षास्कार, ग्रंतिम परिणाम की घोषणा ग्रीर ग्रंतिम रुप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण गठ्यक्रम में प्रवेश:—संघ लोक सेवा ग्रायोग, लिखित परीक्षा में ग्रायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम ग्रहेंक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होगें जहां थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण तथा ग्रधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में ग्रधिक से ग्रिधिक 900 ग्रंक प्राप्त किये जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा षयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरुप ग्रगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ग्रोर से कोई क्षित पूर्ति या महायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापर-वाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या श्रीभणावकों को इस श्राशय का एक प्रमाण-पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौ सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परोक्षा तथा (ii) प्रधिकारी क्षमता परीक्षणों में भ्रालग भ्रालग न्यूनतम भ्रार्टक भ्रांक प्राप्त करने होंगे जो कि भ्रायोग द्वारा, उनके निर्णय के भ्रमुसार, निश्चित किए जायेंगे $oldsymbol{x}$ ौर वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) ग्रधिकारो क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एप्टी-च्यूट परीक्षण में ग्रलग-मलग न्यूनतम प्रहंक ग्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि क्रायोग द्वारा, उनके निर्णय के क्रनुसार, निष्चित किए जाएंगे। इन शर्ती पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल ग्रंकों के ग्राधारपर योग्यता के ग्रंतिम क्रम में दो प्रलग-प्रलग सूचियों में ---एक थल सेना में तथा नौसेना के लिये ग्रीर दूसरी वायुसेना के लिए--रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी ग्रंगों के लिए ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विगों में प्रवेश के लिए ग्रंतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यताके ऋम से किया जाएगा ग्रीर वायुसेना विग में प्रवेश के लिए ग्रंतिम चरन वायुमेना को योग्यता सूचे, में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के ऋम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता श्रीर अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के श्राधार पर होगा। जिन उर्म्भ दवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके बरो-यता कम को देखते हुए होगा भ्रौर उनके एक सूर्च, से भ्रंतिम रूप से चुन लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रह कर दिया जाएगा।

ह्मान दें — वार्यु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एप्टेक्ष्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। ग्रतः उसक द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायु सेना चयन बीर्ड क सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में ग्रमकत हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा क वायुसेना विग या जनरल इ्यूटोज (पाइलट) ग्रांच या नेवल एअर ए० ग्रार० एम० में प्रवेश के लिए ग्रावेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० ध्रकादमी कोर्स में पाइलट पण्टोत्यूट परीक्षण हो गया हो स्त्रीर उन्हें उसमें स्रर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल कायुसेना विंग के लिए ही भ्रमना ब्रावेदन करना चाहिए ।

श्रलग-श्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में श्रौर किस प्रकार सूचित किए जाएं, इस बात का निर्णय श्रायोग श्रपने श्राप करेगा श्रौर परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से श्रकादमी में प्रवेश का कोई प्रधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधि-कारी को संतुष्ट करना होगा कि वह श्रकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यकम में प्रवेश के लिए ध्रनहंताएं — जो उन्नोदयार राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी के किसी पहले कोसं में प्रवेश या चुके थे पर अधिकारो में प्रपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पा अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए थे, उनकी अनादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को ग्रस्थस्थता के ग्राधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा ग्राकदमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने ग्रपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें ग्रकादमी में प्रवेश मिल सकता है बगर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा ग्राय निर्धारित गर्ते पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रिक्षिण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध — उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे भादी नहीं करेगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद भावी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस इस परोक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में भावी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21 नियमावली और प्रश्न पत्नों से युक्त पुस्तिकाएं ---राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्त-पद्मों में "वस्तुपरक" प्रकार के प्रश्नों का ग्रारम्भ होने से इस परीक्षा की नियमावली भौर प्रश्त-पत्नों से युक्त पुस्तिकान्नों का मृ<mark>द्रण ब</mark>न्व कर दिया **गया** है। किन्तु मई, 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी परोक्षा सहित पिछले परीक्षाम्रों के नियमों म्रौर प्रश्न-पत्नों से युक्त पुस्तिकाम्रों की प्रतियों की बिकी प्रकाशन नियंत्रक, मिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है ग्रौर उन्हें वहां से मेल ग्रार्डर द्वारा सीधे ग्रथवा नकद भूगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग ''सी'' ब्लाक, बाबा खडक सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रका-शन शाखा, उद्योग भवन, नई विल्ली-110001, बिक्री काउन्टर श्रौर (iii) गर्वनमेंट श्राफ इंडिया नुक डिपों, 8, के एस राय, रोड, कलकत्ता-700001 से भी केवल

नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिवाएं विभिन्न मुफस्मिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एउँटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:— रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेणालय) ने 'सेवा चयन बोर्डी में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का श्रध्ययन' (ए स्टडी श्राफ एंटेलिजेन्स टेस्ट कोर्स श्राफ कैंडिडेट्स एट सर्विक्षेण सेलेक्णन बोर्ड्स) णीर्षक वाली पुस्तक प्रकाणित की है। इस पुस्तक को प्रकाणित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप श्रीर स्वभाव से परिचित हो जाए।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है भीर उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

> म्रार० एस० म्रहलुवालिया, उप सचिव

परिक्षिष्ट I

(परीक्षा की योजना भ्रौर पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के प्रधिकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे---

विषय		समय	ग्रधिकतम श्रंक
1. धंग्रेजी		2 घंटे	250
2. गणितप्रश्न-पद्म I		2 घंटे	125
प्रक्न-पस्न II .		2 घंटे	$1\dot{2}5$
3. सामान्य ज्ञान— प्रश्न-पत्न I (विज्ञान) प्रश्न-पत्न II (सामाजिक		2 घंटे	200
ग्रध्ययन, भूगोल तथा मार भामले)	1यिक	2 घंटे	200
			900

- 2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्न सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिणिष्ट V में उम्मीदवार को सूचनार्थ विवरणिका किख लें।
- 3. प्रश्न-पत्न में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल भौर माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्न को ही पूछा जाएगा।

- 4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्न के उत्तर ग्रंपने हाथ से लिखने चाहिएं। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्न के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की महायता मुलभ नहीं की जाएगी।
- 5. परीक्षा के एक या मभी विषयों के श्रह्क श्रंकों का निर्धारण श्रायोग की विवक्षा पर है।
 - 6. केवल सतही ज्ञान के लिए श्रंक नहीं दिये जाएंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पश्च इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहाबरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहाबरे तथा प्रयोगों सम्बन्धी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जाएंगे। प्रश्न-पत्न में सारांण या सार लेखन के लिए भी गद्यांण सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत I

म्रांक गणित

संख्या पद्धतियाः—घनपूर्ण संख्याएं, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएं, मूल संक्रियाएं—जोड़, घटाना, गुणन श्रौर विभाजन, वर्ग मूल, दणमलव भिन्न।

एँकिक विधि:—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता—सधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में प्रतुप्रयोग, लाभ तथा हानि, प्रतुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिक्षान्त :— विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य ग्रीर भाज्य संख्याएं 1, 2, 3, 4, 5, 9 ग्रीर 11, ब्रारा विभाज्यता के परीक्षण, ग्रयवर्त्य ग्रीर गुणन खण्ड । गुणन खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्त्व तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलम विधि।

म्राधार 10 तथा लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघु-गणकीय मारणियों का प्रयोग। बीज गणिल

श्राधारभूत संक्रियाएं :—साधारण गुणन खण्ड । सेष फल, प्रमेय, बहुपद का महतम समापवर्तक श्रीर लघुतम समापवर्त्य । द्विचांत समीकरणों का हल, इसके मूलों श्रीर गुणांकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए) । दो श्रजात राशियों में युगगत् समीकरण—विश्लेषण श्रीर शाफ सम्बन्धी हल। श्रायोगिक श्रश्त जिनसे दो चरी में दो युगपत रैं जिक समीकरण बनते हैं या एक चर में दिचात सगीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय, श्रंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक वातांक नियम। जिकोणामिति:

9 पा \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times का मान क्योंकि \times — 0° , 30° , 45° , 60° , श्रौर 90° , सरल ज्ञिकोणिमत्तांय तत्समक ।

त्रिकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोग। ऊंचाइयों श्रौर दूरियों के सरल कोण।

प्रक्त-पत्न-🚻

ज्यामिति

रेखा श्रौर कोण, समतल श्रौर समतल श्राकृति। निम्त-लिखित पर प्रमेथ:---

- (i) किसी बिन्दु पर कोण के गुण-धर्म,
- (ii) समांतर रेखाएं,
- (iii) किसी विभुज की भुजाएं धौर कोण,
- (iv) विभुजों की सर्वागसमता।
- (v) समरूप न्निभुज,
- (vi) माध्यिकाश्रों श्रौर शीर्ष सम्बों का संगमन,
- (vii) समांतर चतुर्भुजों, भ्रायत श्रौर वर्ग के कोणों, भुजाश्रों के विकर्णी के गुण धर्म,
- (viii) वृत्त श्रीर उसके गुण धर्म जिसम, स्पर्श रेखा तथा श्रभिलम्ब भी शामिल हैं।
- (ix) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन

वर्गी, ग्रायतों, समान्तर चतुर्भुजों, तिभुजों ग्रीर वृत्तों के क्षेत्रफल । उन ग्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन ग्राकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) धनामों का पष्ठीय क्षेत्रफल तथा ग्रायतन/लम्ब वृत्तीय मंकुग्नों ग्रीर बेलनों का पार्थ्व-पृष्ठ तथा भायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा ग्रायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा ग्रायतन।

सां ख्यिकी

सांखियकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। प्रालेखी निरुपण बारम्बारता बहुभुज, प्रायत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट ग्रादि।

ग्रारिष्कृत ग्रौर सभूहित ग्रांकड़ों का परिकलन माध्य। सामान्य ज्ञान

दो प्रशन पन्न होंगे।

प्रश्न पत्न (i)—-इतनें भौतिको, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; ग्रौर

प्रक्त-पत्र (ji)---इसमें सामाजिक श्रध्ययन, भूगोल ग्रौर सामयिक मामले होंगे।

इत प्रश्त-पत्नों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर ग्राधारित होगा । उल्लि-खित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मी- दवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगस्य ढ़ंग से समझने की मेषा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रगन-पन्न I विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्म-पत्न 1 में निम्नलिखित पाठ्यविषरण शामिल होगा:---

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, ग्रायुतन, घनत्व तथा विधिष्ट गुरुत्वाकर्षण। ग्राकंमिडीज का नियम, बाव, वायुवाय मापी।

विव की गति। वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेगी। बल समान्तर चतुर्भुज। पिंड का स्था-यित्व और संतुलन। गूरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊष्मा का प्रभाव। तापमान का नाप ग्रीर ऊष्मा। स्थिति परिवर्तन ग्रीर गुप्त ऊष्मा। ऊष्मा ग्रभिगमन विधिया।

ध्वति तरंगें ग्रौर उनके गुणधर्म। सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन और श्रपवर्तन। गोलीय दर्पण और लन्सेज, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विश्वतः। चालक तथा भ्रचालकः। भ्रोप नियमः। साधारण विश्वतु परिपथः। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभावः। वैश्वत् शक्ति का मापः। प्राथमिक भ्रीर गौण सेलः। एक्स-रे के उपयोगः।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत:

सरल लोलक । सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प । हाइब्रोमीटर, प्रेगर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेजीप्राफ, टेलीकोन, पेरिस्कोप, टैलीस्कोप, माइकोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़ित चालक सुरक्षा प्यूज ।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्व। भिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत सूत्र घौर सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याघों को छोड़कर) बायु घौर जल के रासायनिक गूण धर्म।

हाइड्रोजन, ग्राक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्वन डाइग्राक्साइड की रचना ग्रौर गुण धर्म। ग्राक्सीकर ग्रीर ग्रपचयन।

ग्रम्ल, क्षारक ग्रीर लवण।

कार्बन--भिन्न रूप।

उर्वरक---प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच स्याही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई भीर गन पाऊडर जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तूल्यमान भौर अनूभार भनूभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोणिकाभ्रों, जीव द्रव्य भ्रीर ऊत्तको का भ्राधार। वनस्पति भ्रीर प्राणियों में वृद्धि भ्रीर जनन।

मानव शरीर श्रीर इसके महत्वपूर्ण श्रंगों का प्रारम्भिक ज्ञान सामान्य महामारियां, उनके कारण तथा रोकने के उपाय। खाध—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाध का संघटन।

संसु लित माहार।

सौर परिवार; उल्का श्रौर धूमकेतु । ग्रहण । प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी:---इस प्रश्न पत्न के अधिकतम श्रंकों से सामान्य-तया भाग (क), (ख) और (घ) के लिए कमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत श्रौर 20 प्रतिशत श्रंक होंगे।

प्रश्नपत्न 11

(सामाजिक श्रध्ययन, भूगोल श्रोर सामयिक मामले)। मामान्य ज्ञान प्रक्ष्त पत्न में निम्नलिखित पाठ्य विवरण सम्मिलित होगा:----

(क) भारतीय इतिहास का मौटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति ग्रौर सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतन्त्रता भ्रान्दोलन।

भारतीय संविधान श्रीर प्रशासन का प्रारम्भिक श्रध्ययन। भारत की पंचवर्यीय योजनाश्रों, पंचायती राज, सहकारी समितियों श्रीर सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता स्त्रीर कल्याणकारी राज्य। महात्मा गाधी के मूल उपदेश।

श्राधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली श्रावितयां, पुनर्जागरणे। श्रन्वेषण श्रीर खोज। श्रमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी कांति, श्रीद्योगिक कांति, रूसी कांति। समाज पर विज्ञान श्रीर श्रीद्योगिक का प्रभाव।

एक विषय की संकल्पना, सयुक्त राष्ट्र । पंचशील लोक-तंस्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विषय में भारत का ोगदान ।

(ख) पृथ्वी, इसकी ग्राकृति ग्रौर ग्राकार, ग्रवास ग्रौर रेखांग । समय की संकल्पना । ग्रन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा । पृथ्वी की गतियां ग्रौर उनके प्रभाव । पृथ्वी का उद्भव, भट्टानें ग्रौर उनका वर्गीकरण ।

ग्रपक्षय--रासायनिक ग्रीर भौतिक । भूचाल तथा ज्वालाव भुखी ।

महासागर श्रौर धाराएं श्रौर ज्वार-भाटे।

वायुमण्डल भ्रोर इसका संघटन । तापमान भ्रोर वायूब मण्डलीय दाब, भूमेंडलीय पथन, चक्रवात श्रीर प्रतिचक्रवात भ्रार्वता । द्रवण भ्रोर वर्षण । जलवायु के प्रकार । 9—126GI/79 विषय के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति खनिज श्रौर शक्ति साधन, कृषि श्रौर श्रौद्योगिक कार्यकलापों के स्थान श्रौर वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पतन, भारत के मुख्य समुद्री भू ग्रौर वायू मार्ग। भारत के ग्रायात श्रौर निर्यात की मुख्य मदें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाश्रों की जानकारी। सामधिक महत्वपूर्ण विश्व धटनाएं।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय श्रीर श्रन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों श्रीर खेल कूद से सम्बन्धित महन्तपूर्ण व्यक्ति भी गामिल हैं।

टिप्पणी — इस प्रश्न के ग्रधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए कमण 40 प्रतिणत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत क होंगे।

बुद्धि तथा ध्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियावी बुद्धि की जांच करने के लिए साझात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा निखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। यये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेघाणक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवन उनके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए है श्रिपतु इनसे सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति उसकी दिलचस्थी का भी पता चलेगा।

परिक्षिष्ट II

राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रवेश के लिए शारीरिक मानक संबंधी मुख्य बातें।

टिप्पणी - उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के श्रनुसार णारीरिक रूप से स्वस्थ होना बाहिए। स्वस्थता सबधी मानक नीचे बताए गए है।

बहुत से प्रह्ताप्राप्त उम्मीधवार बाद में ग्रस्वस्थता के प्राधार पर ग्रस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को भ्रपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि भ्रन्त में निराणा से बचने के लिए उन्हें ग्रपना श्रावेदन पक्ष भेजने से पहले ग्रपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

मेत्रा त्रयन बोर्ड द्वारा अनूणं सित बहुत से उपयुक्त उम्मीद-वारों को स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार में डिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंन्तिम रूप से कून लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। श्रनुपयुक्त/अस्थाई भप से श्रनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणा उन्हें स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्न तथा श्रपील प्रस्तृत करने की कार्याविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष दारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई श्रनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिए उम्मीदवारों के श्रपने हित में परामणें हैं कि यदि उनकी दृष्टि श्रपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बूलाए जाने पर उन्हें श्रपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

- 1. राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रवेश के लिए उस उम्मीद बार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक श्रीर मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा श्रीर जिसमें कोई ऐसी श्रगक्तता नहीं होगी जिससे कुशलता-पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो ।
- किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:
 - (क) कमजोर शरीर गठन, श्रपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थलता तो नहीं है ।
 - (ख) हिड्डियों श्रौर संधियों का कुविकास तो नहीं हुश्रा है श्रौर उनमें किसी प्रकार की क्षणिता तो नहीं हो गई है।
- हिल्पणी:— ग्रन्थविधत ग्रैंब पर्गुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी ग्रगक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।
 - (ग) बोसने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
 - (घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड़ी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं भ्रा गई है ।
 - (ङ) कम मुनाई तो नहीं पड़ता है । कोई कान वह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है । टिम्पैनिक मम्बेन में कच्चा जढम तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिह्न तो ही नहीं है या भ्रामूल या संशोधित भ्रामूल कर्ण मल श्रापरेणन तो नहीं हुआ है
- दिप्पणी:— यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इस को श्रीर क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस श्रवस्था को थल थल सेना के लिए उम्मीदबार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए ।
 - (च) नाक की हड़ी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है प्रथवा

नामाग्रमनी या सहायक कोटरो का कोई रोग नह है।

- टिप्पणी:-- (i) नासा पट के छोटे भ्रलक्षणी कवधातज छेंद के कारण उम्मीदवार को एक दम श्रस्वीकृति नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान मलाहकार के पास भेजा जाएगा।
- टिप्पणी: (ii) जंभिका विवरण संबंधी पुष्टि के लिए निदानार्थ गह्नर संवेधन केवल श्रपील किए गए मामलों में ही किया जाए न कि किसी प्रारम्भिक परीक्षण के दौरान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान तो विकिरण विज्ञान संबंधी परीक्षण यदि निर्दिष्ट किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।
 - (छ) तपेदिक या भ्रन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियों बढ़ी हुई तो नहीं हैं भ्रीर थाइराइड ग्रंथि सामान्य है।
- दिष्पणी:— तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए
 गए अपरेशन के निशान उम्मीदवार की ग्रस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि
 गत 5 वर्षों में सिक्रिय रोग न हुआ हो तथा
 छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर
 रोग मुक्त पाई जाए ।
 - (ज) गले, तालु, टौंसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी जिंबुकीय संधियों की सामान्य किया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।
- टिप्पणी:— यदि बारबार टौँमिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टौँमिलों की अतिवृद्धि श्रस्त्रीकृति का कारण नहीं होती ।
 - (क्त) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का किया सम्बन्धी या ग्रंग रोग के लक्षण तो नहीं है।
 - (ठ्य) फेकड़ों की तरेदिक या इस बीपारी का पूर्वाबत् या फेकड़ों की कोई जीर्ग बीसरी का प्रमाण तो नहीं है ।
 - (ट) जिगर श्रोर तिल्ली की किसी विलक्षणता सिहत पाचक तन्त्र के िवी रोग का चिह्न तो नहीं है स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो ।
 - (ठ) वंक्षण हरिया (जिसकी शस्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो ग्रस्वीकृति का कारण होगा ।
- टिप्पणी:-- जिसनाका हर्निया का आपरेशन हो चुका हैं उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशनें कि:
 - (i) श्रापरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो । इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा ।

- (ii) पेट की पशीसमूह सामान्यतया ठीक है ; ग्रीर
- (iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नही हुई है, मा इसकी शल्य चिकित्सा से मॅंबंधित कोई उलझन पैदा नहीं हुई।
- (ड) हाइड्रोसिल या निष्चित बेरिकोसील या जननेद्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।
- टिप्पणी:-- (i) यदि हाइड्रोसिल के धापरेशन के बाद कोई रज्जू श्रौर श्रण्डग्रंथियों की विलक्षण-तायें न हो श्रौर फाइलें---रियासिस का प्रभाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा ।
 - (ii) यदि एक श्रीर की श्रन्त उदरीय श्रण्ड-ग्रिक्ट श्रारोही हो तो इस श्राधार पर उम्मीदवार को श्रस्वीकार नहीं किया जाता बणतें कि दूसरी श्रण्यडिन्थ सामान्य हो तथा इस श्रारोही श्रण्ड-ग्रन्थि के कारण कोई गारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव नहो । यदि ग्रारोही श्रण्डग्रिंथ वक्षण निका में ग्रथवा उदरीय वक्षण निका में श्रथवा उदरीय वक्षण निका हो ग्रीर श्रापरेणन में ठीत न हो सवती हो तो इस स्थित में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएग।
 - (क) फिस्टूना और या गुर्वा या विदर या बनासीर के मस्मे तो नहीं है।
 - (ण) गुर्वो की कोई बीमारी तो नही । ग्लूको अमेह या एलब्य-मिन मेह के सभी रोगी श्रस्त्री उत कर दिए जाएगा।
 - (त) अस्थायी अथवा मामूली क्षत-चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार प्रथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में प्रगक्तता या बहुत अधिक कुरूपमा आ गई हो या ग्राने की सभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी जाधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।
 - (च) कोई सिकिय गूप्त या जन्मजात रिजत रोग तो नहीं है।
 - (द) उम्मीक्ष्वार या उसके परिवार में मानिसक रोग का कोई पूर्व वृत्त का प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी प्राती हो, जिनका पेणाब वैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वी-कार नहीं किया जाएगा।
 - (घ) भेंगापन या स्रांख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

- (न) सिक्य रोहे (ट्रेकोमा) या इसकी जटिल तथा प्रनुप्रभाव तो नही है।
- दिष्पणी:— इलाज के लिए आपरेशन प्रवेण से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतथा समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बांछनीय है या आवश्यक है, इस वात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्चे का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।
 - 3. कद, वजन तथा छाती के नापों के लिए मानक :---(क) कद:
 - (1) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिला-कर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एड़ियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पाग्वों पर नहीं। वह बिना श्रकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उमकी एड़ियां, पिडलियां, नितम्ब श्रीर कन्ध्रं मापदंड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की श्रोर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर ग्राड़ी छड़ के नीचे श्रा जाएगा। 0.5 सेंट मीट की उपेक्षा की जाएगा। 0.5 सेंट मीट की उपेक्षा की जाएगी 0.5 सेंटी मीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे श्रीधक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।
 - (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौ सेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, नेपाली श्रालामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, श्रष्टणाचल प्रदेश, मेघालय श्रौर मिजोरम श्रौर विपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर श्रौर लक्षद्वीय के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।
- दिव्पणी: कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पन्न दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक प्रपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के कैडिटों के लिये जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनु-पातिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल वायु सेना: पाइलट के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 सें० मी० होगा। टांग की लम्बाई, जांघ की लम्बाई श्रीर बैठने पर कद का माप निम्न प्रकार होगा।

टांग की लम्बाई न्यूनतम 99.0 सें० मी० प्रधिकतम 120.0 सें० मी० जांघ की लम्बाई प्रधिकतम 64.0 सें० मी० बैठने पर कद न्यूनतम 81.50 सें० मी० प्रधिकतम 96.90 सें० मी०

दिष्पणी: किसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 सें० भी० तक, टांग की लम्बाई में 2.5 सें० भी० (न्यूनतम) तह तक और बैठने पर कद में 1 सें० मी० न्यूनतम तक की छूट दी जा सकती है बशतें कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण पन्न दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) वजन:---

(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जांघिए के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। श्रायु कद श्रौर श्रौमत वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिये दी जा रही है:—

मायु मवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	5 0.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	5 2 , 5	55.0
173.00	52 .5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	6 2 .5	65.0

(ii) कद तथा श्रायु के संबंध में ठीक वजन का ठीकठीक मानक निश्चय करना संभव

नहीं है। भ्रतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मान्न है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गये भ्रौसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिये 6 किलोग्राम कम ज्यादा) होने पर उसे वजन को सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का बजन उपयुक्त मानक से श्रधिक हो किन्तु गरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के श्रधिक बजन का कारण भारी हड्डियों भ्रोर पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की भ्रपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन श्रीर ब्रानुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:---

छाती पूरी तरह ग्रानुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए श्रीर फैलाने पर न्युनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों भौर उसकी बाहें सिर से ऊपर उठी हों। फीले को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की म्रोर इसका ऊपरी किनारा ग्रसफलकों (शोल्डर बनेडड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे भ्रौर इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचे किया जाएगा ग्रौर इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्सू साथ इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊरंचे उठे या पीछे की ग्रोर झुके न हों ताकि फीता भ्रपने स्थान से हटने न पाए। भ्रब उम्मीद-वार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। ग्रिधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सें० मीटर से कम के दशमलय भिन्न को छोड़ दिया जाएगा । लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा ग्रोर सेंटोमीटर से ग्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना हेतु: — किसी तरह का स्कोलियोसिस तो नहीं है यह पता लगाने के लिये रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे भी किया जाएगा। 7 से भ्रधिक स्कोलियोगिस (कांव विधि) उड़ान कार्य के लिये ग्रस्वीकृति का कारण होगा वायु सेना के सभी उम्मीदवारों का ई० सी० जी० लिया जाएगा। जिनका ई० सी० जी० विशेष रूप से श्रमामान्य होगा वे उम्मीदवार भ्रस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

नोट:--वायुसेना तथा नौसेना के लिये छाती का एक्स-रे श्रानिवार्य है।

4, दाँतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना 'चाहिये कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

- (क) स्वीकृत होने के लिए यह ग्रावश्यक है फि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइन्ट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर श्रच्छी तरह सटे ग्रौर दूसरे जबड़े के श्रनरूप दांतों के लिये निम्न प्रकार के प्वांइट पिए जायेंगे:--
 - (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी घाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।
 - (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट धिये जायंगे।

- (ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे ग्रच्छी सरह काम लिया जा सके;
 - (i) म्रागें के 6 में से कोई 4 दांत ।
 - (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 घात।
- (ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया बांत भ्रधिकारी की राय में बिना दांत निकाले ग्रच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दृष्टिमानक

(क्र) दृष्टि तीक्षणता

दूर दृष्टि

मानक-ा प्रच्छी ग्रांख खराब प्रांख वी'०-6/6 वी०-6/9 भागमालगाकर 6/6 तक मानक-II भ्रच्छी श्रांख खराब श्रांख

6/9दूर दुष्टिता (भश्मा लगाकर) 6/6

निकट दुष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त ग्रबिन्दुकता (एस्टिंगमेटिज्म) सम्मिलित हैं 🕂 2.5 डी० से भ्रधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में .5 डी०)।

दीर्घ दुष्टि (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें ग्रबिन्दुकता (एस्टिंगमेटिज्म मैनीफैस्ट) मम्मिलित है + 3.5 डी॰ से भ्राधिक नहीं।

टिप्पणी:--1. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिएं।

- वर्धमान मायो रेटिना के सूचक विद्रियस या कोरिया-रेटिना के भ्रतावश्यक व्यपजनन चिन्हन हों।
- द्विनेत्री (बाइनोकुलर) द्ष्टि ग्रन्छी होनी चाहिये (दोनों श्रांखों में संयोजन शक्ति भौर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।
- ऐसा कोई ग्रांगिक रोग नही होना चाहिये जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभावना है।

(खा) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञानः

जो उम्मीदवार प्रधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण प्रवगम मानक सी० पी० 3 (मदोष सुरक्षा) न रखते हों उन्हें श्रयोग्य माना जाएगा:

सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा)--उम्मीदवार इस योग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, लाल संकेत ब्रौर हरे संकेत रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैंटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की श्रापेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाम्रों के लिए भ्रपेक्षाएं

थल सेना दष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नोसेना (1) दुष्टि मानक !--कार्यपालक णाखा के उम्मीदवार चएमा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय ग्रनुमति दे तो कुछ सीमित संख्या तक ग्रन्यशा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। इंजीनियरी, विद्युत भ्रौर पूर्ति तथा सचिवालय माखाभ्रों के लिए दुष्टि मानक 6/18, 6/36 चश्मा लगाकर दोनों **ग्रांखों** के लिए 6/6 **है**।

(ii) विशोष श्रपेक्षाएं:

सामान्यतया नौ सेना की सभी शाखाओं के कैंडेटों/ डायरेक्ट एन्ट्री भ्रफसरों की रान्नि दृष्टि तीक्षणता के बास्ते नैमी तौर पर डेला कासा की जांच नहीं की जाएगी ध्रौर स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्न देने के लिये कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नल्की कर दिया जाएगा:---

"मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रतौंधी नहीं है ग्रीर जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रतौंधी नही है"।

ह० उम्मीदवार,

चिकित्सा ग्रधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (बीरोप्थे िर पिगमैंट्री श्रपविकास/कोरियारेटिना में विचलन, श्रपसाभान्य परितारिका श्रौर उसके लक्षण होने का संदेह होगा लेकिन वो श्रन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होंगे उनकी विस्तृत रावि दृष्टि तीक्षणता जांच सामान्य तौर पर की जायगी।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

मानक I—-एम० ए**ल०** टी०

नेत्र विचलन प्रवृत्ति

(मार्टिन लालटेंन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवृति मेडोक्स राड विंगटेस्ट के साथ (बगर्ते फि श्रभिसरण दोष तथा श्रन्य रोग लक्षण न हों) निम्नलिखित से श्रधिक नही होनी चाहिए:——

(क) 6 मीटर की दूरी से:

एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्टर इंसोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्टर हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से:

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

् एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्टर

हाईपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

(होमाट्रोपिना के प्रन्तर्गत)

मही भ्रांख

दूर दुष्टिता

1. 5 डायोप्टर

माधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य 0.75

संयुक्त दीव दृष्टिता वैषम्य । दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का दोष 1.5 डायोप्टर से ग्रिधिक नहीं होना चाहिए। इसमें से 0.75 डायोप्टर से श्रिधिक दृष्टि वषस्य के कारण नही

होनी चाहिए।

दूर दृष्टिता

सबसे खराब आंख 2.5

डायोप्ट्रम

माधारण दूर दृष्टिता वैषम्य

1 . 5 डायोप्ट्रस

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्ट्रस से प्रधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से 1.00 डायोप्ट्रस से प्रधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)——िकसी भी एक मरेडियम में 0.5 डायोट्रेप्स अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनेत्रो दृष्टि :- उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों श्रांखों में पयूजन फैक्लटी श्रौर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)।

वायु सेना (i) दृष्टिमानक

चश्मा नही लगाना है।

(ii) विशेष ग्रपेक्षाएं

व्यक्त दूर दृष्टिता 2.00 डी मे प्रधिक नहीं होनी चाहिए।

नेव पेशी संतुलन

मडाएक राडपरीक्षण से नेव विधलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से श्रधिक नहीं होनी चाहिए ।

(क) 6 मीटर की दूरी से:

एक्सोफोरियां 6 प्रिज्म डायोप्टर इंसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्टर हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 33 में० मी० की दूरी से :

डायडोटर 16 प्रिज्म **डा**योप्टर

एक्सोफोरिया इंसोफोरिया

6 प्रिज्म

डायोप्टर डायोप्टर

हाइपरफोरिया निकट दुष्टि

ग्रबिन्दुकता

1 प्रिज्म शून्य

> +0.75 दिन

द्विन्ती दृष्टि—-दिनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए । (श्रायाम प्रोर गहराई के साथ संयोजन श्रोर स्टोरियोपसिस) ।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान-मानक $oldsymbol{1}$ एम० एल० टी०

6. श्रवण मान्क

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी । जहां ब्रावश्यक होगा श्रव्यता मापी (ब्राडियोंमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेगे।

- (क) वाक परीक्षा उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से णांत कमरे में परीक्षक की ग्रोर पीठ करके 610 सेंट्रीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुलफुसाहट की ग्रावाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को ग्रवणिष्ट वायु से फुलफुसाना चाहिये; ग्रथीत् वह साधारण निण्वास भ्रन्त में लेगा।
- (ख) श्रव्यता मितिक परीक्षण—250 एच जैंड ग्रीर 4000 एच जैंड के बीच श्रावृत्तियों में श्रव्यतामितक कमी +10 इसिबल से श्रधिक नहीं होनी चाहियें। श्रव्यता श्रालेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यता मापी की श्राधार रेखा के गूल्य को ग्रीर जिन वातावरणीय रव श्रवस्थाश्रों में श्रव्यता श्रालेख श्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए। भौर किसी वायुसेना कर्ण-नासिक-कंठ विशेषज्ञ की श्रनृशंसाश्रों पर विनिधिष्ट मानक से जोड़ा-बहुन विचलन नजर भ्रन्थाज किया जा सकता है।
- 7. नेमी श्राधारित ई ई जो--वायेसेना हेतु सभी उम्मीद-वारों की ई ई जी परीक्षा की जायेगी। विशिष्ट श्रपसामान्यता रखने वालों को श्रस्त्रीकृत कर दिया जायेगा।

परिशिष्ट-III

(मैवा भ्राद्य का संक्षिप्त विवरण)

- श्रकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्नों पर हस्ताक्षर करने होंग :---
- (क) इस ग्राणय का प्रमाण पत्न कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या ग्रन्थभा ग्रावश्यक किसी मिजिकल ग्रापरेशन या संवेदनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई ग्रारीरिक ग्रशक्तता ग्रा जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुग्नायजे या ग्रन्थ प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) इस म्राणय का बंध पत्न कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदिवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस म्राना चाहता है या कमीणन भ्रस्वीकार कर देता है तो उस पर णिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किये गये व्यय तथा दिए गए वेतन श्रीर भन्ते की कुल राणि या उसनी राशि जो सरकार निष्चित करे, उसे वापस करनी होगी।
- 2. श्रावास, पुस्तकों, वदीं, बोर्डिंग श्रौर चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक से यह श्राणा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्ची के 40.00 रु० से प्रधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट क माता पिता या संरक्षक इस खर्चको भी पूरा या म्रांशिक रूप में बद्दश्ति करने में असमर्थ हों तो पहले श्रीर दूसरे वर्ष के लिये रु० 40.00 तक श्रीर राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिये रु० 45.00 भ्रौर थल सेना/नौसेना/ वायुसेना प्रणिक्षण प्रतिष्ठ।नों में भ्रागे विकाट प्रशिक्षण के लिये क० 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिस उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक की मासिक भ्राय ६० 450.00 या इससे श्रधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे । वित्तीय सहायता की पावता निर्धारित करने के लिये श्रचल सम्पत्तियों श्रीर सभी माधनों से होने वाली श्राय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता/पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की विस्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें प्रपने पुत्र/संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में प्रणिक्षण के लिये श्रंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद ग्रंपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक श्रावेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट श्रपनी श्रनुशंसा महित राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमाडेंट को सम्रोवित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को ग्राने पर, कमाडेंट राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी के पास निम्नलिखित राणि जमा करनी होगी:---

(क) प्रतिमास 40.00 रु० के हिसाय से पांच	रु ०
महीने का जेब खर्च	200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	650,00
— जोइ	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उप-र्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :--

- (क) 4,0.00 रु० प्रति माह के हिसाब से पांच रु० महीने का जब खर्च 200.00
- (ख) वस्त्र तथा उपस्भरों की मदों के लिए लगभग 475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं:--

(1) परशु राम भाउ पटवर्जन छात्रवृत्ति:--

यह छात्र वृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती हैं जिनके माता पिता की ग्राय सभी साधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के बीच हो । छात्रवृत्ति की राणि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी या ग्रन्य कमीशन पूर्व प्रणिक्षण प्रितिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु णर्त यह है कि कैडेट का ब्यवहार ग्रन्छा रहे श्रीर वह सन्तोष-जनक प्रगति करता रहे श्रीर उसके माता पिता की श्रायनिर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से श्रन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी:—

(2) कर्नल केंडिलफेंक मैमोरियल छात्रवृत्ति:--

यह छात्रवृत्ति 360.00 रु० प्रति वर्ष की है श्रौर उस मराठा कैडेट को दी जाती हैं जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति मरकार से प्राप्त विस्तीय सहायता के श्रितिरिक्त होगी।

(3) कुंबर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति:--

दो छ। त्रवृत्तियां उन दो कैंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीक्ष्यारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छ। त्रवृत्ति 37.00 ६० प्रति मास की है तथा ग्रधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी खड़ कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना ग्रकादमी; देहरादून तथा वायु सेना फलाइंग कालिज तथा नौसेना ग्रकादमी; कोचीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छ। त्रवृत्ति तभी मिसती रहेगी जबिक कैंडेट उपर्युक्त संस्थामों में श्रच्छी प्रगति करता रहे।

(4) भ्रमम सर्कार छ।त्रवृत्तियां:—

दो छात्रवृत्तियां ग्रमम के कैंडटों को प्रधान की जाएंगी । प्रत्येक छात्रवृत्ति 30,00 इ० प्रतिमाम की होंगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति ग्रमम के दो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता-पिता की ग्राय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जाएंगी। जिन कैंडेटों को यह छात्र-वृत्ति प्रदान की जाएंगी उन्हें सरकार की ग्रोर से ग्रन्य वित्तीय महायता प्रधान नहीं की जाएंगी।

- (5) उत्तर प्रदेण सरकार छात्रवृत्तियां:—दो छात्र-वृत्तियां 30.00 ६० प्रतिमास की तथा 400.00 ६पये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में सन्तोष-जनक प्रगति करने पर तीन वष के लिये दी जाएगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें श्रन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।
- (6) केवल सरकार छात्रवृत्ति :--पूरे वर्ष के लिए रु० 480/- की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० र० ग्रकादमी में प्रिशिक्षण की पूरी ग्रविध के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का ग्रिधिवासी निवासी हो श्रीर जो रा० र० श्रकादमी हेतु श्रिखिल भारतीय सं० लो० से० ग्रा० प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उसने यह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैंडेट के पिता/संरक्षक की श्राधिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारी लाल मंदािकनी पुरस्कार: --- यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को म्रकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। म्रावेदन-प्रपन्न कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा म्रकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :—सीन छात्रवृत्तियां—एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रतिमास के हिमाब से उड़ीमा सरकार द्वारा उन कैडेटों को वी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा ग्राय साधन के न्नाधार पर दी जाएंगी जिनके मान-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की ग्राय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को वी जाएगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :--- निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हों :---
- (क) वर्ग 1:—तीन छात्रवृत्तियां—(यल सेना, नौ-सेना तथा वायु सेन। के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले घौर दूसरे वर्ष के लिए घौर प्रकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके घ्रतिरिक्त 400.00 रुपए परिघान वृत्ति। यह उन कैंडेटों को दी जाएगी जो प्रकादमी में कोई भ्रन्य छात्रवृत्ति पाने के पात नहीं है।
- (ख) वर्ग 2:—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपये प्रति वर्ष एक मुग्त सरकारी वित्तीय सहायता के ग्रतिरिक्त दी जाएगी।

- (10) पायलट ग्रफसर गुरमीत सिंह बेदी मैमोरियल छात्रवृत्ति:—रु० 420/- प्रतिमाम की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैंडेटों के चौथ सल के भ्रन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की भ्रवधि के लिए होगी। पांचवें श्रौर छंडे सल के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रैलीगेट कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की भ्रवधि में छोड़ कर चला गया हो। जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी आएगी।
- (11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां:—हिमाचल प्रदेश के कैंडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्षे के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैंडेटो को मिलेंगी जिनके माता-पिता की मासिक श्राय 500.00 रुपए प्रतिमास से कम होगी। जो कैंडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेंगी।
- (12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति:—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु० प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी प्रविध के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैंडेट को विया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो। पात कैंडेट अपना आवेदन, कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहा पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (13) राजस्थान सरकार छात्रवृत्ति:—राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा ग्रकावमी में प्रति कोर्स 50/- रु० प्र० मा० की तीन छात्रवृत्तियां (थल सेना, नौसेना तथा वायुसेना प्रत्येक को एक-एक) तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी ग्रविध के दौरान केवल एक बार) देना गुक् किया है जो उस कैंडेट को दिया जाएगा जो राजस्थान राज्य के भूतपूर्व जे० सी० ग्रो०/ग्रन्य रैंक या नौसेना रेंक या नौसेना तथा वायुसेना के समकक्ष ग्रोहदाधारियों के पुत/ग्राश्रित हों। पात्र कैंडेट ग्रपना ग्रावेदन कमांडेंट, नेशनल डिफोंस एकेंडेमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्ते राष्ट्रीय रक्षा धकादमी, खड़क-वासला पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

- 5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकावमी में म्राने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।
 - (क) ग्रंग्रेजी
 - (ख) गणित
 - (ग) विज्ञान
 - (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सैकेण्डरी णिक्षा बोई की हायर सैकेण्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा से यह जांचा जाएगा कि उम्मीद-वार को ग्रकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

ग्रतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त ग्रध्ययन के प्रति उदामीन न हो जाएं। प्रणिक्षण

- 6. तीनों सेनाभ्रों अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए णैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का धारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व-सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाभ्रों के लिए समान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथास्थित विज्ञान या मानविकी के स्नातक स्तर का होगा?
- 7. राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में पाम होने के बाद थल मेना कैंडेट भारतीय मेना श्रकादमी, देहरादून, में, नौसेना कैंडेट, कैंडेटों के प्रशिक्षण पोत में श्रौर वायु सेना कैंडेट ई० एफ० एस० बिदार जाएंगे।
- 8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फेंट्री के उप-यूनिटों का नैतृत्व करने योग्य श्रफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उनके शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकेण्ड लेफ्टिनेंट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।
- 9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में पास होने पर पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इंजीनियरी, बिजली और णाखाओं के लिए चुना जाता है। उन्हें छह महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। संबद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।
- 10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का हैड़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनंतिम रूप से पाइलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। इसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समहत कर दिया जाता है।

सवा की णर्ने 10---L126GI/79

11 थल सेना ग्रधिकारी

(i) वेतन

	·
रैंक	वेतनमान
4	,
	रूपण्
सैकिण्ड लेफिटनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1150-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेंट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
ले फिटनेंट कर्नल (समय वैतनमान)	1800 नियन
कर्नल कर्नल	1950-2175
त्रिगे डियर	2200-2400
मेजर-नगरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल ,	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन ग्रौर ग्रनुदान

लेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० अथवा 6000/- रु० के एकमुक्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(iii) भ<u>त्ते</u>

बेतन के ग्रतिरियत ग्राफ्त मरों को इस समय निम्नलिखित भक्ते मिलते हैं:-

- (क) मिविलियन राजपत्नित ग्रफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शतीं क ग्रतुमार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भने दिए जाते हैं।
- (खं) रु० 50/- प्रतिमास की दर से किट श्रनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुरूपी एकल दूर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।
- (श) वियुक्ति भत्ताः जबविवाहित श्रफसरों को ऐसे रैथानों पर नैनान किया जाता है जहां परिवार महितनहीं रहा जा सकता है तब वे श्रफसर 70/-रु०प्रतिमास की दर से वियुक्ति भन्ना प्राप्त करने के हक्षदार होते हैं।

(iv) तैनानी

थल मेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियां

(क) स्थाई पदोन्ननि

उच्चतर रैंकों पर स्थाई पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

समय वेतनमान से

ले फिटनेंट	2 वर्षकर्माशन प्राप्त भेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त मेवा
में जर	13 वर्ष कमीणन प्राप्त मेवा
में जर से लेफिटनेंट कर्नल यदि	
चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	2.5 वर्षकमी शन प्राप्त भेवा
चयन द्वारा	
ले पिटनेंट कर्नेल	16 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा
कर्नल	2.0 वर्षकमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगे डियर	23 वर्षं कमीशन प्राप्त मेवा
मेजरजनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जनरल	2.8 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
जन्रल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर,श्रफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों।

4 21/1 (3) (7) 1/1/12 (2) 1/1-24	12.4 1	
कैप्टन	3 व	र्ष
मेजर	6 व	d,
ले पिटनेंट कर्नेल	6 1 व	ď.
कर्नल	8 1 व	ৰ্ষ
ब्रिगे डियर	12 म	र्ष
मेजर जनरल	20 व	Ť
लेफ्टिनट जनरल	2 5 व	Ť

12. नौभेना श्रफसर

(i) वेतन .

	वेतनम	<u> </u>
रैंक	मामान्य सेवा	नौ भेना विमानन श्रोर पनडुक्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिङ्शिपम न	560	560
कार्यकारी सब लेपिटनेंट	750	825
सब लेपिटें नेंट	830-870	910-950
ले पिटनेंट	1100-1450	1200-1550
लेपिटनेंट कमांडर	1550-1800	1650-1800
कर्माङर	1800-1950	1800-1950
भैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कोमोडोर को घही	
		कैप्टन के रूप में
	- प्र पनी वरिष्ठता के	त्रे ग्रनु सार हकदार
	है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2	2750
बाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमार	त

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर श्रीर उसके नीचे के रैंक के श्रफसर को अपनी योग्यताश्रों के श्राधार पर 1600/ - के 2400/- के, 4500/- के या 6000/- के के एकमुण्त श्रनुदान के हकदार हैं।

(ii) भस्ते

नौसेना विमानन ग्रफसर उड़ान भत्ता के लिए उन्हीं दरों तथा गर्ती के ग्रधीन होंगे जो वायुभेना श्रफसरों के ग्रनुक्षी रैंकों के लिए लागू हैं।

नौ मेना श्रफसर समकक्ष रैंक में थल सेना श्रफसरों को मिलने वाले भक्ते के लिए भी हकदार हैं। इनके श्रतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंग मनी, पनडुब्बी भक्ता, पनडुब्बी वेतन श्रौर गोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोक्तति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोक्षतियां देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:---

समय बेतनमान द्वारा

सब ले फ्टिनेंट	1 वर्ष
में फिटनेंट	3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जबूती के
	ग्रधीन)
लेफ्टिनेंट कमांडर	लेफिटनेंट के रूप में 8 वर्ष की
	वरिष्ठता
कमांडर	24 मर्प की कमीशन प्राप्त सेवा
	(यदि चयन द्वारा पदोन्नतिनहीं
	हर्ष है)।

चयन द्वारा

कमांडर कार्यपा नक शाखा	लेफ्टिनेंट कमाण्डर के रू प में 2∽8 वर्ष की वरिष्ठता
कमांडर इंजीनियरी शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता
कमाण्डर विद्युत शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रू प में 2—10 वर्ष की वरिष्ठता
कमाण्डर पूर्ति ग्रीरसिवालय	
शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 4–10 वर्ष की वरिष्ठता
कैप्टन	कमाण्डर केरूप में 4 वर्षकी वरिष्ठता
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं
बाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफ्टिनेंट कमाण्डर के रैंक को छोड़कर जिसके लिए किसी प्रफसर की लेफ्टिनेट की के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता चाहिए, नौभेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा मीमा नहीं है।

भाग III —-खण्ड 1]	गरतका राजपत्न, जून ३०), 1979 (आषाढ़ 9, 1901)	5049
13. वायु सेना श्रफसर		ग्रुप कैप्टन	स्थायी विंग कमांडर के रुप
(I) वेतन			में 4 वर्ष की सेवा।
	معادرة والمسادد والمسادد	एयर कमोडोर	स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में
रेंक	वेतनमान रुपये	•	3 वर्ष की सेवा।
		एयर वाइस मार्शल	स्थायी एयर कमोडोंर के रूप
पाइ लट भ फसर	825-865		में 3 वर्ष की सेवा।
फ्लाइंग भ्रफसर	910-1030	एयर मार्शल	स्थायी एयर वाइस मार्शल के रुप में 2 वर्ष की सेवा
फ्लाइंग लेफ्टिनेंट	1300-1550		
स्म्याष्ट्रन लीडर	1650-1800	(च) कार्यकारी	पदोन्नति
विग कमाण्डर (चयन)	1750-1950	म फसरों की का	र्यकारी पदोन्नति के लिये भ्रपेक्षित
विंग कमाण्डर (समय वेतनमान)	1800 नियत	न्यूनतम सेवा सीमाएं	इस प्रकार है :
ग्रुप कप्टन	1950-2175	फ्लाइंग लेफ्टिनेन्ट	2 বর্ष
एयर कमांडर	2200-2400	स्क्वाडून लीडर	5 वर्ष
एयर वाइस मार्शल	3000	विंग कर्मांडर	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के
एयर चीफ मार्शलय(सी ० ए० एस०)	4000		रैंक में एक वर्ष की सेवा
(ii) भत्ते उड़ान भत्ताउड़ान जाखा (पाठसट जाखाओं के श्रफसर नि	•	एयर कमोडोर	केंबाद)। 11 वर्ष (बिग कमांडर धीर ज्रुप कैंप्टन के रुप में 3 वर्ष की सेवा केंबाद)।
उड़ान भत्ता लेने के प •	गन्न हैं : प्रतिमास ६०	एयर बाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन श्रीर एयर कमोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
पाय ल ट ग्रफसर से लेकर		एयर भार्मल	्राचा चाप) 23 वर्ष
बि ग कमाण्डर तक	37 5	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	40 11
ग्रुप कॅप्टन झौर एथर कमण्डर एयर वाइस मार्शल झौर उससे ऊपर	333.33 300	* बं डित ग्रवधियों	को शामिल करके ।
(iii) योग्यता वेतन अनुदानः - निम्नलिश्वित शाखा अफसरों को प्राप्य जिनके पास नि		14. सेवा निवृत्ति ——————	a ৰাম ————
	प्र० मा० या ६०	पेन्धान जपहान !	—————————————————————————————————————
70/- ¥o			त्रार कशुरुरा पर्याग क्रमांड समय- i के श्रनुसार स्वीकार्य होंगे ।
₹ 0	र ०	-	। क अनुवार स्थानाम हास ।
योग्यता प्रनुदान 6000/- 2400/-	4500/- 1600/-	15. छुट्टी समय-समय पर ल होगी ।	ागू नियमों के श्रनुसार छुटी स्वीकार्य
(iv) पदोन्नतियां			
(क) मूल पदोन्नति उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के	लिये निम्नलिखित	_	परिणिष्ट IV

सेवा सीमाएं हैं:---

समय वेतनमान द्वारा

1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

यदि चयन द्वारा पदोन्नतिन

हुई हो तो 24 वर्ष की

कमीणन प्राप्त सेवा पूरी कर

स्थायी स्ववाङ्ग लीडर के रूप

में 3 वर्ष की सेवा।

ली हो ।

फ्लाइंग म्रफसर

स्मवाडून लीग्रर

बिंग कमांडर

चयन द्वारा

विंग कमांडर

फ्लाइंग लेफ्टिनेन्ट

भारत सरकार के श्रधीन पदों पर नियुक्ति हेतु ग्रावेदन करने वाले ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर ग्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्मः: प्रमाणित किया जाता है कि श्री...... सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा* राज्य/संघ* राज्य- क्षेत्र.... के निवासी हैं जानि/जन* जाति के **हैं** जिसे निम्नलिखित के श्रधीन श्रनुसूचित जाति श्रनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:---संविधान (भनुसूचित जातियां) मादेश, 1950*

संविधान (भ्रनुमुचित जन जातियां) ग्रादेश, 1950* संविधान (श्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951* संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेण, 1951*

(भनुसूचित जातियां श्रीर धनुसूचित जन जातियां सूचियां (धाणोधन) धादेण, 1956, बम्बई पुनर्गठन धिधिन्यम, 1966, दिमाचल प्रदेश राज्य श्रधनियम, 1970 श्रीर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रधनियम, 1971 श्रीर अनुसूचित जातियों तथा धनुसूचित जन जातियों श्रमुसूचित जन प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संविधान (जम्मू और काम्मीर) अनुसूचित जातियां भादेश, 1956*

संविधान (श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीपसमूह) धनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1959 श्रनुसूचित जातियां तथा धनु सूचित जन जातियां श्रादेश (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा मंशोधित*

संविधान (दादरा श्रीर नागर हवेवी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1962*

संविधान (दादरा श्रौर नागर हक्ली) श्रनुस्चित जन जातियां श्रादेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964* संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967*

संविधान (गोम्रा, दमन श्रौर दियु) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968*

संविधान (गोग्रा, दमन ग्रौर दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) प्रनुसूचित जन जातियां भावेण, 1970*

2. 剁		भौ	र/या	*
उनका परिवार श्रामतौर से गांव/कस्बा*				
जिला/मंडल*	राज्य	ग/संघ*	राज	q
क्षेत्र	में	रहता	है	١
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र			-	

(कार्यालय की मोहर के साथ)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें। नोट:— यहां ''श्राम तौर से रहता है'' का **प्रयं वही** होगा जो ''रिप्रेजेंटेशन ग्राफ वि पीपूल ऐक्ट, 1050'' की धारा 20 में है। **जाति/जन जाति का प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारी ।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/ग्रातिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/
कर्लंक्टर/डिप्टी कमिण्नर/एडिश्गनल डिप्टी कमिश्नर /डिप्टी कर्लंक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल
मजिस्ट्रेट/तास्कुक मजिस्ट्रेट/एबजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट
एक्स्ट्रा ग्रामिस्टेंट कमिश्नर ।

(प्रथम श्रोणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट में कम श्रोहदे का नहीं) ।

- (ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसि-डैन्सी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेबेन्यु म्रफसर जिनका ग्रोहदा तहसीलदार से कम न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब-िडवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार श्रीर/या उसका परिवार झाम तौर से रहता हो ।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलप-मेंट श्रफसर (लक्षद्वीप) ।

परिक्षिप्ट V

संघ लोक सेवा भायोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है । इस प्रकार के परीक्षण में श्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रश्न (जिसको श्रागे प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं । उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) श्रापको चुन लेना है ।

इस विवरणिका का उद्देश्य श्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्त न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो । ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3, ... के कमांक से प्रश्नांक होंगे। हर प्रश्नांक के नीचे a, b, c, ... कम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। प्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से प्रधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें में सर्वीत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (प्रन्त में दिए गए नमूने के प्रश्न देखा लें)। किसी भी स्थिति में,

प्रत्येक प्रश्नांश के लिए ग्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाय करना होगा । यदि ग्राप एक से ग्रधिक चुन लेते हैं तो ग्रापका उत्तर गलत माना जाएगा ।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए श्रापको श्रलग में एक उत्तर पक्षक परीक्षा भवन में दिया जिएगा । श्रापको श्रामे उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे । परीक्षण पुरिनका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर ग्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाने नहीं जाएंगे ।

उत्तर पत्तक में प्रश्नांशों की संख्याएं । से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं । प्रत्येक प्रश्नांश के मामने a b c d e के कम में प्रत्युत्तर छपे होंगे । परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने श्रौर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, श्रापको उम प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उमें श्रोंकत कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है । उत्तर पत्रक के आयन को काला बनाने के लिए स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए ।

ष्रापके उत्तर पत्नक में दिए गए उत्तरों का मूल्याकन एक मूल्याकन मणीन से किया जाएगा । जो गलत उत्तर, एच० बी० पिसल के श्रितिरिक्त दूसरी पेसिल के प्रयोग श्रौर विकृत उत्तर पत्नक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है । इसलिए यह जहरी है कि प्रण्नाणों के उत्तरों के लिए केवल श्रम्छी किस्म की एच० बी० पिसला (पेसिलों) ही लाएं श्रौर उन्हीं का प्रयोग करें । दूसरी पेसिलों या पैन के द्वारा बनाए गए निणान, संभव है, मशीन से ठीक-ठीक न पढ़ें जाएं ।

- 2. श्रगर श्रापने ग**ल**त निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से मही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए श्राप श्रपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी श्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सखबट श्रादि पड़ जाएं श्रीर वह देवा हो जाए। घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम
- ग्रापको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही भपना स्थान ग्रहण करना होगा।

- 2. परीक्षा गुरु होने के 30 मिनट बाद किसी को. परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।
- 3. परीक्षा गुरु होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी ।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका ग्रीर उत्तर पत्नक पर्यवेक्षक को सौंप दें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की ग्रनुमित नहीं है। इन नियमी का उल्लंधन करने पर कहा दण्ड दिया जाएंगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, प्रयना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की नारीख और परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्याही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्नक पर आप कहीं भी ध्रपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूकि मूल्यांकन मणीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पलक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध हैं, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. ग्राप ग्रपना प्रवेश प्रमाण-पत्न माथ लाएं। ग्रापको ग्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल गार्पनर श्रीर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लाती होगी। ग्रापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या ग्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए ग्रापको एक ग्रलग में कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम गुरु करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर श्रीर तारीख लिखें भौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेशक को पास कर दें।

ङ विशेष ग्रनुदेश

जब ग्राप परीक्षा भवन में प्रथने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से श्रापको उत्तर पत्नक मिलेगा । उत्तर पत्नक पर श्रपेक्षित सूचना ग्रपनी कलम से भर दें । यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक ग्रापको परीक्षण पुस्तिका देंगे । प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाशियों में सीस लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए । जैसे ही ग्रापको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त ग्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है ग्रीर सील लगी हुई है । ग्रन्थथा, उसे बदलवा लें । जब यह हो जाए तब ग्रापको उत्तर पत्नक के सम्बद्ध खाने में ग्रपनी परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या खिखानी होगी ।

जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक भाप उमें न तोड़ें।

च. कुछ उपयोगी सुद्धाय

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य श्रापकी गीत की अपेक्षा शुक्कता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि श्राप श्रपमे समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ श्राप जितनी जल्दी श्रागे वढ़ सकते है, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। श्रगर श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों न करें। श्राप की जो प्रश्न श्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय अ्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रोर बढ़ें श्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के श्रंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रापको श्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शिक्त की अपेक्षा, जानकारी, सूझ बूझ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभ्यायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से वेख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अन्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पयवेक्षक ग्रापको लिखना बन्द करने को कहें, ग्राप लिखना बन्द कर दें।

जब श्रापका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब ग्राप श्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक श्रापके यहां ग्राकर श्रापकी परीक्षण पुस्तिका श्रीर उत्तर पत्नक न ले जाए श्रीर ग्रापको "हाल" छोड़ने की श्रनुमित न दें। ग्रापको परीक्षण-पुस्तिका श्रीर उत्तर पत्नक परीक्षा भवन बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है।

नमूने के प्रश्न

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं हैं?
 - (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) ग्रशोक के बाद साम्प्राज्य का विभाजन हुन्ना।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावणाली मुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
 - (d) म्रशोकोत्तर युग में भ्रार्थिक रिक्तता थी। उत्तर (d)
- 2. संमदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरक्षायी है।

- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरक्षायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरधायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तर**क्षायी** है।

उत्तर (c)

- पाठणाला के छात्र के लिए पाठ्येत्तर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
 - (b) श्रनुशासन की समस्याओं की रोकशाम है।
 - (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है। उत्तर (a)
- 4. सूर्य के मबसे निकट ग्रह हैं ;
 - (a) शुक्र (c) वृहस्पति
 - (b) मंगल (d) **बुध**

उत्तर (d)

- 5. बन श्रीर बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौन-सा बिवरण स्पष्ट करता है ?
 - (a) पेड़ पौछे जितने भश्चिक होते हैं, मिट्टी का भ्रारण, उतना भश्चिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, निध्यां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाद होती हैं।
 - (c) पेड़-पौधे जितने मधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
 - (d) पेड़-पौधे जितने कम होते हैं जतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है ।

उत्तर (c)

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1979

सं० एफ० 9/1/79-प० I (ख)—भारत के राजपत दिनांक 30 जून, 1979 में गृह मन्त्रालय (कार्मिक एक प्रणासनिक मुधार विभाग) द्वारा प्रकाणित नियमों के भनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाभों के भ्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड तथा भ्राणु- निपिक ग्रेड I/ग्रेड खा की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के

लिए संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेशस्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिणनों में 23 ग्रक्तूबर, 1979 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

ग्रायोग, यदि चाहे, तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीक्ष में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान ग्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए ग्रनुबन्ध, पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:—

वर्ग I

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड I

वर्ग II

मनुभाग ध्रधिकारी ग्रेड (भारतीय विदेश सेवा, शा**र्खा 'ख**'के सामान्य संवर्ग का

समेकित ग्रेड । भ्रौर III)

15 (जिसमें 3 पद ग्रमुसूचित जाति के लिए श्रौर । पद भ्रमुसूचित जन जाति के लिए अग्रिक्षत है)

वर्ग III

रेल बोर्ड सिवालिय सेवा का अनुभाग ध्रिष्ठ-कारी ग्रेड . . . 3 (जिसमें 1 पद श्रनुसूचित जन जाति के लिए आरक्षित है)

वर्ग IV

केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक सेवा का ग्रेड**च** . . .

वर्ग V

भारतीय विदेश सेवा, शा**खा 'ख'** के म्राणु-लिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड- I . .

9 (जिसमें 2 पद श्रनुसूचित जाति के लिए श्रारक्षित हैं)

वर्ग VI

सगस्त्र सेना मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा का ग्रेड ख

वर्ग VII

रेल बोर्ड मचिवालय ग्राणु लिपिक सेवा का ग्रेड ख

1**

वर्ग VIII

श्रासूचना ब्यूरो का श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड (श्रनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिये 1 श्रारक्षित है)

2 (जिसमें 1 पद ग्रनुमूचित जाति के लिए ग्रारक्षित

है)

उपर्युक्त संख्यात्रों में परिवर्तन किया जा सकता है। *रिक्तियां सरकार द्वारा मूचित नहीं की गई।

** अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां, यदि कोई होंगी, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।

3. जो उम्मीदवार उक्त मेवाभ्रों (इष्टब्य नियम 3) के दो वर्गों के लिए पान हैं और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है; वह केवल एक ही धावेदन पन्न भेजे। उसे धनुबन्ध में उल्लिखित शुल्क एक बार ही देना होगा तथा धावेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए पृषक शुल्क देने की धावश्यकता नहीं है।

ध्यान दें - उम्मीदवारों को प्रपने श्रावेदन पत्नों में उस वर्ग/ उन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्न में वरीयता कम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पत्न में उल्लिखित मूलतः वर्गों के विरीयता कम में परिवर्तन करने का श्रनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि ऐसा श्रनुरोध संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के 30 दिन के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये अवेदन-प्रपत्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रपने भ्रावेदन पत्न सम्मिलित सीमित विभागीय प्रति-योगिता परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिना परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित भ्रावेदन प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत भ्रावेदन पत्नों पर विचार नहीं किया जायेगा। 5. भरा हुआ आविदन-प्रपत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ मचिव, मंघ लोक मेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011 के पास 13 अगस्त 1979 (13 अगस्त 1979 में पहले की किसी तारीख में विदेणों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 27 अगस्त 1979) तक या उसमें पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए । निर्धारित नारीख के वाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदबार में, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुन करने के लिए कह सकता है कि वह 13 अगस्त 1979 में पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए ग्रावेदन-पत के साथ श्रायोग को क० 28.00 (श्रनु-सूचित जातियों श्रौर अनुसूचित जन चातियों के सामलों में क० 7.00) का णुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ग्रावेर या सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग की नई दिल्ली की प्रधान को लोक सेवा ग्रायोग की नई दिल्ली की मुख्य शाखापर स्थित स्टेट बैंक श्राफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित शुलक भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रति-निधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा श्रायोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्य में जमा हो जाये श्रौर श्रावेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन ग्रावेदन-पत्नों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम ग्रस्वीकार कर दिया जाएगा।

7. यदि कोई उम्मीदवार, मीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1978 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेण पाने के लिए प्रावेदन करना चाहता हो तो उसे 1978 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही प्रपना ग्रावेदन-पत्न ग्रवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक ग्रायोग के कार्यालय में पहुंच जाए । यदि 1978 में ली गई परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु अनुशंमित कर दिया जाता है लो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह् कर दी जाएगी श्रीर उसको उसी प्रकार णुक्क लौटा दिया जाएगा बणतें कि उम्मीदवारी रह कराने श्रीर णुक्क को वापम करने का श्रनुरोध श्रायोग के कार्यालय में 1978 की परीक्षा के ग्रांतिम परिणामों की घोषणा के एक मास के श्रन्दर प्रस्तन कर दिया जाए।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित णुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे ध्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेण नहीं दिया गया हो तो उसे ४० 15.00 (ध्रनुसूचित जातियों धौर ध्रनुसूचित जन जातियों के मामले में ४० 4.00) की राशि वापम कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोष्ट्र कर श्रन्य किसी भी स्थिति में क्रायोग को भुगतान किए गए शृत्क की बापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शृत्क को किसी श्रन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को स्रपना श्रावेदन-पत्न प्रस्तृत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी स्रतुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

> ग्रार० एम० श्रहलुवालिया, उप-पचिव संघ लोक सेवाग्रायोग

श्रनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लों कि वे परीक्षा में बैठने के पान भी हैं या नहीं। निर्धारित गर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

श्रावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां घह परीक्षा देने का उच्छुक हो, श्रांतम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनु-रोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यिव कोई उम्मीदवार किसी विदेण स्थित भारतीय मिणन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसंद के कमानुसार हो अन्य भारतीय मिणन (वह स्वयं जिस देश में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वकत्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि खाहेतो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिणनों में ने किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्न तथा पावती काई अपने हाथ से ही भरने चाहिएं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्न, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए।

उम्मीदवार को प्रपना श्रावेदन पत्न संबद्घ विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन पत्न के भ्रत्त में दिए गए पृष्ठांकत को भर कर श्रायोग की भेज देगा।

- 3. उम्मीदवार को भ्रयने ग्रावेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण पत्न ग्रवश्य भेजने चाहिए :---
 - (i) निर्धारित णुल्क के खिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल प्रार्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 6)।
 - (ii) भ्रायु के प्रमाण पक्ष की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iii) उम्मीद्रवार के हा**ल** ही के पासपोर्ट प्राकार (क्रगभग 5 में०×मी०/7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
 - (iv) जहां लागू हो वहां भ्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न की श्रभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (v) जहां लागू हो वहां श्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न की श्रीभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट:--उम्मीदवारों को अपने भ्रावेदन पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iv) तथा (v) पर उल्लिखित प्रमाण पद्मों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपवित अधिकारी द्वारा अभि-प्रमाणित हो भ्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के भाधार पर यथास्थिति सेवा रिकार्ड के मृत्यांकन प्रथवा श्रामुलिपि परीक्षा, के लिए ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के मार्च, 1980 के महीने में घोषित किए जाने की सभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्नों को तैयार रखना चाहिए ग्रीर लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद ग्रायोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार भ्रवेक्षित मूल प्रमाण पत्र मांगे जाने पर नहीं भेजोंगे उनकी उम्मीदवारी रहे कर दी जाएगी भ्रोर श्रागे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

- मब (i) से (iii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iv) श्रीर (v) के विवरण पैरा 4 श्रीर 5 में दिए गए हैं।
- (i) (क) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल श्रार्डर:—

प्रत्येक पोस्टल धार्डर द्यनिवार्यतः रेखांकितः किया जाए, उस पर 'सचिव, संघ लोक सेवा द्यायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय' लिखा जाना चाहिए।

किसी भ्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल भ्रार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार तहीं किए जायेंगे। विरूपित या फटे-कटे पोस्टल म्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल ग्रार्डरों पर आरी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए, कि जो पोस्टल भ्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों भ्रौर न ही मचित्र, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किये गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक श्राफ्ट बैंक श्राफ्ट स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए श्रीर मचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक श्राफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी श्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट: --- जो उम्मीदवार ग्रावेदन पक्ष भेजते समय विदेश में रह रहें हों, वे निर्धारित मुल्क की राणि (रु० 28.00 के बराबर श्रीर ग्रमुस्चित जातियों तथा स्नुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रु० 7.00 के बराबर) यथास्थित उस देश में स्थित भारत के उच्च ग्रायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं श्रीर उनसे कहा जाए कि वे उस राणि को लेखा गीर्थ "051 --- जोक सेवा ग्रायोग परीक्षा गुल्क" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसींद लेकर ग्रावेदन पत्न के साथ भेजें।

(ii) श्रायु का प्रमाण पत्न :—श्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैदिकुलेणन के प्रमाण पत्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैदिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्न या विश्वविद्यालय के ममुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रधित विश्वविद्यालय के मैदिक पाम छान्नों के रिजस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उमके समकक्ष परीक्षा में उतीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण पत्न या समकक्ष प्रमाण पत्न प्रस्तुत कर सकता है।

प्रनुदेशों के इस भाग में ग्राए मट्टिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न के भ्रन्तर्गत उपर्यक्त वैकित्पिक प्रमाण पन्न सम्मिलित है। कतो कती नैद्रिक्वतंत्रना/उच्चतर माध्यमिक पराक्षा प्रमाण पत्न में जन्म की तारोख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीते ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न की प्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्वतिरिक्त उस्त्र संस्था के हैंडनास्टर/थिसीनल से लिए गए प्रमाण पत्न की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। जहां से वह्र मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उतीर्ण हो। इस प्रमाण पत्न में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक श्रायु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदयारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्न के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्न अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्न में लिखी जन्म की तारीख मेंदिकुलेणन प्रमाण पत्न/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो अवेदन पत्न अस्वीकार किया जा सकता है।

- नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्न हो, उसे केवल श्रायु में संबद्घ प्रविष्टि वाले पृष्ठ की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
- नोट 2: उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और ध्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद विसी ध्रमली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की ध्रनुमित सामान्यतः नहीं दी जायेगी।
- नोट 3:--जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी नौकरी
 में हैं, उनकी नेवा पुस्तिका की प्रविष्टियां को
 जन्म की तारीख के प्रमाण स्वरूप स्वीकार किया
 जा सकता है।
- (iii) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को ग्रपने हाल ही के पासपीर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां ग्रवश्य भेजनी चाहिएँ। इनमें से एक प्रति ग्रावेदन पत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए ग्रौर दूसरी प्रति ग्रावेदन पत्न के साथ ग्रष्ठी तरह मत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान वें:—जम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii) तथा 3(iii) में उल्लिखित प्रमाण पत्न आदि में से कोई एक संलग्न न हो और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया हो तो प्रावेदन पत्र अस्ती गए किया जा मकता है और इस प्रस्वीकृति के विकद्ध कोई भ्रपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण पत्न ग्रादि ग्रावेदन पत्न के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें ग्रावेदन पत्न भेजने के बाद शीध ही भेज देना चाहिए ग्रीर वे हर हालत में ग्रावेदन पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित ग्रांतिम तारीख से एक महीने के भीतर ग्रायोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न विया गया तो ग्रावेदन पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे प्रपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) भ्राम तौर से रहते हों, जिला प्रधिकारी या उप मण्डल प्रधिकारी या निम्नांकित विसी प्रन्य ऐसे प्रधिकारी में, जिमे राज्य सरकार ने यह प्रमाण पल जारी करने के लिये सक्षम प्रधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण पन्न लेकर, उसकी एक प्रभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के प्रधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से श्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिये श्रावेष्टन करने वाले श्रनुसूचित जातियों श्रीर भनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती /कुमारी*

सुपुत्र/सुपुद्धी*/श्री — जो गांव/कस्बां* — जिला/मंडल*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* — के/
की* निवासी हैं — जाति/जन जाति
के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित
जन-जाति के रूप मैं मान्यता दी गई हैं :--

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950.*

संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) ग्रादेश, 1950.*

संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951.*

संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951.*

[श्रनुस्चित जातियां श्रीर श्रनुस्चित जन जातियां सूची (श्राशोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई पुर्नगठन श्रधिनियम, 1960, पंजाब पुर्नगठन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970 श्रीर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुर्नगठन), श्रधिनियम, 1971 श्रीर श्रनुस्चित जातियां तथा श्रनुस्चित जन जातियां (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित]।

संविधान (जिम्मू प्रौर काश्मीर) अनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1956.* म्रादेश, 1967.*****

श्री/श्रीमती/कमारी*

संविधान (श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित अन जातियां ग्रादेश, 1959, ग्रनुसूचित जातियां ग्रीर अनुसूचित जन जातियां ग्रादेण (संशोधन), ग्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित । संविधान (दादरा ग्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातियां भादेश, 1962.** संविधान (दादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन 1962.* जातियां श्रादेश, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां म्रादेश, 1964* संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)

संविधान (गोग्रा, दमन ग्रीर दियु) अनुसूचित जातियां म्रादेश, 1968.*

संविधान (गोभ्रा, दमन श्रौर दियु), भ्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1968

संविधान (नागालैंड) श्रन्सूचित जन जातियां श्रादेश, 1970.*

1	
श्रीर/या* उनका परिवार आम त	•
जिला/मंडल	*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	
	37-37017
	हस्ताक्षर
	**पदनाम
स्थान	
तारीख'	(कार्यालय की मोहर)

राज्य* संघ राज्य क्षेत्र

जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें। नोट:-- यहां "ग्राम तौर से रहते/रहती है का प्रर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950″ की धारा 20 में है।

**ग्रनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रतिरिक्त मेंजिस्ट्रेट/ जिला कलैक्टर/सीटी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल +मैजिस्ट्रेट/ मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यटिव ताल्लक मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिश्नर । ग्रसिस्टेट

- †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रीहदे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ प्रैमि-मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्य श्रफसर जिनका ग्रोहदा तहसीलदार से कमान हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डियोजनल श्रकसर जहां उम्मी-दबार ग्रोर या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो ।
- (Y) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट ग्रफसर (लक्षद्वीप) ।
- 5. (ji) नियम 3 (ख) के श्रन्तर्गत श्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवारों को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्न की एक स्रभिन्नमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रैंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।
- (i) नियम $3(\eta)(i)$ या $3(\eta)(i)$ के भ्रन्तर्गत निर्धारित ग्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) विस्थापित व्यक्ति को निम्ति खित प्राधिकारियों में में किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक श्रभिप्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पृत्री पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भ्रौर 1 जनवरी, 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवधि के दौरान प्रक्रजन कर भारत भ्राया है:--
 - दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों भ्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता णिविरों के कैम्प कमां-डेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट अहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) संबद्ध जिलों में गरणार्थी पुनर्वाम कार्य के प्रभारी ग्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का मब डिवीजनल श्रफसर।
 - (5) उप णरणार्थी पुनर्वास भ्रायुक्त, पश्चिम बंगाल/ निदेणक (पुनर्वास) कलकत्ता ।
- (iii) नियम 3 (ग) (iv) या 3 (ग) (v) के प्रन्तर्गत निर्धारित श्रायु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रस्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मुलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च श्रायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस श्रामय के प्रमाण-पत्न की एक प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिविधि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय मागरिक है, जो भ्रवतूबर, 1964

के भारत श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत ग्राया है या श्राने वाला है।

- (iv) नियम 3 (ग) (vi) के अन्तर्गत श्रीयु-सीमा में छूट चाहने वाले की निया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टनजानिया से श्राए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलाबी, जैरे श्रीर इथियो-पिया से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय को उस क्षेत्र के जिला मैं जिस्ट्रेंट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से श्राया है।
- (v) नियम 3 (ग) (vii) या 3 (ग) (viii) के भ्रन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यवर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण पत्न की एक श्रांभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागितक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक ग्रांभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से श्राया हुश्रा वास्तविक प्रस्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत भाया है।
- (vi) नियम 3 (ग) (ix) और (x) के श्रन्तर्गत श्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐ से उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय में निम्निलिखन निर्धारित फ़ामें पर लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाशों में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में अथवा अगांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

*जो लागून हो उसे कृपया काट दें।

(vii) तियम 3 (ग) (xi) या 3 (ग) (xii) के श्रन्तगत श्रायु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जे। सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुमा है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गह मंत्रालय से नीचे निर्वारित कार्म पर लिए गए, प्रमाण-पन्न की एक आभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह ध्विका है के किए प्रस्तुत करनी भाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरू निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का कार्य
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैंक नं०
श्री सीमा
सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत पाक गतुता
संघर्ष के दौरान विकलांग हुए श्रौर उस विकलांगता के परिणाम
स्वरूप निर्मुक्त हुए ।
हस्ताक्षर
पदनाम ,
ਕ ਾ ਰੀਅ

- 6. नियम 3 (घ) के अन्तर्गत प्रायु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मृहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैंद हुआ था और जिसमें वे तारीखें विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैंद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैंद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक सम्बन्धों या कार्यकलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके सम्बन्ध रखने के अनुसरण में थी।
- 7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे ग्रावेदन-पक्ष भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें श्रथवा किसी महस्वपूर्ण सूचना को न ष्ठिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख श्रयवा उसकी प्रति की किसी प्रिविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें ग्रौर न कोई फरबदल करें ग्रौर न ही फीर बदल किए गए भूठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या श्रिष्ठिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई श्रमुख ग्रयवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 8. भ्रावेदन-पन्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि भ्रावेदन-प्रपन्न ही भ्रमुक तारीख को भेजा गया था। भ्रावेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।
- यदि परीक्षा से संबद्ध ब्रावेदन-पत्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने झावे-

दन पत्न की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्रत्य करने के लिए भ्रायोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

- 10. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी झ दें दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तस्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो आएगा।
- 11. केन्द्रीय मिंचालय सेवा श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षाः 1977 श्रौर सिम्मिलत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षाश्रों 1976 श्रौर 1977 से पूर्व पांच वर्षों के दौरान में ली गई उक्त परीक्षाश्रों के नियमों श्रौर प्रश्न पत्नों से संबद्ध पुस्तिकाश्रों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल काइन्स, दिल्ली-(110054) के द्वारा होती हैं श्रौर उन्हें वहां से मेल श्रार्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली मिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, ''सी० ब्लाक, बाबा खडगिंसह मार्ग, नई दिल्ली (11-0001), (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-(110001) श्रौर (iii) गवर्नमेंट श्राफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एम० राय रोड़, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाए विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

- 12. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को रूप लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भता नहीं मिलेगा।
- 13. भ्रावेदन-पत्र से संबद्ध पत्न-व्यवहार:—श्रावेदन-पत्न से संबद्ध सभी पत्र ग्रादि सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा भ्राववार्य रूप से दिया जाए:—
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना श्रीर वर्ष
 - (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर श्रथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा नथा बड़े प्रक्षरों में)।
 - (5) भ्रावेदन-पत्न में दिया गया पत्न-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :---जिन पत्नों ग्राधि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

14. पते में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भ्रावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न श्रादि, भ्रावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर भ्रायोग को उसकी सूचना, उपर्यु कत परा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के माथ यथाणी घ्रादी जानी चाहिए यद्यपि श्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th June 1979

CORRIGENDUM

No. F.10/4/78-E.I(B).—In the U.P.S.C. Notice No. F.10/4/78-E.I(B) dated the 14th April, 1979, relating to the Assistants Grade Examination, 79 published in Part III, Section 1 of the Gazette of India dated 14th April 1979, the following amendments shall be made :

The words and figures 4th June, 1979, wherever they occur, in paras 5 and 7 of the Commission's Notice shall be substituted by 25th June, 1979.

> R. S. AHLUWALIA Deputy Secretary, Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 28th May 1979

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, on an ad hc basis, as Section Officer in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No., Name and Period for which promoted as Section Officer.

- 1. Sh. S. R. Khanna, 1-5-79 to 29-6-79.
- 2. Sh. N. K. Dhingra, 2-5-79 to 30-6-79.
- 3. Sh. B. L. Sharma, 2-5-79 to 30-6-79
- 4. Sh. N. M. L. Bhatnagar, 1-5-79 to 31-5-79.
- 5. Sh. K. P. Iyer, 2-5-79 to 16-6-79.
- 6. Sh. M. N. Arora, 11-4-79 to 31-5-79.
- 7, Sh. R. P. Sharma, 13-4-79 to 20-5-79.
- 8. Sh. S. D. S. Minhas, 19-4-79 to 18-5-79.

The 31st May 1979

A.12025(ii) /1/77-Admn.III.—Consequent having been nominated to the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Department of Commerce), Shri R. K. Goyal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission and retained temporarily on loan basis as Section Officer in the same cadre with effect from 23-12-78 (A.N.) has been relieved of his duties in the Office of Union Public Service Commission with effect from 31-5-79 (A.N.).

> S. BALACHANDRAN Under Secy. (Incharge of Administration)
> Union Public Service Commission

DTE. GENERAL, CRPF MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 5th June 1979

No. O.II.1101/78.Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Ganesh Kumar Dewari, Junior Medical Officer (GDO. GD. II) of Group Centre CRPF Imphal, with effect from 20-5-1979 (F/N).

Y. P. BAXI, Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 5th June 1979

No. 11/1/79-Ad.I-9566.—In continuation of this office notification No. 2/1/75-RG(Ad.I) dated 19 September, 1978 and consequent on expiry of his foreign service as Demographer in the Ministry of Health and Welfare under the Government of Iran, Shri Sant Ram Gupta has assumed charge as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations Kerala, Trivandrum with effect from the forenoon of 22 May, 1979.

The headquarters of Shri Gupta will be at Trivandrum.

P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS SERVICE OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 5th June 1979

No. Admn-I/60(62)/79-80/803-806.—"The Accountant General Jammu and Kashmir has promoted Shri K. L. Handoo (date of birth 1-2-1940) a permanent Section Officer, of this office as Accounts Officer in an Officiating Capacity with effect from the Afternoon of 31st May, 1979 till further orders."

M. M. MUBARAKI Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL: RAJASTHAN

Jaipur, the 4th June 1979

No Admn.II/G-G-Notification/289.—The Accountant General is pleased to promote Shri Udai Singh Kothari, Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 25-5-79 (F.N.) until further orders.

> R. A. BORKAR Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 30th May 1979

No. 29/79/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Asstt. Manager (Prob) with effect from the dates shown against each of them:—

Shri Ved Prakash Yajurvedi, 28th Dec 1978 (AN). Shri P. B. Raghunadhu, 5th Jan 1979. Shri Rajendra Kumar Agrawal, 7th Jan 1979. Shri Ramesh Chandra Singh, 8th Jan 1979. Shri Vinay Bhalla, 29th Jan 1979. Shri Amitabha Roy Choudhury, 25th Mar 1979. Shri M. Satyanarayana, 28th Mar 1979. Shri Scoji Tiwary, 1st Apr 1979.

V. K. MEHTA Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 2nd June 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1301/79-Admn(G)/4156.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basu, I.A.S., formerly Director in the Department of Personnel and Administrative Reforms as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the forenoon of the 20th April, 1979, until further orders.

No. 6/565/59-Admn(G)/4168.—The President is pleased to appoint Shrl I. A. Rashid a Selection Grade Officer of the CSS to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports. Bangalore, with effect from the afternoon of the 3rd March. 1979, until further orders.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 5th June 1979

No. A-1/1(291)/III.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Roy, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director General (Supplies & Disposals) in the same Directorate General with effect from the forenoon of the 28th May, 1979 and until further orders.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 2nd June 1979

No. A6/247(256)/60.—The President has been pleased to appoint Shri C. P. Sinha, Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the office of the Director of Inspection, Jamshedpur to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III) of Indian Inspection Service, Group A, (Met-Branch) in the same Inspectorate on ad-hoc basis w.e.f. 9-5-1979 (F.N.) and until further orders.

Shri Sinha relinquished the charge of the office of AIO (Met.) and assumed the charge of the office of ADI (Met.) on the forenoon of 9th May, 1979.

P. D. SETH Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 6th June 1979

No. 3056B/52/62/19A.—Shri T. P. Mukherjee, Administrative Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31-3-1979 (afternoon).

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th June 1979

No. A.19012(III)/79-Estt.A.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Shri Mohan Ram, officiating Junior Technical Assistant (O.D.), is appointed to the post of Assistant Research Officer (O.D.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26-4-1979, until further orders

No. A.19012(112)/79-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri M. M. Sawang, Pmt. Senior Technical Assistant (Pub.), is promoted to the post of Publication Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-4-79, until further orders.

S. BAI AGOPAI. Head of Office

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA (INDIAN MUSEUM)

Calcutta-700016, the 6th June 1979

No. 4-165/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Hasan Ali Research Associate (Cultural) to the post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey, at Headquarters, Calcutta, in an

officiating capacity, with effect from the forenoon of the 25th May, 1979.

C. T. THOMAS Senior Administrative Officer

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 18th May 1979

No. F.11-19/77-A.1.—Smt. Shashi Kala S. Parambath, Permanent Asstt. Librarian, is appointed to officiate as Librarian (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis w.e.f. 14-5-1979 (F.N.) and until further orders. This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and eligibility for promotion to the next higher grade.

Administrative Officer For Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st June 1979

No. 10/9/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Govind Singh of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Rampur with effect from 30-3-79 (F.N.) until further orders.

The 2nd June 1979

No. 10/13/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri H. Ramabrahman of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Aizawl with effect from 29th March, 1979 (A.N.) until further orders.

The 4th June 1979

No. 10/10/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. Devasan Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer and post him at Doordarshan Kendra, Calcutta with effect from 27-2-79 (F.N.) until further orders.

The 5th June 1979

No. 10/14/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. R. Purushothaman, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and to post him at All India Radio, Sangli, w.e.f. 30-3-79 (F.N.) until further orders.

No. 10/18/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Gurnam Singh Albela, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and to post him at Doordarshan Kendra, Amritsar with effect from 19-3-79 (F.N.) until further orders.

The 6th June 1979

No. 10/5/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ramanand Prasad of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Darbhanga with effect from 9-4-79 (F.N.) until further orders.

No. 10/7/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri V. Rama Rao, Senior Engineering Assistant All India Radio, to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer and to post him at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 9-3-79 (F.N.) until further orders.

J. R. LIKHI Deputy Director of Admn. for Director General New Delhi, the 6th June 1979

No. 32/1/79-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Avdesh Kumar, Field Reporter, All India Radio, Jaipur to officiate as Extension Officer, All India Radio, Jaipur on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from 21-3-79 until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 4th June 1979

No. A.24013/28/78-Est-I.—Kum. S. Sen, officiating Branch Manager, Films Division Nagpur, reverted to the post of Salesman on the forenoon of the 30th April, 1979, on return of Shri G. K. D. Nag, Permanent Branch Manager, Films Division, Nagpur, from leave.

N. N. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

New Delhi-1, the 6th June 1979

No. 4/10/70-DFW (Admn.).—Shri K. S. Sahni, Offg. Superintendent in the Films Division, New Delhi has been appointed to officiate as Assistant Administrative Officer, Films Division, New Delhi from the forenoon of 4th June, 1979 to 13th July, 1979 vice Shri K. C. Bikhchandani, ad-hoc Asstt. Administrative Officer granted leave.

R. B. L. MORIA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

Bombay-400026, the 7th June 1979

No. 5/32/62-Est.I.—On the recommendation of the UPSC, Chief Producers, Films Division, is pleased to appoint Smt. S. M. Paralkar, Permanent Artist Grade I, Films Division, Bombay, to officiate as In Between Animator in the same office with effect from the forenoon of the 25th May, 1979 until further orders.

M. CHANDRAN NAIR Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 6th June 1979

No. A.12026/19/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Gur Prasad Dhusta, Technical Assistant (Printed Publicity) to officiate as Assistant Production Manager (Printed Publicity) in this Directorate in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 28th May, 1979 (forenoon), until further orders.

R. NARAYAN
Deputy Director (Advtg.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1979

No. A.12026/38/77(HQ)Admn.I.—In continuation of the orders contained in this Directorate's notification No. A.1202638/77(HQ)Admn.I, dated the 7th October, 1978, the President is pleased to appoint Shīi P. K. Ghai, Desk Officer in the Directorate General of Health Services to the post of Officer on special Duty (Stores) in the same Directorate on an ad-hoc basis for a further period of six months with effect from the forenoon of 7th March, 1979.

The 7th June 1979

No. A.12026/4/79(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Balasubramanyam, Deputy Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services to the post of Drugs Controller (India) in the same Dte. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st January, 1979 to the 31st March, 1979 (A.N.) vice Dr. S. S. Gothoskar on extraordinary leave.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

STORES I SECTION

New Delhi, the 18th April 1979

No. A.38013/1/79-SI.—On attaining the age of superannuation Shri Venkatesh Bhimrao Deshpande, Assistant Factory Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay retired from Government Service on the afternoon of 31-3-79.

S. K. KARTHAK Deputy Director Admn. (Stores)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG) VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 1st June 1979

No. F.2-1/79-Estt.(1).—The ad-hoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended beyond 6th June, 1979 and upto 30th June 1979.

B. N. CHADHA Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th June 1979

No. A-19023/2/79-A.III.—On the recommendations of the D.P.C., Shri G. P. Rajani, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Nagpur with effect from 21-5-79 (F.N.), until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Rajani relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer (Group I) at Jaipur in the afternoon of 17-4-79.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 5th June 1979

No D/871/NP/E.I/2490.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri M. E. Doctor, a temporary Scientific Officer grade SB in the same Research Centre with effect from 2-4-1979 (AN).

The 6th June 1979

No. P/2042/Med/Estt.J/2509.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. (Smt.) S. I. Prasad, a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from 30-4-1979 (AN).

KUM. H. B. VIJAYAKAR Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 30th May 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm./7489.—In continuation of this Division's notification of even number dated March 1. 1979,

Shi B. D. Tambe, a permanent I ower Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accounts Officer of this Division who was appointed as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity with effect from the torenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1979 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 5, 1979.

B V. THATTE Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 11th May 1979

No. PAR/1507/1616.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex hereby appoints Sri M. Balakrishnan, permanent Assistant of BARC and officiating Assistant Personnel Officer of NFC, in a substantive capacity in the grade of Assistant Administrative Officer w.e.f. 1-1-1979.

No. PAR/1508/1617.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex hereby appoints Sri K. K. Bhattacharjee, officiating Deputy Chief Security Officer, in a substantive capacity in the grade of Security Officer, NFC west. April 16, 1979.

The 19th May 1979

No. PAR/0704/1816.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. M. Narasimha, an industrial temporary Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Cuclear Fuel Complex from 8-5-1979 to 7-6-1979.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 30th May 1979

No. A.32013/7/79/R/8566.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. Gopalakrishnan, Foreman of this Centre as Scientific Officer Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders.

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th June 1979

No. A.38012/1/79-FC.—Shri M. L. Dey, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on the 31-3-79 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 30th May 1979

No. A 32013/7/79-E.L.—The President is pleased to appoint Shri Kuldip Rai. Senior Technical Assistant (Aeronautics) to the post of Scientific Officer, Civil Aviation Department, on ad-hoc basis with effect from 22-5-1979 Foremon upto 24th July. 1979, subject to continued availability of the vacancy.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th June 1979

No A 32013/3/79-I/A.—The President has been pleased to appoint Shri O. P. Dhingra, Acrodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis. 12—126GI/79

vice Shri R. S. Sidhu. Senior Aerodrome Officer at Hqrs. granted cained leave to: the period from 7-5-79 to 21-6-79.

V. V. JOHRI Assistant Director of Administration

DIRFCTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL FXCISF

The American and the State Control of the Control o

New Delhi, the 6th June 1979

No. 5/79. -Shri D. R. Nadkarni, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B', Bombay Central Excise Collectorate on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit. Customs and Central Excise at Bombay vide Directorate's Order F. No. 1041/17/78 dated 17-3-1979, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 23-4-1979 (Forenoon)

B. R. REDDY Director of Inspection

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 23rd May 1979

No. 13/79.—Shri R. K. DAS confirmed superintendent. Central Excise Group 'B' MOR.I, Kanpur-I handed over the charge of MOR.I, Kanpur-I, in the afternon of 30-4-79 to Shri T. R. Bhasin and retired from Government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-4-79.

K. L. REKHI Collector

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 1st June 1979

No. 23/2/77-EC.II.—On attaining the age of superannuation Shri U. J. Matai, Superintending Engineer of this Department, on deputation to Central Warehousing Corporation, has retired from Government service w.e.f. of the 31st May, 1979 (A.N.).

B. R. RATTU
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rathor Investments Private Limited

Cuttack, the 25th May 1979

No. S.O.-715/981(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rather Investments Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Vigyor Savings and Finance Company Private Limited

Cuttack, the 25th May 1979

No. SO/727/982(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/v. Vigyor Savings and Finance Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Sambalpur Minerals Industries Private Limited

Cuttack, the 25th May 1979

No. S.O./357-983(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sambalpur Mineral Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D, K. PAUL Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Prakash Pen Company Private Limited

Kanpur, the 11th June 1979

No. 7157/3360-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Prakash Pen Company Private Limited has this day been struck of and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Lucknow Commercial Chit Fund and Finance Private Limited

Kanpur, the 11th June 1979

No. 7158/3073-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Lucknow Commercial Chit Fund and Finance Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN Registrar of Companies, Kanpur, U.P.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi-V, the 4th June 1979

INCOME-TAX

No. JUR-DI.I/V/79-80/5830.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall stand abolished w.e.f. 4-4-1979.

1. Distt. IV(1) Addl. New Delhi.

K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi.

Lucknow, the 30th May 1979
FSTABLISHMENT—CENTRAL SERVICES

GAZETIED LT.OS (GR. 'B')—CONFIRMATION OF

No. 88.—On the recommendation of the Committee Constituted in persuance of Department of Personnel and

Administrative Reforms O. M. No. 29014/75/Estt(A) dated 15-11-75 and Board's letter F. No. A-29011/28/78.Ad.VI dated 7-10-78, Shri Mohan Singh, Income-tax Officer (Gr. B) presently working as Additional Assistant Director of Regional Training Institute, Lucknow is hereby confirmed as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from 1-12-1978. His date of confirmation is liable to be changed if found necessary, at any subsequent stage.

S. K. LALL
Commissioner of Income-tax,
Lucknow.

NORTH EASTERN REGION

Shillong-793001, the 16th June 1979

In pursuance of provision Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1978-79.

Sl. No., Names & address of the assessee and Amount in default.

- M/s. Sharma Trading Corporation, Rs. 2,47,941/-Jorhat, Assam.
- Shri Durgadutt Sharma, C/o. M/s. Sharma Trading Corporation Jorhat, Assam.
- 3. Sheikh Mohmmed Nawab, Rs. 1,50,625/-Jorhat Assnm,
- 4. Lute Israil Khan Rs. 2,49,559/-Panchali, Dibrugarh, Assam.
- M/s, Mangal Chand Ramkumar Rs. 1,66,457/-& Co., Dibrugarh, Assam.
- Sardar Gurbachan Singh, C/o. Ramkrishna & Co. B-26, Kailash Colony, New Delhi-48.
 Rs. 1,43,202/-
- M/s. H. P. Kar & Sons (P) Ltd., Rs. 2,34.346/-Digboi.
- 8. M/s. Bridge & Building Corporation Rs. 3,13,197/-. (P) Ltd., Gauhati.

L. M. PRASAD Commissioner of Income-tax North Eastern Region Shillong

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 26th May 1979

Ref. No. IAC/CA5/SR Bombay/Oct. '78/447.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M.I.D.C. Plot No. 214(A), Wagle Estate, situated at Rd. No. 30, Indl. Area, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Bombay on Oct. 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Yogendrapal Amarnath Khanna & Smt. Renu Shashipal Khanna, Indian Fastners, B6/1 Basant Park, Chembur, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Talento Pharmaceuticals (Shashikant Kishorebhai & Others) 209, Prasad Chembers, Opera House, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property standing on M.I.D.C. Plot No. 214(A), Wagle Estate, Road No. 30, Industrial Area, Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 940 dated Oct. 78 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

SMT. P. LAI.WANJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Poona.

Date 26-5-1979 Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI'. COMMISSIONER, OF PNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1916.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliundur on Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Maya Devi Tondon W/o Sh. Jagan Nath 185, Civil Lines Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Satya Pal S/o Sh. Labha Ram Shop No. :--9 B-VI-176 Rainak Bazar, Jullundur, C/o Chopra Silk Store, Jullundur.

(Transforee)

(3) As Per Serial No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any Other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale deed No. 5113 of Oct. 1978, of the Registering Authority Jullundur.

P. N. MALJK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-5-1979

Scal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th May 1979

Ref. No. A. P. No. 1917.—Whereas, J. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundar on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Kartar Singh Kataria C/o Satinder Paul Singh Kataria Shanta Cruz Air Port. Bombay.
- (2) Shri Kailash Chander Vidya Sagar SS/O Shiv Dayal E.S. 143 Makdum Pura, Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

4

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5099 of October, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 28:5:1979

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundur, the 11th June 1979

Rcf. No. A.P. No. 1918.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Om Parkash s/o Shri Chuni Lal Attorny of Chuni Lal, Basti Guzan, Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath s/o Shri Avinash Lal, WM 60, Basti Guzan, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per sr. No. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 5152 dated 18.10.1978 of the Registering authority, Jullundur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11.6.1979.

FORM ITNS-

NOTICE-UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th June 1979

Ref. No. A.P. No. 1919.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Nazar Singh s/o Wariam Singh Sangat Singh Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Sawitari Angrish w/o Sh. Madan Lal WM 257 Basti Guzan, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propert yas mentioned in the Registration Deed No. 5246 dated 23:10.78 of the registering authority, Jullundur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 11.6.1979.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th June 1979

Ref. No. A.P. No. 1920.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Sadhu Ram s/o Baru Ram & Bhagat Ram s/o Dass Ram, Ram Nagar, Near Industrial area, Jullundur.

(Transferor

(2) Shrimati Jilo w/o Kabal Ram, Ram Nagar, near Industrial area, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5234 dated 23.10.1978 of the Registring authority, Jullundur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-6-1979. **Seal**:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th May 1979

Ref. No. 935-A/G.bad/78-79...-Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 26-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13- 126GI/79

 Km. Rama Gupta d/o Late Ramji Lal r/o Ahata Maudumal G.T. Road, Gaziabad Parg. Loni Tah. & Distt, Gaziabad.

(Transferor)

 Snat. Chandra Mohini Bakshi w/o Deo Raj Bakshi, Smt. Urmila Rani Duggal w/o Sri Prem Nath Duggal r/o 253 Bajaria Railway Road, Ahata, Maudumal Distt. Gaziabad.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 253 situated at Bajaria Railway Road Ahata Maudumal Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26.5.1979

FORM I.T N S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1979

Ref. No. 937-A/Ref/78-79/Kan.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kanpur on 27-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the pursones of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Somnath Shukla s/o Late Pt. Kailashnath Ji Shukla r/o House No. 118/243 Gumti No. 5, Kanpur. (Transfero)
- (2) Shri Binda Chiran Ji Gupta s/o Late Sri Banshi-dhar Gupta r/o House No. 77/5 Coolie Bazar, Kanpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 76/5 Coolic Bazar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 21,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 31-5-79

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1979

Ref. No. AP557/NKD/79-80.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Bajuha Khurd (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shmt. Preeto d/o Sh. Amar Singh s/o Sh. Jawahar Singh R/O Vill. Bajuha Khurd, Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shmt. Bakhshish Kaur w/o Sh. Parkash Singh s/o Sh. Amar Singh, Sh. Santokh Singh, Sh. Charanjit Singh s/o Sh. Bhagtu Singh s/o Sh. Amar Singh, Vill. Bajuha Khurd, Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 Kanals and 19 marlas at Village Bajuha Khurd as mentioned in sale deed No. 2811 of Feb., 1979 registered with the S. R. Nakodar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 8-6-1979.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1979

Ref. No. AP/558/PHL/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Mian Wal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than foir market value of the aforesaid the property. I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nihal Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, R/o Vill. Harian Wala, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S'sh. Trilochan Singh, Harbans Singh, Kulwinder Singh, Bhajan Singh, Baljinder Singh ss/o Chahal Singh, R/o Mian Wal (Phillaur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 106 Kanals in village Mianwal as mentioned in sale deed No. 4353 of Feb., 1979 registered with the S. R. Phillaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 8-6-1979.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1979

Ref. No. AP/559/BAT1/79-80. -Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per sheedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Oct., 1978

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh Bagga Singh s/o Sh. Kunda Singh s/o Sh. Wadhawa Singh, Near Khalsa High School, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Nanak Chand s/o Sh. Harkishan Dass s/o Sh. Prabh Dayal. R/o Maharaj Patti, Seol, Teh. Phul Now 3307-Power House Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As plot measuring 1183 sq. yards on Multania Road, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 3648 of Oct., 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 8th June 1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1979

Ref. No. AP/560/BT/79-80,—Whereas, I, P. N. MALIK, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhatinda in Oct., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Pohla Singh s/o Sh. Kunda Singh s/o Sh. Wadhawa Singh, Near Khalsa School, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Nanak Chank r/o Sh. Harkishan Dass s/o Sh. Prubh Dayal, R/o Maharaj Patti, Seol, Teh. Phul Now 3307-Power House Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 1200 sq. yards on Multania Road, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 3666 of Oct., 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 8-6-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA . OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1979

Ref. No. AP 561/BTI/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK. weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhatinda on Oct., 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Kunda Singh s/o Sh. Wadhawa Singh. Near Khalsa High School, Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Sh. Nanak Chand s/o Sh. Harkishan Dass s/o Sh. Prabh Dayal, R/o Maharaj Patti, Scol, Teh. Phul (Bhatinda) Now-3307-Power House Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDDULE

A plot measuring 1183 sq. yard on Multania Road, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 3706 of Oct., 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 8-6-1979,

FORM ITNS-

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- (2) The family of Sheth M

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L AHMEDARAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th February 1979

No. Acq. 23-1-1951(783)/1-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 35/1/1-2, T.P.S. 3, F.P. 793/1 situated at Near Paldi Bus Stund, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ansuyaben Bharatkumar Dalal, Shantikunj Paldi Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The family of Sheth Manilal Maganlal Dalal & Bai Dahiben Manilal Dalal, Charity Trust Fund, Shantikunj, Paldi—through—Trustees (1) Shri Bharatkumar Manilal Dalal & Others, Paldi, Ahmehad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four old garrages & Servant's rooms standing on land adm. 715.50 sq. mtrs., bearing S. No. 35/1/1-2, Ellisbridge, T.P.S. 3, F.P. 793/1, situated near Paldi Bus Stand, Ahmedabad, duly registered by Registering Authority, Ahmedabad vide Sale-deed No. 9270/9-10-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 20-2-79

Seul ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th February 1979

No. Acq. 23-I-1977(790)/11-5/78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open plot of lands bearing F.P. Nos. 131, 139, 153, 160 & 170 situated at Unnatuagar Co-op. Hous. Soc., Una, Dist. Chandigarh, Una in Oct., 1978.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Una in Oct., 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:—

14—126GI/79.

 Una Nagar Panchayat, through: Revashanker: Jaishanker Joshi, President, Una Nagar Panchayat, UNA. Dist. Junagadh).

(Transferor)

(2) Unnatnagar Co-Op. Housing Society Ltd., through S: President Shri Ratilal Monji Davda, Unnatnagar Society, UNA, Dist. Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of lands bearing F.P. Nos. 131, 139, 153, 160 of Unnatnagar Co-operative Housing ociety in T.P.S. No. 1 and 170 of Unnatnagar Co-operative Housing Society in Registering Officer, Una, vide sale deed No. 837/16.6.78 Octo-T.U.S. No. 1 in Una, adm. total area 5177 sq. metres duly registered by Registering Officer, Una, vide sale deed No. 827/15,6.78 October, 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-

Date: 24.2.1979,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1979

Ref. No. P.R.No. 655 Acq. 23-1170/7-4/78-79.—Whereas, J, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S.No. 71/3 paiki of Sisodara (Ganesh) Tal. Navsari situated at Navsari Bardoli Road, Dist. Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari in Oct., 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely;----

- Advance Rice Mills; through its partners:
 Bhikhabhai Vanmalibhai;
 Ramanbhai Bhikhabhai;

 - 3. Harkisan Bhikhabhai;
 - Kunvarjibhai Bhikhabhai Patel; 5. Chhaganbhai Vanmalibhai Patel Bardoli Road, Kabilpore, Navsari.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ahmedbhai Musabhai Teladia;
 - Shri Yusufbhai Ismail Ravat;
 - 3. Shri Mohmedbhai Suleman Patel;
 - Shri Musabhai Ibrahim Haji; Shri Hasanbhai Ibrahim Gharaiya.

C/o. Advance Rice Mills, Navsari Bardoli Road, Kabilpore, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at R.S.No. 71/3 of Moje Sisodara (Ganesh) on Navsari-Bardoli Road, Kabilpore, Navsari, just behind G. I. D. C. Industrial Estate, Navsari, admeasuring 1 Arce 14 Gunthas land, duly registered with registering authority at Navasari in the month of October, 1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 9th March, 1979

Scal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th March 1979

No. Acq. 23-I-1908(797)/10-3/78-79.—Whereas, I. S. C.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 225-1, 226, situated at on road from Dhrol to Jodiya at Jodiya,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodiya on 13-10-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vinod Cotton Industries, through: partner
 Shri Mahendrakumar Mohanlal & Others, Jodiya, Dist. Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Anand Oil Mill, through: partner Shri Shaileshkumar Ravjibhai Patel & Others, Jodiya, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as M/s. Anand Oil Mill standing on land admeasuring 7865 sq. yds. bearing S. No. 225-1, 226, situated on road from Dhrol to Jodiya at Jodiya, Dist. Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R.No. 724 dt. 13.10.78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24.3.1979.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1979

No. Acq. 23-I-2155(80)/1-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearin No.

4390-Kalupur Ward-I, —F.P. No. 37 situated at Outside Panchkuva Darwaja, Mirghawad, Near Fire Bridge Station, Abmedabad

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Kamrunissa Hafizuddin Shaikh & others, Opp. Sunni Muslim Waqf Committee, Near G.P.O., Mirzapur Road, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Shri Kaushikkumar Ramanlal Patel; Bungalow No. 6, Swaminarayan Nandir Colony, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 111.20.53 sq. mets. bearing S.No. 4390 (Sheet No. 12)—Kalupur-I, City wall scheme F.P.No. 37 (Muni. Census No. 3029-1 to 3029-5) situated outside Panchkuva Gale, Mirghawad, near Fire Brigade Station, Ahmedabad, duly registered vide sale-deed No. 10011/27-10-1978 by Registering Officer at Ahmedabad i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-1979.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTTION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1979

No. Acq. 23-I-2156(804)/J-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1450 & 1451 Ward No. Khadia III, situated at Sankadi Sheri, Hajira's Pole, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons. namely:—

 Shri Natverlal Jethalal Patel & Others, Sankdi Sheri, Hajira's Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vinodehandra Chandrukant Gandhi; Gandhi Road, Patasa's Pole, in Brahamapuri's Pole, Gandhi Building, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 103-38-01 & 56-51-23 sq. mts. with some old structure in a dilapidated condition—bearing S.No. 1450 & 1451 (Census No. 861, 861-1, 861-4)—Khadia Ward. III, situated in Sankdi Sheri, Hajira's Pole, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer at Ahmedabad vide sale-deed No. 9509/16-10-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INNCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th April 1979

No. Acq. 23-I-1958(805)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Known as Vijaya Sadan situated at Vallabh Kanya Vidhyalaya Road, Millpara Road, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-10-1978

said instrument of transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Shri Arunkumar Bhogilal Thakar (as self
 - Power of Attorncy Holder of). 2. Shri Anilkumar Bhogilal Thakar
 - 3. Shri Ashwinkumar Bhogilal Thakar; 4. Smt. Vijayalaxmi Bhogilal Thakar; 3-C, Crystal Building, 36, Altmount Road, Bombay-400 026. (Transferor)
- (2) 1. Shri Bhupatlal Muljibhai;
 - Shri Harshadkumar Muljibhai;
 Shri Bharatkumar Muljibhai;

 - 4. Shri Bakalbhai Muljibhai; Raghavirpara, 7, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Vijay Sadan standing on land admeasuring 808-8 Sq. Yds. situated at Vallabh Kanya Vidyalaya Road, Milpara, Rajkot and as fully described in the saledeed Registered vide Registration No. 4082 dated 3-10-1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Abmedabad.

Date: 25th April, 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INNCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th April 1979

Ref. No. P.R.No. 664 Acq. 23-1358/13/78/79,—Whereas, I, S. C. PAR/KH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Rev. Survey No. 1577, T.P.S. 4, F.P.No. 21 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Oct., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-106GI/79

- (1) 1. Bareya Natsinghbhai Kulabhai;
 - Bareya Rambhai Kulabhai;
 Bareya Chhotabhai Kulabhai;
 - 4. Bareya Chnotaonai Kulabhai;
 - 5. Bareya Ramanbhai Kulabhai:
 - Kamlaben Kulabhai D/o Mangalbhai Rajolpura Anand.

(Transferec)

 Gulsanlal Dalchand Gupta; Laxmi Vijay Hindu Hotel; Opp. Goregaon Rly. Station, Bombay-62.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land bearing Rev. Survey No. 1577 at Anand Town Planning Scheme No. 4, Final Plot No. 211 admeasuring Sq. mts. 5766. 58 in aggregate sold under 2 sale deeds and fully described in the deeds concerned.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 27-4-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1979

Ref. No. P.R.No. 668 Acq. 23-1359/3-2/78-79,—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land bearing Survey No. 10147 (Paiki), Survey Sheet 5 situated at Palanpur, Western side of Railway Station. Kumbharia Wadi area

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 7-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Muman Gulam Rasul Ibrahim Thuka: Power of Attorney Holder of Mohmed Adambhai Sheliya Staying at Gadhaman, Mohmed Amin Abdullabhai: Partner of M/s. Mohmed Amin Abdul Sherrif.

Abdullabhai. Palanpur.

(Transferor)

(2) Ranjit Singh Purshotham Rathod; Planpur City, Planpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 34,321 Sq. ft. on the Westernside of all way Station, Palanpur, in the area called Kumbhariawadi City Survey Sheet No. 25, Survey No. 10147, (Palki) and fully described in the sale deed registered under No. 1924 on 7-10-1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30th April, 1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1979

Ref. No. P.R.No. 669 Acq. 23-1360/19-7/78-79.—Whereas, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 380 Ward No. 12 (East side of the property situated at Rani Talay, Main Road, Surat

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on October 1978 received in Jan., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15-126GI/79

- (1) 1. Smt. Lilagauri Chhabildas Urfe Ashrumati Himat lal Silma wala, Dayanu Bhuvan, Chirumati, Bombay-2.
 - 2. Smt. Bayliben Chandrakant Reshamwala, Murli Bhagwan Nivas, Khetvai, Gali No. 8, Bombay-8, (Transferor)
- (2) Shri Ismail Ali Bharucha and Alibux Bharucha— Father of Mohmadali Yusufali at Mustakali Bharucha-Resi. Rani Talav, Bharbandhvad, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Rani Talay, Main Road, Ward No. 12, Nondh No. 380 (East side) admeasuring 195.37 sq.yds. duly registered with registering authority in the month of October. 1978 received in this office in the month of January, 1979, at Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30th April, 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 1st May, 1979

Ref. No. P.R. No. 670 Acq. 23-1361/3-2/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3/37, property land and bldg, popularly known as 'Daru-khana' Near Malan Darwaja, Palanpur City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 9-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Mahefunbai Mulla Kamruddin Zaloywala;
 P. A. Holder; Shri Abde Ali Hasan Ali Bholal,
 Nizampura, Palanpur.

(Transferor)

(2) I. Shri Umerbhai Hassaubhai Meman;2. Shri Idrishbhai Mohmedbhai;

Shri Choriya Abdul Hamid Abubakkarbhai;
 All staying at Palanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building near Malan Darwaja, Palanpur City, property popularly known as 'Darukhana'. Land admeasuring No. 32213 Sq. ft. and building bearing No. 3/37 and fully described as per sale-deed No. 1925 dated 9-10-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 1st May, 1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th May 1979

Ref. No. 675 Acq 23-1362/14-6/78-79.—Whereas, I S. C. Parikh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 1995/48 (Paiki) FP No. 29 Plot No. 9 to 18 situated at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mehsana on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shr; Kanjibhai Kakubhai Barot Mehsana confirming party: Jitendra Laud Estate Corpn. Mehsana.

(2) Padmavati Co. op. Housing Society Ltd., Mehsana.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE .

Open land admeasuring 24943 sq. ft. at S. No. 1995/48 (Paiki) F.P. No. 29, plot 9 to 18 at Mehsana and fully described as per sale deed No.1593 registered in 10/78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Dt.: 10-5-79

(1) (i) Shri Mathurji P. Thakore (ii) Shri Themji P. Thakore Both staying at Mehsana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Madhuram Co. Op. Housing Society Ltd., Mchsana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th May 1979

Ref. No. P. R. No. 676 Acq 23-1363/14-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No.1990/142 situated at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expired later;

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 28,042 sq. ft. at S. No. 1990/142 of Mehsana and fully described as per sale deed registered under No. 1564 on 16-10-78.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dt.: 10-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th May 1979

Ref. No. P.R. No. 677 Acq. 23-1161/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 151 situated at Surat Dist. Choryasi Sus Dist. Majura.

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Oct. 78

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dinnanath Punnamehand being Karta of (HUF) Sagrampura, Opp. Sachin House, Surat.

(Transferor)

(2) Dinbandhu Co. Op. Housing Society Ltd., Bhatar Road, Bhatar Jakat Naka, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 151 situated at Surat Dist. Sub. Dist. Majura admeasuring 5663.69 sq. metres duly registered with registering authority at Surat in the month of October, 1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabed

Dt.: 10-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th May 1979

Ref No. P.R. No. 678 Acq. 23-1162/19-7/78-79,—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 685 Ward No. 6 situated at Galemandi, Moti Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Oct. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1), Champaklal Chhotalal, Bhupendra Champaklal, Himasu Champaklal, Girgam Road, Bombay

(Transferor)

(2) Balvantrai Karsandas Vyas, Jahangirpura, Tal. Choryasi, Dist. Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Galemandi, Mot; Sheri Noudh No. 685 Ward No. 6, Surat admeasuring 107.02.46 sq.mts. duly registered with registering authority at Surat in the month of October, 1978.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Dt.: 10-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM, ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009. the 2nd May, 1979

Ref. No. Acq. 23-I-1995(810)/10-1/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to 83 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Muni Plot No. 105 (P) situated on the Opp. side to Dig Vijaya Plot, Jamuagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Januagar on 5-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 I. Bhanusali Peraj Gangji;
 Pragji Gangji, and others, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Gomtiben Manekram; Lakhota Mig Colony, Behind S. T. Bus-stand, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2520 sq.ft. bearing M. Plot No.105(P) situated on the Talav side, on Sumer Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide No.2074 dated 5-10-1978.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Date: 2-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May, 1979

No. Acq. 23-I-2078 (813)/2-1/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

529/1-Plot Nos. 49, 50, 51 & 52 situated at Near Chaker Gadh Road & Railway Line (within limit of Municipality) Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amreli on 18-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor τω pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhimjibhai Meghjibha; Popat; Jagdish Farsan Mart, Kalyan Station Road, Kalyan (Dist. Thana) Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Patel Jivabhai Popatbhai Thumar;

 Patel Ratilal Jivabhai Thumar; Both of Manekpara, Vijay Chawk, Amreli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2844-4 sq.yds, bearing S. No. 529/1- Plot Nos. 49, 50, 51 & 52 situated near Chakar Gadh Road and Railway line, (within limit of Municipality Amreli (duly registered by Registering Officer, Amreli vide salo-deed No. 1758 dated 18-10-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated: 5th May, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 10th May 1979

No. Acq. 23-I/1996 (815)/10-1/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Revenue S. No. 291 plot No. 27 situated at Nageshwar Road, Near Vora's Hajira, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jamuagar on 3-10-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

8-L126GI(79

- (1) M/s. Nawanagar Ice & Cold Storage Co. through purtner
- (1) Abbashhai Nurbhai & others Bhindi Bazar, Bombay-3

(Transferor)

(2) M/s. Badri Ice & Cold Storage Co. Through Partner Eshakbhai Ebrahimbhai Presswala 262 Nagdevi Street, Bombay-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory building standing on land admeasuring 9148 Sq. feet bearing Revenue Survey No 291 plot No. 27 situated at Nageshwar road, near Vora's Hajira, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 2047 dt, 3-10-78.

S. C. PARIKH.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Dt.: 10-5-79.

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 10th May 1979

No. Acq. 23-I-1992(816)/16-5/78-79.--Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 2 Paiki situated at 5, Kayaji Para, Plot No. 2, Paiki, Morvi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Morvi on 13-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

- (1) 1. Shri Jatashangkar Mulshanker Bhatt;
 - 2. Shri Ramniklal Jatashankar Bhatt;
 - Amritlal Chhaganlal Trivedi; Shri Shri Dharmendra Jatashankar Bhatt;
 - C/o. Ramakant Lodge, Takhatsinhji Road, Morvi.

(Transferee)

(2) M/s. Maharaja Tiles; 5-Kayanjipara, Morvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6000 sq. ft. bearing plot No. 2 paiki, situated at Kayanjipara, Shanala Road, Morvi and as fully described in the sale-deep registered vide Regn. No. 3117 dt. 13-10-78. Open plot is bounded as under:---

North: Transferce's rest of land.

South: Road. East: Property of Vora Ibrahim Mulla Valji.

West: Road.

S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Dt.: 10-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th May 1979

No. Acq. 23-I-1959 (819)/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Open plot of land adm. 468.3.0 Sq. Yrds. situated at Near Dwarkadish floor Mill at Tagore road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rujkot on 26-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Prabhakunvar Vallabhdas Sheth & Others. 2/5, College Wadi, "Prakash", RAJKOT.
- 2. (1) Dilipkumar Damodardas Gorasia. (Transferor)
 - (2) Kiritkumar Damodardas Gorasia.
 (3) Narendrakumar Damodardas Gorasia.
 (4) Dhirendrakumar Damodardas Gorasia.
 - Dhirendrakumar Damodardas Gorasia. all at 8. Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 468-3-0 Sq. Yrds, situated near Dwarkadish floor Mill on Tagore Road, West Side, abutting Tagore Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale Deed No. 4412/26-10-78 i.e. property as fully described therein

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 17-5-1979.

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

> > New Delhi, the 14th June 1979

No. IAC/Acq. II/Oct. 75/3980/78-79/1219/16/6.— Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

red to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4282/3 situated at Darya Gani, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Km. Nirmal Gupta, d/o Late Dr. Har Sarup Gupta & Dr. Usha Gupta, d/o Late Dr. H. S. Gupta & wife Smt. Dr. Vijay Sikka, r/o 4318/3, Kayasthan Street, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi, w/o Sh Hira Lal Jain & Smt. Kusum Lata Jain, w/o Sh. Panna Lal Jain, r/o 4279/3, Darya Ganj, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 190 sq. yds bearing No. 4282/3, situated at Darya Ganj, Delhi and bounded as under:—

East: House No. 4281 & 4279 West: House No. 4283 & 4278

North: 12 ft. wide Gali South: 18 ft. Wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 14-6-1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th June 1979

No. IAC/Λεq. II/Oct. 36/3763/78-79/1219/16/6.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23/A-2 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Kumari, w/o Sh. Sukh Dayal, Bhutani, r/o D-11/4, Model Town, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Ishar Pershad Goel, s/o Late Sh. Ram Charan Dass Goel, r/o A-2/23, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold Plot of land measuring 456.3 sq. yds. bearing No. 23 in Block No. A-2, situated at Model Town, Village Malakpur Chhaoni, Delhi and bounded as under:—

East: Building on Plot No. A-2/20A

West: Road

North : Building on Plot No. A-2/22 South : Building on Plot No. A-2/23A

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax,
Delhi/New Delhi
Acquisition Range-II

Date 14-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th June 1979

No. IAC/Acq. II/Oct. 22/3719/1219/16/6.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

126 situated at Raja Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Acs, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tise purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mool Chand Nayyar, s/o Sh. Lehna Singh Nayyar, & Smt. Bimla Devi, w/o Sh. Mool Chand Nayyar, r/o 126, Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Madan w/o Sh Ram Bhaj Madan, r/o 28/107, West Patel, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given s in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storyed incomplete house measuring 363.1/2 sq. yds. bearing No. 126 situated at Raja Garden, Village Bassaidarapur, Delhi and bounded as under:—

East: 30' wide Road West: Others property

North: Property No. WZ-93/A South: House on Plot No. 125

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 14-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M-40. Shanker Dass, s/o Sh. Kirori Ram r/o Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Attar Kaur, w/o Late Sh. Tarlochan Singh, r/o 65/30, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th June 1979

No. IAC/Acq. II/Oct. 20/3716/78-79/1219/16/6.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-10 situated at Bali Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A few-hold plot of land measuring 233 sq. yds bearing No. G-10 situated in the colony known as Bali Nagar, Village Bassaidarapur, Delhi and bounded as under:-

East: 15ft wide Road West: Plot No. G-9 North: 15ft wide Road South: Service lane

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Dolhi/New Delhi

Date: 14-6-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th June 1979

No. IΛC/Acq. II/Oct. 5/3676/78-79/1219/16/6.— Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. C-8/10 situated at Model Town, Delhi-9. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monesy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri (1) Sugan Chand (2) Babu Ram & (3) Jai Kumar, ss/o Sh. Kapur Chand, r/o Smalka Mandi (Harvana),

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumari Kansal, 1/0 Sh. R. S. Kansal, r/o H-7. Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 459 sq. yds bearing No. C-8/10 situated at Model Town, Delhi-9,

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 14-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Qct.5/3793/78-79/1220.--Whereas I, R. B. L. Aggarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-19/3 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-17-126GI/79

- (1) Shri Hukam Chand, s/o Sh. Tek Chand, r/o. A-19/3 Rana Partap Bagh, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Shikher Chand Jain, s/o Sh. Phool, Chand Jain, r/o. A-19/3 Rana Partap Bagh, Delhi. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 21 storeyed house bearing No. A-19/3 measuring 133.1/3 sq. Yds. (total area 233.1/3 sq. yds.) situated at Rana Partap Bagh, Delhi and bounded as under :-

East: House No. A-19/2 West: House No. A-19/4

North: Road South: House No. A-19/3

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Oct.4/3792/78-79/1220.---Whereas I, R. B. L. Aggarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-19/3 situated M Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Om Parkash, s/o Sh. Hukam Chand, r/o. Λ-19/3, Rana Partap Bagh, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Kasturi Devi Jain w/o Sh. Shikha Chand Jain, r/o A-19/3 Rana Partap Bagh, Delhi-.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 21 storeyed house bearing No. A-19/3 measuring 100 sq. yds. (Total area 233.1/3 sq. yds.) situated at Rana Partap Bagh, Delhi and bounded as under:—

East: House No. A-19/2 West: House No. A-19/4 North: Road South: House No. A-18/3

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II

Delhi/New Delhi

Date: 16-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/6-79/347.—Whereas, I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-44, situated at Gulmohar Park, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. B. Saxena R/o A-21/99, Lodi Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Y. K. Murathy R/o 84, Lodi Estate, New Delhi-110 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential plot of land No. D-44, measuring 300 sq. yds. Gulmohar Park, New Delhi bounded as under:---

North Plot No. D-45

East: 15 feet Service Lane

South Plot No. D-43 West: 30 feet Road

D. P. Goyal
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.-III/6-79/348.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. J-13/41 situated at Rajouri Garden New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi Wd/o Sh. Babu Singh R/o J-13/41, Rajouri Garden New Delhi and Sh. Ajit Singh S/o Late Sh. Babu Singh R/o J-13/41, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shti Rawel Singh S/o Shri Brahm Dass R/o J-13/41, Rajouri Gurden New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built house No. J-13/41 Rajouri Garden, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE (II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/6-79/349.—Whereas I, D. P. Goyal, being the competent Authority under Section 269-B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C-45, situated at Shivaji Park, DLF Colony, area of Vill. Madipur Delhi.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on 14-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shii Banarsi Dass Mahajan S/o Sh. Mela Ram Mahajan R/o 10323, Motia Khan, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram and Sh. Tarlok Chand sons of L. Goga Ram R/o 46-A/12, Punjabi Bagh New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land bearing plot No. C-45, measuring 615 sq. yds. situated in the colony known as Shivaji Park, DLF Colony, on Rohtak Road, area of village Madipur, Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: Road South: Lane East: Road

West: Plot No. C-44

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 13th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/6-79/350.—Whereas 1, D. P. Goyal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Piot No. 9 Road No. 17 situated at Class C, Punjabl Bagh area of Vill. Shakurpur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Sukhchain Lal Maggu S/o Rai Sahib Harbans Lal Maggu R/o 16-E/28, East Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferor)

(2) (1) Siri Bhagwan Gupta S/o Sh. Muni Lal Gupta

(2) Sh. Dinesh Kumar Gupta

(3) Sh. Binod Kumar Gupta sons of Shri Shri Bhagwan Gupta R/o 3/13, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 on Road No. 17, in Class C, measuring 557.15 sq. yds. situated in the residential colony known as Punjabi Bagh, area of village Shakurpur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: House built on Plot No. 7 South: House built on Plot No. 11 East: Road No. 17

East: Road No. 17 West: Service Lane

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 13th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/6-79/351.—Whereas I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. B-1/13, Malviya Nagar, situated at New Delhi-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer nt New Delhi on .13-10-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Saroj Bhalotra W/o Sh. Yash Pal Bhalotra R/o C-47, Friends Colony New Delhi as G.P.A. of Smt. Ved Wati W/o Rajindro Lal Sahni R/o 0803, Laxmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Major Narendra Kumar S/o Sh. Ram Ditta Mal R/o H-85, N.D.S.E. Part I, New Delhi-49,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-1/13, Malviya Nagai, New Delhi-17, measuring 300 sq. yds. comprising of 2 Rooms, Kitchen Room etc. bounded as under :-

North: Service Lane

South: Road East: Plot No. B-1/14

West: Road

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi-110001

Date: 13-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 13th June 1979

Ref. No. JAC/Acq-III/6-79/352.—Whereas I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. WZ-163, No. A-39 situated at Village Naraina in the abadi of Inderpuri New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Delhi on 20-10-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chanchal Gambhir W/o Sh. Shanti Lal Gembhir R/o No. A-39, Inderpuri New Delhi. (Transferor)

(2) Smt, Surjit Kaur D/o Sh, Mohan Lal W/o Sh, Balwant Singh R/o H, No. 5351/28, 1 adhu Ghani, Tali Atya Samaj, Katra Ishar Daos, Paharganj,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. WZ-163 consisting of four rooms, one kitchen, bath, latrine, store, verandah, open court yard constructed on a free hold plot No. A-39, measuring 200 sq. yds. situated in the area of village Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi and bounded as under:

North: Service Lane South: Road 30 ft, East: Road 30 ft,

West: Property on plot No. A-38

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1979

(1) Shri Keshav Lel Sehgal S/o Ganeshi 1al Sehgal R/o 7/8, East Patel Nagar New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A. ASAF ALI ROAD, NFW DELHI-110001

New Delhi, the 15th June 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/6-79/353.—Whereas I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8/85 situated at Punjabi Bagh New Delhi Madras-7

rnd more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on 30-10-1978

for an exparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income airising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

18—126GI/79

(2) Smt. (1) Swarn Sethi W/o Sh. Munshi Ram Sethi, (2) Anil Kumar S/o Munshi Ram Sethi R/o 48/42. Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house built on plot No. 8 on Road No. 85, in Class C, measuring 536.11 sq. vds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State Delhi bounded as under:—

North: Plot No. 6 South: Property No. 10 East: Service Lane West: Road No. 85

> D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquistion Range III Delhi/New Delhi.

Date: 15-6-1979

Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JII
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 15th June 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/6-79/354.—Whereas I, D. P. Goyal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E3, situated at Panch Shila Park New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on 22-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ilin Sen W/o Late Mr. N. N. Sen Gupta R/o 25-C, Central Road, Calcutta-32 through Mr. Justice D. M. Sen, Constituted Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Jyoti Parshad Bhattacharjee through Sh, Chandrachawan, constituted attorney R/o E-3, Panchsheel Park New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey house built on plot of land bearing No. E-3, measuring 311 sq. yds. situoted in Panch Shila Park New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta_X,
Acquistion Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 15-6-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1979

New Delhi, the 30th June 1979

No. F-7/1/79EI(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 27th December, 1979 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 64th Course commencing in July, 1980.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300. (213 for the Army, 32 for Navy and 55 for the Air Force).

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admissions to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

- 2. Centres of Examination:—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttac, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.
 - 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:-
 - (a) Nationality: A candidate must be either: -
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government,

(b) Age limits, sex and Marital status:—Unmarried male candidates born not carlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st July, 1964 are only eligible.

Note:—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications:—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates are required to submit Higher Secondary Examination or Equivalent certificates in original to reach the commission's office by 30th June, 1980, failing which their candidature will stand cancelled. Certificates in original issued by the principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualined provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the ground of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2:—Candidates who are debarred by the Ministry of Delence from holding any type of commission in the Delence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed tee will be summarily rejected
- 5. REMISSION OF FEE;—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erswhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-19/1 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceyclone Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fce.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.
 - (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik School Society, and
 - (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.
- 6. HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December, 1979 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
 - (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counted in the Commission's Office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertainky that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note:—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give India Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

- 7, LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE:—
 - (i) From candidates in India—27th August, 1979.
 - (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Island or Lakshadweep—10th September, 1979.
- 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.
- (A) By all candidates :-
 - (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador of Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:-

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of eclaim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a hona fide displaced person/repatriate—
- (a) Displaced person from crstwhile East Pakistan
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatrlates from Sri Lanka;-

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma:-

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, not can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15 (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has fulled in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the mescribed date, he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Fxamination May, 1979 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December, 1979 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1980.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS:—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. RESULT OF APPLICATION:—It a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration,
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION: —The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned

that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any en'ry, in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their artested/certified copies, an explanation regarding the dicrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the exemination or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pronographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harrassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable: --

- (a) to be disqualified by the Commission from the Exemination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit to the Commission original certificates in support of their age and educational qualifications etc. soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of March, 1980.
- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT

REEN COMMUNICATED.

- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. CH INGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest exportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION POARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSTQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.S. BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3. WING I. RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing 1 Kamakrishiannuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority,

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, Rtg. 6 (SP)(a) (i). West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULES OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALI-IFD CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negli-

gence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (1) written exemination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total morks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—FVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT AFTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test,

The form and manner of communication of the result of the examination is individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier, course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this

examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposition of Cinema, Emporia Building (C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various molussit towns.

22. INTERLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

> R. S. AHLUWALIA Deputy Secretary

APPENDIX U

(The Scheme and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be set follows:—

Subject			Duration	Max. Marks
1. English .			2 hours	250
2. Mathematics —Paper I			2 hours 2 hours	125 125
3. General Knowledge—Pa (Science)			2 hours	200
Paper II (Social Studies, Go and Currents Events)	ograp	hy •	2 hours	200
			_	900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge,

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test, the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the condidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER-I

Arithmetic

Number Systems-Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Flementary Number Theory-Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Fuelidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., I.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations, in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. I aws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \le \times \le 90^{\circ}$.

Values of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x=0^{\circ}$, 30° , 45° , 60° and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPFR II

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci,

Mensuration

Areas of squares, rectagles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres,

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation-frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following:-

(A) Physical Properties and States of Matter, Moss, Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration, Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Fffects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye,

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Flectrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following:

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos' Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lighting Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids: Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses. Achievements of Eminent Scientists.

NOTF: Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Part II will comprise the following:—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation,

Freedom Movement in India.

Flementary study of Indian Constitution and Administra-

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayat Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line, Movements of Farth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification: Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Valcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in Indian in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

Note: Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BFLOW.

A NUMBER OF OUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS, CANDIDATES ARE THEREFORE. ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidates has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot by divulged to any one. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

- J. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.
 - 2. It will however, be ensured that :-
 - (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;
 - (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;
- Note: —A candidate with rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms refereable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.
 - (c) there is no impediment of speech;
 - (d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
 - (c) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either chr, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative offits-media or evidence or radical or modified radical mastoid operation.
- Note:—A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.
 - (f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polyous or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;
- Note:—(i) A small asymptomatic traumatic perforation of the masal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otology.
- NOTE: (ii) Diagnostic antrum nuncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated, should be adequate.
 - (g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.
- Note:—Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.
 - (h) there is no disease of the throat palate tonsils or mums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints.
- NOTE: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.
 - (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

 (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpitation.
- (1) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;
- Note:—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—
 - (i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);
 - (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
 - (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connerted with the operation.
 - (m) there is no hydrocole or definite vericocele or any other disease or defect of the genital organs.
- Note:—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;
 - (ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
 - (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
 - (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.
 - (p) there is no discase of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.
 - (q) there is no active latent or congenital veneral disease;
 - (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.
 - (s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation of recurrence: and
 - (t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.
- Note:—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred
 - 3. Standards for Height. Weight and chest measurements.
- (a) Height—(i) The height of candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bare and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be imported 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.
- (ii) The minimum acceptance height for a candidate is 157.5 cm. (157 cms. for the Navy) except in case of 19-126GI/79

Cerkhas, Nepalese, Assamese and Garhwalis candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidate from MANIPUR, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM and IRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

Note.—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifles that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) Air Force only.—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length thigh length and sitting height will be as under:—

Leg length	minimum	99 ·0 cms.
	maximum	120 ·0 cms.
Thigh length	maximum	64 ·0 cms.
Sitting height	minimum	81 ·50 cms.
	maximum	96 ·00 cms.

Note: --On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms in height, 2.5 cms in leg length (minimum) and 1.0 cms. in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of training at NDA.

(b) Weight.—(i) Weight will be taken with the candidate fully tripped or with under plants only. In recording weight, fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age Perio	riod				1516	16—17	17—18 Weight Kg.	
Height (C.M.)					Weight Kg.	Weight Kg.		
157 -00					43 · 5	45 0	47 -0	
160 .00				,	45 · 0	46 · 5	48 .0	
162 .00					46 - 5	48 -0	50 ⋅0	
165.00	-				48 .0	50 ∙0	52 .0	
167 · 50					49 ⋅0	51 ⋅0	53 ⋅0	
170 -00					51 ⋅0	52 · 5	55 ⋅0	
173 -00	_				52 · 5	54 · 5	57 • 0	
175 .00					54 · 5	56.0	59 ⋅0	
178 -80			.'		56 ∙0	58 -0	61 -0	
00.081					58 · 5	60.0	63 -0	
183 -00					61 -0	62 - 5	65 .0	

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (±6 kg, for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.
- (c) Chest—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 50 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care

will be taken that the shoulders are not thrown upwards or bacwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to tae a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in ems. decimal fraction lower than 0.5 centimeter will be ignored; 0.5 cm, will be recorded as such and 0.6 centimeter and above will be recorded as one.

For Air Force.—X-Ray spine is also to be taen to rule out any scoliosis. Scoliosis of more than 7' (by Cobbis method) will be a cause for rejection for flying. ECG of all candidates for Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

NOTE.—For Air Force and Navy, X-ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.
 - (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
 - (ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar
 —2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;
 - (i) any four of the six anteriors.
 - (ii) any six of the ten posteriors.
- (c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

Standard I

					Better eye	Worse eye
Distant Vision	•	•	•	•	V-6/6	V-6/9 Correctable to 6/6
		Sta	ndard	Ш		
Distant Vision (c	orrec	(ed)			6/6	6/9
Myopia of not more than				2·5 D incl astigmatis (·5 D in c		

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

Note—1. Fundus and Media to be healthy and fithin normal limits.

- No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myoretina.
- Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).
- 4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

Condidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit;

CP-3 (Defective Safe): - Candidates should be able to re-

cognisc white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite nlates pf Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

(c) Requirements for Services:

ARMY-VS II (Minimum Standard)

NAVY (i)—Visual Standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements:

Normally cadets/Direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings:—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia. Jigmentary degeneration/disturbances of Choric Retina. Abnormal Iris and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects, will be subjected to detailed NVA tests in the usual manner.

Colour Perception	Standard 1 ML					
Heterophoria	(Martin Lantern t	est)				

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (movided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed.

(a) At 6 metres-	_		_			
Exophoria					8 prism	dioptres
Esophoria				1	8 prism	dioptres
Hyperphoria			•	٠	1 prism	dioptre

(b) At 30 cms
Esophotia 6 prism dioptres
Exophoria . . . 16 prism dioptres
Hyperphoria . . 1 prism dioptre

Limits of hypermetropia (Under homatropine)

	Better
Hypermetropia	. 1 ·50 dioptres
Simple hypermetropic astigmatism	. 0.75 dloptre

Compound Hypermetropic astigmatism in the The error more hypermetropic merinot dian must exceed diop-1 .5 of which tres more than 0.75 dioptre may be due to aastig-

matism.

Worse eve

Hypermetropia 2.5 dioptres
Simple Hypermetropic astigmatism 1.5 dioptres

Compound Hypermetropic stigmatism The error

the more hypermetropic meridian not must exceed 2.5 of diontres which not more 1.0 than dioptre may be due to astigmatism.

eye

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian. Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both-eye):—
AIR FORCE (i) V.S.I. . . No glasses will be worn.

(ii) Special requirements:

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.00 D

Ocular Mascle Balance:

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(a) at 6 metres Exophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptre.

(b) at 33 cms Exophoria 16 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres.

Hyperphoria 1 prism dioptre,

Myopia Nil Astigmatism+0·75 Day

Binocular vision.—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception-Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms. in a reasonably quite room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests

Audiometric loss should not be greater than +10db. in frequencies between 250 Hz and 4000Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendations of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign:
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (h) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the

cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or gua dam is imable to meet wholly or partly even the expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40 ·00 per month Rs. 200 ·00
 - (b) For items of clothing and equipment:

Total . . . Rs. 850 ·00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month Rs. 200.00
- (b) For items of clothing and equipment

Rs. 475 00 approximately

- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadets' stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarships.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, is in addition, to any financial assistance from the Government.
- (3) KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each cholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasha and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at

the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensen and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Eclence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) UITAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outlit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UITAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNMEN1 Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the state of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Arr Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL:—
 - (a) Category 1.—Three scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
 - (b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs, 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per Course, of the value of Rs. 30/- per month plus an outlit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cade belonging to the State of Tamilnadu, whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) RAJASTHAN GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Rajasthan has instituted at the NDA three scholarships (one for Army, Navy and Air Force each) per Course of the value of Rs. 50/- per month plus an outlit allowance of Rs. 400/-. (Once only during the entire period of a cadet's training) to be awarded to the cadets who are sons/wards of Ex JCOs/ORs or equivalent of the Navy and Air Force belonging to the State of Rajasthan. The application can be made to the Commandant, National Defence Academy by the cligible cadets, on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects:—
 - (a) English;
 - (b) Mathematics;
 - (c) Science;
 - (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a) (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University of Pourd of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both scademic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/I.t. subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Flectrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipman. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel (time scale)	1800 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1150-1550	Brigadier	22002400
Major	1450—1800	Maj. General	2500—125/2 —2750
Lt. Colonel By Selection	1750 —1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the ran kof Lt Col and below possessing certain prescribed qualifations are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances:

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- Separation Allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation (d) Separation Allowance. allowance of Rs. 70 p.m.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to service anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :--

By Time Sca	ale					
Lt.	•	٠	•	•	•	2 years of commissioned service
Capt.	•				•	6 years of comissioned service
Major	•	•				13 years of commissioned
Lt. Col. fro						service 25 years of commissioned service
By Selection	n					
Lt. Col.	•	•			•	16 years of commissioned service
Col.	-					20 years of commissioned service
Brigadier			٠		•	23 years of commissioned service
Maj-Gen.			•	•	٠	25 years of Com- missioned service
Lt, Gen	•	•	,		•	28 years of Com- missioned service

Gen. . No restriction

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:-

Captain				3 years
Major				6 years
Lt. Colonel				6-1/2 years
Colonel				8-1/2 years
Brigadier				12 years.
Maj. Gener	al			20 years
Lt. General				25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

D. 1		Pay Scales			
Rank		General service	Naval Aviation & Submarine		
	 	Rs. p.m.	Rs. p.m.		
Midshipman		560/-	560/- —		
Ag. Sub-Lieut.		750/-	825/-		
Sub-Lieut.		830/870	910-950		
Licut		1100-1450	1200-1550		
Lieut. Cdr.		1550-1800	1650-1800		
Cdr.		1800-1950	1800-1950		
Captain		1950-2400	1950-2400		
			e receives pay to led according to Captain		
		Rear Admir	ral—2500-125/ 2750		
		Vice Admir	al—3000/- p,m.		

Qualifications pay/grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers,

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concession, like hardlying money, submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTION

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank:-

By Time Scale

Sub. Lt.				1 year
Lt,	•	-		3 years (subject to gain/ forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.				8 years seniority as Lt.
Cdr. ,	•	•	•	24 years commissioned service (if not promoted by selection).
y Selection				
Cmdr Evecu	tiva D	l-anah		20 0

By

Cmdr. Executive Branch 2-8 years of seniority as Lt Cdr.

Cmdr. Engineering Branch 2-10 years seniority as Lt. Cdr.

THE GAZETTE OF INDIA, JUNE 30,	, 1979 (ASADHA 9, 1901) [PART III—SEC. 1
Cmdr. Electrical Branch 2-10 years seniority as Lt. Cdr.	Gp Capt 4 years service as substantive Wg. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat	Air Commodore 3 years service as subs-
Branch 4-10 years seniority as Lt. Cdr.	tative Group Capt.
Capt 4 years seniority as Cdr	Air-Vice-Marshal 3 years service as subs- tantive Air Commodore.
Rear Admiral , , No restriction Vice-Admiral , No restriction,	Air Marshal 2 years service as substantive Air Vice-
(b) Acting Promotion	Marshal.
There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer	(b) Acting Promotion The following are the minimum service limits required for acting promotion of officer:—
should have attained 6 years seniority as Lieutenant.	Flt. Lt 2 years
13. AIR FORCE OFFICER	Sqn. Ldr 5 years
(i) PAY	
Rank Pay Scale	Wg. Cdr 6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Rs.	Gp Captains 8 years (After service of
Plt. Offr 825-865	1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Fg. Offr 910-1030	Air Cdr
Flt. Lt	vice of 3 years in the
Sqn, Ldr	raks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Wg. Cdr. (Selection) 1750-1950	Air Vice-Marshal . 15 years (After service
Wg. Cdr (Time Scle)	of 5* years in the ranks
Air Cdre	of Wg. Cdr. Gp., Capt. and Air Cdr.)
Air Vice-Marshal	Air Marshal 23 years
Air Marshal 3000	
Air Chief Marshal CAS) 4000	*Inclusive of broken period.
	14. RETIRING BENEFITS
(ii) ALLOWANCES	Pension, gratuity and casualty pensionary award will be
Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates:	admissible in accordance with the rules, in force from time to time.
	15. LEAVE
Pit Offr to Wg Cdre 375 00 p.m. Gp Capt and Air Cdr. 333-33 p.m.	Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.
Air Vice Marshal & above 300 ·00 p.m.	APPENDIX IV
(III) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below:—	The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for
Qualification pay Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.	appointments to posts under the Government of India.
Qualification Grants . Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-	This is to certify that Shri
(iv) PROMOTIONS	in District/Division*
(a) Substantive Promotions	
The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—	a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—
By Time Scale	the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
Flying Officer 1 year commissioned scrvice	
Flt. Lt 5 years commissioned service.	the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
Sqn, Ldr 11 years commissioned service.	the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1950"
Wg. Cdr On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.	the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1950*

^{*[}as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas

. 3 years service as substantive Sqn. Ldr.

By Selection

Wg. Cdr.

TAKE THE GOOD, AT
(Reorgamsation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, '976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order; 1962*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act ,1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Caster Order; 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*
2. Shri
State
Union Territory*
Place
Date*

**Designation.....(With seal of office)

Signature....

"Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the people Act, 1950.

**Officers competent to issue Castes/Tribe Certificate.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lashadweep.

APPENDIX V

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TFST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,..etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c.....etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answer marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



Your answer sheet (specimen) enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

- You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and fiet scated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
- After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor.
 - YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done inchanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB nencil. an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scaler or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination; our Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is scaled, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steedily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and comeback to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will bely you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asked you to stop After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Pooklet and the answer sheet out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (n) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka,
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era. (Answer--d)
- 2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Indiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
 - (c) the Frecutive is responsible to the Judiciary.

 (Answer—c)

- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development
 - (b) prevent disciplinary problems
 - (c) provide relief from the usual class room work
 - (d) allow choice in the educational programme

(Answer--a)

- 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury

(Answer-d)

- 5 Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

 (Answer—c)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1979

New Delhi, the 30th June 1979

No. F9/1/79-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 23rd October, 1979 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Missions abroad in accordance with the Rules published by the M/o Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 30th June, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure, page 10).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

Category I

Section Officers' Grade of the -*
Central Secretariat Service

Category II

Section Officers' Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch "B."

-15 (Includes 3 reserved for Scheduled "Castes & 1 reserved for Scheduled Tribes)

Category III

Section Officers' Grade of the —3 (Includes 1 reserved for Railway Board Secretariat Scheduled Tribes)
Service.

Category IV

Grade B of the Central Secre- -- **
tarlat Stenographers' Service.

Category V

Grade I of the Stenographers' -9 (Includes 2 reserved for Sub-cadre of the Indian Scheduled Castes)
Foreign Service Branch 'B'

Category VI

Grade 'B' of the Armed Forces —*
Headquarters Stenographers'
Service

Category VII

Grade B of the Railway Board —1**
Secretariat Stenographers'

Category VIII

Section Officers' Grade of the -2 (Includes 1 reserved for Intelligence Bureau Scheduled Castes).

The above number is liable to alteration.

- *Vacancies not intimated by Government,
- **The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.
- 3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (cf. Rule 3) and wishes to complete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in the Annexure once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.
- N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their applications the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the recretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulers of the examination are obtainable from the Commission by rost on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postat Order payable to the Secretary Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1979. Applications on forms other than the one prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1979 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 13th August, 1979 (27th August, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Audaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 13th August, 1979) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to futnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 13th August.

6. Candidates Seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs, 28.00 (Rs, 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

- 7. If any candidate who took the combined Limited Departmental Competitive Examination 1978 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1978 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1978 Examination, his candidature for the Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the commission's office within a month from the date of announcement of the final results of the 1978 Examination.
- 8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribus) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other exemination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy. Union Public Service Commission.

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are cligible. The conditions prescribed cannot be relexed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

- A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.
- 2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the condidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee, (See para 6 of Notice).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5 sm × 7 cm., approx.) pho ograph of the candidate.
 - (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5. below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iv) AND (v) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHOPTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARFO IN THE MONTH OF MARCH. 1980 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iii) are given below and of those in items (iv) and (v) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—
Bank Draft should be obtained from any branch of the
State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union
Public Service Commission payable at the State Bank of
India, Parliament Street, New Delhi and should be duly
Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may denosit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28 00. Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner. Ambassador or Representative, as the case may be in that Country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination

- fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.
- (ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation la offered, the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of date of birth.

- (ili) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in lak on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents for surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as commetent to issue such a certificate; and if both his parents are dend the officer significant the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari-
Village*/town in District* / Division
of the State*/Union Territory of
belongs to the
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;
las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act. 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) scheduled Castes, Order 1956*.
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled
Tribe Order 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967° .
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970*
2. Shri*/Shrimatl/Kumari and*/ or his*/ her family/ordinarily reside(s) in village*/town of District*/Division of the State*/ Union Territory of
Signature
**Designation(With seal of office)
PlaceState*/Union Territory
lease delete the words which are not applicable.
NOVE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will
have the same meaning as in Section 20 of the Representa-

tion of the People Act, 1950.

- **Officers competent to issue Ca te/Tribe Certificates.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/ City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - *(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

- 5(i) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.
- (ii) A displaced person from erstwhile East (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 3(c), (ii) or 3(c) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:-
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in vari-
 - (2) Distric. Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka Claiming age concession under Rule 3(c)(iv) or 3(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to October 1964. October, 1964.
- (iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 3(c)(vi) should produce an attested/cerified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (v) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 3(c)(vii) or 3(c)(viii) should produce an attested/certifled copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June. 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the Distric: Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatrict from Burma and has migrated to India on or often 1st from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 3(c)(ix) and (x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and referred as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates. Certified that Rank No .--------Shri --

----of Unit------was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a forcing country/in a disturbed areas and was released as a result of such disability.

Signature	
Designation	
Datc	

*Strike out whichever is not applicable,

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 3(c)(xi) or 3(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certi-

ficate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Allains to show that he was disabled while in the Eorder Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released a consequence thereof.

The form certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.—Shil—

of Unit—was disabled wails in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

- 6. A candidate claiming age concession under rule 3(d) sould submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.
- 7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material infromation in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or coherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copy. In explanation regarding the discrepancy may be subtracted.

- 8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will no, be accepted as an except for the late submission of an application. The supply an application form does not lpso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the com-

meacement of the examination he should at once contact the Commission for the resunt. Fature to comply with this provision will deprive the candidate of any claum to consideration.

- 11. Copies of paniphlets containing rules and question pagets of the five preceding examinations held before 1976 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1975 and 1977 are on sale with the Controller of Publications. Civil Lines, Delhi (116054) and may be obtained from him direct by mail orders or on eash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema Emporium Building. C Block, Baba Kharag Singh Marg. New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi (1130001) and (iii) Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various molussi) towns.
- 12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW OBLHI (110011), AND SECUED INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF LEAMINATION,
 - (5) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - *(Y) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SET THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION AND RESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.